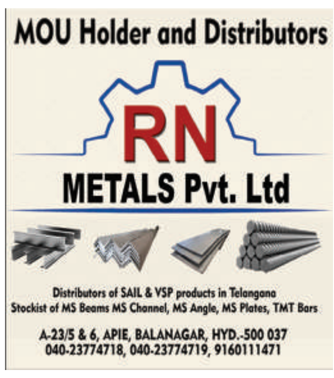

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 28 जनवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-27

नगर निकायों और निगमों का चुनाव कार्यक्रम जारी

11 को वोटिंग-अधिसूचना आज

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य चुनाव आयोग ने मंगलवार को नगर पालिकाओं और नगर निगमों के चुनाव के लिए आधिकारिक कार्यक्रम जारी कर दिया है। राज्य भर की कुल 116 नगर पालिकाओं और सात नगर निगमों में चुनाव कराए जाएंगे। इन चुनावों में कुल 52.43 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं।

नामांकन और जांच प्रक्रिया का विवरण

राज्य चुनाव आयुक्त आई. रानी कुमुदिनी द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, चुनावी प्रक्रिया 28 जनवरी को चुनाव सूचना जारी होने और नामांकन प्राप्त करने के साथ शुरू होगी।

रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा सुबह 10.30 बजे से शाम 5.00 बजे तक नामांकन स्वीकार किए जाएंगे। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 जनवरी है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच (स्क्रूटनी) 31 जनवरी को की जाएगी। जांच के बाद उसी दिन वैध रूप से नामांकित उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन भी किया जाएगा।

नाम वापसी और मतदान की महत्वपूर्ण तिथियां

उम्मीदवार नामांकन खारिज होने के खिलाफ 1 फरवरी को अपील दायर कर सकते हैं और अपीलों का निपटारा 2 फरवरी तक पूरा कर लिया जाएगा।

उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 3 फरवरी है और चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची उसी दिन दोपहर 3 बजे के बाद प्रकाशित की जाएगी। मतदान 11 फरवरी को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। किसी भी स्थिति में पुनर्मतदान (अॅश-ेश्रिश्र) की आवश्यकता होने पर यह 12 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। मतों की गिनती 13 फरवरी को सुबह 8 बजे से शुरू होगी और गिनती पूरी होने के तुरंत बाद परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। आयोग ने चुनाव अधिकारियों को सुचारू चुनाव संचालन और निर्धारित कार्यक्रम का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

तेलंगाना में आदर्श आचार संहिता लागू

चुनाव अधिसूचना जारी होने के साथ ही पूरे तेलंगाना में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। चुनाव अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि संहिता का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। चुनाव संबंधी सुरक्षा उपायों के तहत पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर चेकिंग और निरीक्षण तेज कर दिया है।

तेलंगाना निकाय चुनाव से पहले पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल

5 डीएसपी स्तर के अधिकारियों का तबादला

तेलंगाना में नगर निकाय चुनाव के कार्यक्रम की संभावित घोषणा से पहले राज्य पुलिस विभाग में महत्वपूर्ण फेरबदल किया गया है। पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी ने पुलिस स्थापना बोर्ड की सिफारिशों पर कार्रवाई करते हुए पाँच पुलिस उपाधीक्षकों के स्थानांतरण के आदेश जारी किए हैं।

डीजीपी कार्यालय द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, इन तबादलों को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। स्थानांतरित किए गए अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने वर्तमान पदों से तुरंत कार्यमुक्त हों और बिना किसी देरी के अपनी नई जिम्मेदारियों को संभालें। यह कदम चुनाव प्रक्रिया के दौरान कानून-व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया माना जा रहा है।

स्थानांतरण आदेशों के मुख्य विवरण इस प्रकार हैं- एस. सारंगापाणी: भद्राद्री कोठागुडेम जिले के टीजीपीए और इलंदू के अनुमंडल पुलिस अधिकारी के पद से हटाकर उन्हें खम्मम जिले के वायरा में सहायक पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है।

पद्मनाभुलु श्रीनिवास: वर्तमान में ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम में कार्यरत श्रीनिवास को वायरा एसीपी के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। वे अब जीएचएमसी में ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रिक्त पद पर बने रहेंगे। ▶10पर

भाजपा के पूर्व विधायक अरूरी रमेश बीआरएस में

तेलंगाना में नगर निकाय चुनावों से ठीक पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को एक बड़ा झटका लगा है। वर्धनपेट के पूर्व विधायक अरूरी रमेश ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि वह जल्द ही भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल होंगे और इस संबंध में एक आधिकारिक बयान भी जारी किया है।

अपने निर्णय की घोषणा करते हुए अरूरी रमेश ने कहा, मैं भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूँ। मैं उन सभी भाजपा नेताओं, सदस्यों और कार्यकर्ताओं का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूँ जिन्होंने मेरा समर्थन किया। अब मैंने बीआरएस नेतृत्व के निमंत्रण को स्वीकार करते हुए पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है।

पूर्व विधायक ने स्पष्ट किया कि वह अकेले नहीं, बल्कि अपने कई प्रमुख नेताओं, अनुयायियों और समर्थकों के साथ बीआरएस का दामन थामेंगे। राजनीतिक गलियारों में इसे नगर निकाय चुनावों से पहले भाजपा के लिए एक रणनीतिक क्षति के रूप में देखा जा रहा है, जबकि बीआरएस इसे अपनी मजबूती के तौर पर देख रही है।

समझौता ऐतिहासिक : मोदी

भारत-ईयू के बीच 'मदर ऑफ ऑल डील्स' सम्पन्न

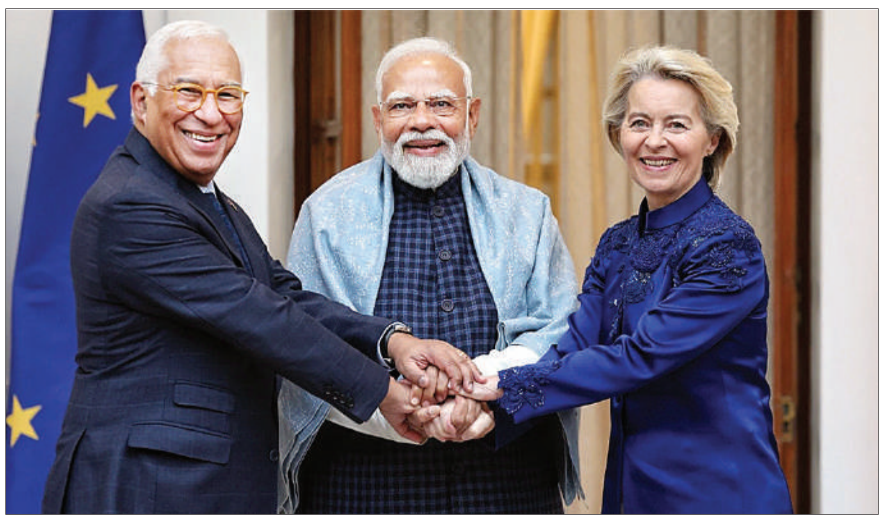

नयी दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत और यूरोप के 27 देशों के आर्थिक और राजनीतिक यूनियन यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में सहमति हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को इसकी घो-षणा करते हुए इस समझौते को ऐतिहासिक करार दिया।

प्रधानमंत्री ने यह घोषणा गोवा में आयोजित ऊर्जा क्षेत्र पर भारत के वैश्विक सम्मेलन 'इंडिया एनर्जी वीक' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए की। श्री मोदी ने कहा, अपनी बात आगे बढ़ाने से पहले मैं एक बड़े सकारात्मक घटनाक्रम की चर्चा करना चाहूंगा। कल ही भारत और यूर-ोपीय संघ के बीच एक बहुत बड़ा समझौता हुआ है। दुनिया में लोग इसकी चर्चा 'मदर ऑफ ऑल डील्स' (अब तक के सबसे बड़े व्यापार समझौते) के रूप में कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह समझौता भारत के 140 करोड़ लोगों और यूरोपीय देशों के करोड़ों लोगों के लिए बहुत बड़े अवसर लेकर आया है। ये दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का एक शानदार उदाहरण बना है। यह समझौता वैश्विक जीडीपी के करीब 25 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के करीब एक-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। यह समझौता व्यापार के साथ-साथ लोकतंत्र और कानून के शासन के प्रति हमारी साझी प्रतिबद्धता को भी सशक्त करता है।उल्लेखनीय है कि ईयू भारत का एक प्रमुख व्यापारिक और आर्थिक भागीदार है। साल 2024-2025 में दोनों के बीच 136 अरब डॉलर के सामान का व्यापार हुआ था। भारत वहां से मुख्य रूप से मशीनें, परिवहन उपकरण और रसायनों का आयात करता है, जबकि भारत की ओर से वहां मशीनें, रसायन, लोहा, एल्मुनियम और तांबा जैसी प्राथमिक धातुएं, खनिज उत्पाद तथा कपड़ा और चमड़े के सामान आदि का निर्यात होता है।प्रधानमंत्री ने कहा, साथियों, ईयू के साथ हुआ यह एफटीए ब्रिटेन और एफटा (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) समझौतों का पूरक होगा। इससे व्यापार और वैश्विक आपूर्ति शृंखला दोनों को मजबूती मिलेगी। मैं भारत के नौजवानों को, सभी देशवासियों को इसके लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मैं कपड़ा, रत्न और आभूषण, चमड़ा और चमड़े के सामान जैसे अनेक क्षेत्रों से जुड़े साथियों को भी बधाई देता हूं। यह समझौता आपके लिए बहुत सहायक सिद्ध होगा।

उन्होंने कहा, इस व्यापार समझौते से भारत में विनिर्माण को तो बल मिलेगा ही, साथ ही सेवा से जुड़े क्षेत्र का भी और अधिक विस्तार होगा। यह एफटीए दुनिया के हर व्यापार, हर निवेशक के लिए भारत पर विश्वास को और मजबूत करेगा।

उल्लेखनीय है कि यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा इस समय भारत में हैं। दोनों सोमवार को गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि थे।

सुश्री वॉन डेर लेयेन ने पिछले दिनों दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक में दोनों पक्षों के बीच समझौते पर सहमति का संकेत देते हुए कहा था कि यह समझौता मदर ऑफ ऑल डील्स (अब तक का सबसे बड़ा व्यापारिक समझौता) होगा। उन्होंने कहा था कि इस समझौते से भारत और ईयू की दो अरब की सम्मिलित आबादी का एक बड़ा और उदार बाज़ार तैयार होगा। इस समझौते के ब्यौरे की घोषणा आज शाम उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल करेंगे।

...तो बंद कर दूँगा सभी कॉर्पोरेट कॉलेज

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सड़क एवं भवन निर्माण मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने यह कहकर राज्य कैबिनेट में एक नई बहस छेड़ दी है कि अगर उन्हें शिक्षा विभाग का पोर्टफोलियो दिया गया, तो वह सभी कॉर्पोरेट कॉलेजों को बंद कर देंगे। छात्र आत्महत्याओं की बढ़ती घटनाओं और कॉर्पोरेट कॉलेजों में शिक्षा की गुणवत्ता पर चिंता जताते हुए उन्होंने यह तीखी टिप्पणी की। गौरतलब है कि वर्तमान में शिक्षा विभाग का प्रभार मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के पास है।

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री वेंकट रेड्डी ने छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने राज्य भर के कॉर्पोरेट कॉलेजों द्वारा दी जा रही शिक्षा के स्तर की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान व्यवस्था सरकारी स्कूलों और योग्य शिक्षकों की कीमत पर निजी संस्थानों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा, अगर मुझे शिक्षा मंत्री बनने का मौका मिला, तो मैं सभी कॉर्पोरेट कॉलेजों को बंद कर दूँगा। सरकारी शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों को अपने बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूलों में ही कराना चाहिए। मंत्री ने सरकारी और कॉर्पोरेट संस्थानों के स्टाफिंग पैटर्न की तुलना करते हुए कहा कि सरकारी स्कूलों में कई अनुभवी शिक्षक और रिसर्च स्कॉलर कार्यरत हैं। इसके विपरीत, उन्होंने आरोप लगाया कि कॉर्पोरेट कॉलेजों में ऐसे लोगों को लेक्चरर के रूप में भर्ती किया जा रहा है जो डोर सर्विस (चपरासी या घरेलू सेवा) की नौकरी पाने के भी योग्य नहीं हैं। उन्होंने ऐसे संस्थानों में शिक्षण की गुणवत्ता और छात्रों के भविष्य पर गंभीर सवाल उठाए।

अपने संबोधन के दौरान वेंकट रेड्डी ने पिछली कांग्रेस सरकार के समय की चुनौतियों को भी याद किया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एन. किरण कुमार रेड्डी ने अपने तीन साल के कार्यकाल में नालगोंडा के लिए एक पैसा भी मंजूर नहीं किया था, जिससे क्षेत्र का विकास प्रभावित हुआ। हालांकि, ▶10पर

जियो और जीने दो

200 और कुत्तों की हत्या, 1000 पार

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में आवारा कुत्तों की सामूहिक हत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को हनमकोंडा जिले के पाथिपाका गांव में कथित तौर पर 200 और कुत्तों को जहर देकर मार डालने का मामला सामने आया है। पशु अधिकार कार्यकर्ताओं के अनुसार, यह घटना करीब एक महीने पहले सरपंच चुनाव के दौरान हुई थी, लेकिन इसका खुलासा 25 जनवरी को तब हुआ जब स्थानीय लोगों ने गांव के पास ही दफनाए गए कुत्तों के बारे में जानकारी दी।

एक ही थाना क्षेत्र में दूसरी बड़ी घटना

शायमपेट पुलिस स्टेशन के अंतर्गत इस महीने रिपोर्ट की गई यह दूसरी ऐसी बड़ी घटना है। इससे पहले 9 जनवरी को इसी क्षेत्र के आरेपल्ली गांव में 300 कुत्तों की हत्या के मामले में एफआईआर दर्ज की गई थी। शायमपेट पुलिस स्टेशन के एसआई जकुला परमेश्वर ने बताया, चूंकि दोनों मामले हमारे अधिकार क्षेत्र में आते हैं और संदेह है कि इन्हें एक ही गिरोह ने अंजाम दिया है, इसलिए हमने पिछली एफआईआर में बदलाव कर इस नए मामले के विवरण को भी जोड़ने का निर्णय लिया है। मंगलवार को कुत्तों के शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा।

चुनावी वादे पूरा करने के लिए क्रूर रास्ता

स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन इंडिय के गौतम अदुलपुरम ने बताया कि उन्हें रविवार को इन हत्याओं की सूचना मिली थी। उन्होंने संदेह जताया कि इन कुत्तों को भी घातक इंजेक्शन देकर मारा गया है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि ग्राम पंचायत अधिकारियों ने चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने के लिए यह क्रूर कदम उठाया। ▶10पर

हैदराबाद में हैवानियत

पागल बताकर कुत्ते को दिनों तक यंत्रणा दी, फिर जिंदा जलाया, मामला दर्ज

दुंडीगल पुलिस ने केआर वैली के पास एक कुत्ते को कथित तौर पर यंत्रणा देने और बाद में उसे आग लगाने वाले लोगों के एक समूह के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। कुत्ते को कथित तौर पर लगातार दो दिनों तक यंत्रणा दी गई और शनिवार रात उसकी हत्या कर दी गई। एक निजी रक्षा कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पेड्डीनेनी साई तेजा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, पुलिस ने जानवरों के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया।

शुक्रवार को, एक बेसहारा कुत्ते, जिसकी देखभाल एक फेरीवाले द्वारा की जा रही थी, लोगों के एक समूह द्वारा लाठियों से हमला किया गया था। कुत्ते को रेबीज से पीड़ित होने का आरोप लगाया गया था। शनिवार शाम को, वही समूह कथित तौर पर फिर से इकट्ठा हुआ और पहले से ही घायल कुत्ते पर हमला किया।समूह कुत्ते को नुकसान पहुंचाने के लिए दृढ़ था। जब मुझे अपने सूत्रों के माध्यम से इस घटना के बारे में पता चला, ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

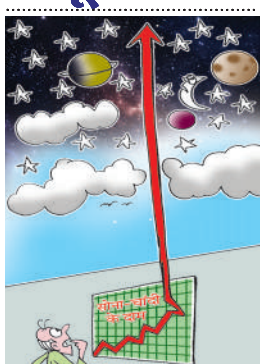

यूजीसी पर घमासान

सड़क से सोशल मीडिया तक बवाल

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों को लेकर देश भर में तीव्र विरोध देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और दिल्ली समेत कई राज्यों में सवर्ण समाज के संगठनों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा है। हालात को देखते हुए यूजीसी मुख्यालय की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए परिसर के बाहर भारी बैरिकेडिंग की गई है।

रायबरेली में भाजपा किसान नेता रमेश बहादुर सिंह और गौरक्षा दल के अध्यक्ष महेंद्र पांडेय ने नए नियमों के विरोध में सवर्ण सांसदों को चूड़ियां भेजीं। वहीं, बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने नियमों के विरोध में अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सोशल मीडिया पर

कवि कुमार विश्वास समेत कई सार्वजनिक हस्तियों ने यूजीसी के नए नियमों पर तीखा तंज कसा है। इस बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सरकार का पक्ष रखते हुए नियमों को आवश्यक बताया है।

क्या है मामला, क्यों चर्चा में है यूजीसी?

यूजीसी ने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के उद्देश्य से 13 जनवरी को नए नियम प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन 2026 अधिसूचित किए थे। इन नियमों के तहत जातीय भेदभाव को रोकने के लिए विशेष समितियां, हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें गठित करने का प्रावधान किया गया है। ये टीमें विशेष रूप से एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों से जुड़ी शिकायतों की निगरानी करेंगी।

केंद्र सरकार का कहना है कि ये बदलाव उच्च शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए किए गए हैं। वहीं, सवर्ण छात्रों और संगठनों का तर्क है ▶10पर

नेपाल में आम चुनाव के बाद सदन में दो तिहाई नए सांसदों का आना तय

काठमांडू, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

आगामी पांच मार्च को होने वाले चुनाव के बाद गठित होने वाली प्रतिनिधि सभा में वर्तमान संसद के लगभग दो-तिहाई सांसद दिखाई नहीं देंगे। पिछले सितंबर महीने में भंग हुई प्रतिनिधि सभा के करीब 170 सांसद इस बार चुनावी प्रतिस्पर्धा में ही नहीं हैं। हालांकि कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में निवर्तमान सांसद आपस में ही चुनाव लड़ रहे हैं। लेकिन यदि चुनाव मैदान में उतरे निवर्तमान सांसदों में से अधिकतम संख्या भी जीत जाए, तब भी नई बनने वाली प्रतिनिधि सभा में प्रत्यक्ष और समानुपातिक प्रणाली से दो-तिहाई से अधिक नए चेहरे आने लगभग तय माने जा रहे हैं। संघीय संसद के पूर्व महासचिव मनोहरप्रसाद भट्टराई के अनुसार उम्मीदवारों और उनकी पृष्ठभूमि देखने पर स्पष्ट होता है कि लगभग दो-तिहाई नए उम्मीदवार निर्वाचित होंगे। जो अभी चुनाव लड़ रहे हैं, उनमें से भी सभी निवर्तमान सांसदों के जीतने की कोई गारंटी नहीं है। कई तो चुनाव से ही बाहर हो जाएंगे, जिससे नए चेहरों की संख्या और बढ़ सकती है।

प्रत्यक्ष और समानुपातिक प्रणाली में भारी बदलाव

प्रत्यक्ष प्रणाली के तहत 165 निवर्तमान सांसदों में से 70 सांसद इस बार उम्मीदवार ही नहीं हैं। वहीं समानुपातिक प्रणाली के 110 सांसदों में से अधिकतम 10 ही चुनावी मैदान में हैं। सन 2022 में निर्वाचित होकर इस बार फिर चुनाव लड़ रहे लगभग 100 निवर्तमान सांसदों की जीत भी सुनिश्चित नहीं है। इसके अलावा, 8 पूर्व सांसद आपस में ही प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

शीर्ष नेताओं का चुनाव से दूर रहना

नेपाली कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा, निवर्तमान उपाध्यक्ष धनराज गुरुङ और वर्तमान उपाध्यक्ष विश्वप्रकाश शर्मा इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। इसी तरह प्रकाशमान सिंह और आरजु राणा भी प्रतिस्पर्धा में नहीं हैं। सीपीएन-यूएमएल में निवर्तमान उपमहासचिव टोपबहादुर रायमाझी, योगेश भट्टराई और विद्या भट्टराई सहित करीब पांच दर्जन बड़े नेताओं को टिकट नहीं मिला है। ये भी चुनाव मैदान से बाहर हैं। जहां निवर्तमान सांसद आमने-सामने हैं जुम्ला, झापा-2, सर्लाही-4 और धनुषा-3 में एक से अधिक निवर्तमान सांसद आपस में ही मुकाबला कर रहे हैं। ऐसे में इन क्षेत्रों से केवल एक-एक सांसद ही निर्वाचित होंगे और कम से कम 6 निवर्तमान सांसद संसद से बाहर हो जाएंगे। झापा-2 में निवर्तमान सभामुख देवराज घिमिरे, कांग्रेस की समानुपातिक सांसद सरिता प्रसाईं और निवर्तमान उपसभामुख इन्दिरा रानामगर चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें से दो सांसद हार जाएंगे। सर्लाही-4 में कांग्रेस के गगन थापा और रास्वपा के अमरेशकुमार सिंह में से केवल एक ही सांसद बनेंगे। धनुषा-3 में एमाले की जुलीकुमारी महतो, कांग्रेस के विमलेन्द्र निधि और रास्वपा के मनिष झा आमने-सामने हैं। इनमें से भी केवल एक ही प्रतिनिधि सभा में पहुंचेगा। जुम्ला में राप्रपा के ज्ञानेन्द्रबहादुर शाही और रास्वपा की विनिता कठायत में से कम से कम एक सांसद बाहर होगा।

न्यूज ब्रीफ

यूएन में भारत का कड़ा रुख: पाक को खूब सुनाई कहा ऐसे नहीं देंगे सिंधू का पानी

जेनेवा। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी आतंकी नीतियों और भारत विरोधी एजेंडे के लिए जमकर लताड़ लगाई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथनेनी हरीश ने दो टूक शब्दों में कहा कि पाकिस्तान का एकमात्र एजेंडा भारत को नुकसान पहुंचाना है, लेकिन उसे अब अपनी हरकतों का खामियाजा भुगतना होगा। सिंधु जल संधि पर भारत का रुख अब बेहद सख्त नजर आ रहा है। भारत ने स्पष्ट किया कि उसने 65 साल पहले सद्भावना के साथ यह संधि की थी, लेकिन पाकिस्तान ने तीन युद्ध और हजारों आतंकी हमले करके इस भरोसे को तोड़ा है। भारत ने अब घोषणा की है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को स्थायी रूप से खत्म नहीं कर देता, तब तक इस संधि को रोक कर रखा जाएगा। अंत में, भारत ने पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति और वहां के संवैधानिक संकट पर भी कटाक्ष किया। पी हरीश ने कहा कि पाकिस्तान को दूसरों को ज्ञान देने के बजाय आत्मचिंतन करना चाहिए कि कैसे वहां सेना ने 27वें संशोधन के जरिए संवैधानिक तख्तापलट किया और अपने रक्षा प्रमुख को आजीवन छूट दे दी। भारतीय प्रतिनिधि ने पिछले साल के घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए पाकिस्तान के दावों की हवा निकाल दी। उन्होंने सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान के उस झूठे नैरेटिव को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें पाकिस्तान ने आपरेशन सिंदूर को लेकर खुद के पक्ष में विवरण पेश किया था। पी हरीश ने याद दिलाया कि कैसे पाकिस्तान की हेकड़ी कुछ ही घंटों में गायब हो गई थी। उन्होंने कहा, 9 मई तक पाकिस्तान भारत पर और अधिक हमलों की धमकी दे रहा था, लेकिन 10 मई की सुबह होते-होते पाकिस्तानी सेना ने सीधे भारतीय सेना को फोन किया और युद्ध रोकने (सीजफायर) की गुहार लगानी शुरू कर दी।

प्रेग्नेंसी के दौरान पैरासिटामोल लेने से शिशु को कोई खतरा नहीं: शोध

सेंट जॉर्ज। प्रेग्नेंसी के दौरान पैरासिटामोल लेने से अजन्मे बच्चे में ऑटिज्म, अटेंशन-डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर या बौद्धिक विकलांगता का कोई खतरा नहीं बढ़ता। वैज्ञानिकों ने यह दावा किया है एक ताजा शोध के बाद। यह शोध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को भी खारिज करता है, जिसमें उन्होंने गर्भवती महिलाओं से इस दवा से बचने की अपील की थी। पैरासिटामोल, जिसे एसिटामिनोफेन भी कहा जाता है और जो टायलेनॉल की मुख्य सामग्री है, गर्भावस्था के दौरान दर्द और बुखार के लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाने वाली दवा है। दुनियाभर में इसे पहली पसंद के तौर पर इसलिए दिया जाता है, क्योंकि इसकी सेफ्टी प्रोफाइल अन्य दर्द निवारक दवाओं, जैसे नॉन-स्टेरॉयडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स और ओपिओइड्स की तुलना में बेहतर मानी जाती है।

पेंशनर्स को भी दी जाएगी प्रेग्नेंसी से पहले के प्रेनेटल चेकअप की सुविधा

बीजिंग। हाल ही में चीन में लागू की गई एक नई स्वास्थ्य नीति सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा का विषय बनी हुई है। इस नीति ने चीन में जन्म दर बढ़ाने की सरकारी कोशिशों को एक नया और विवादास्पद मोड़ दे दिया है। इस नीति के तहत पेंशनर्स को भी प्रेग्नेंसी से पहले होने वाले प्रेनेटल चेकअप की सुविधा दी जाएगी। इतना ही नहीं, इसके खर्च की भरपाई सरकार करेगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा प्रशासन की घोषणा के मुताबिक 1 जनवरी, 2026 से सामाजिक बीमा योजना से जुड़े स्वरोजगार करने वाले नागरिक और पेंशनर्स प्रेनेटल जांच का खर्च क्लेम कर सकते हैं। इसमें प्रति व्यक्ति रीइम्बर्समेंट की अधिकतम राशि 3,000 युआन से बढ़ाकर 10,000 युआन कर दी गई है। इसके अलावा, शहर में काम करने वाले पुरुष कर्मचारी अपनी बेरोजगार पत्नी के प्रेनेटल खर्च का भी दावा कर सकते हैं। हालांकि, नीति में पेंशनर्स को शामिल किए जाने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने हैरानी और तंज भरी प्रतिक्रियाएं दी। कई यूजर्स ने इसे अव्यावहारिक और हास्यास्पद बताया। चीन में पुरुषों की सेवानिवृत्ति उम्र पहले 60 साल और महिलाओं की 50-55 साल थी, जिसे अब क्रमश: 63 और 55-58 साल तक बढ़ाया जा रहा है।

बांग्लादेश में डक्सू नेता का वीडियो वायरल नाबालिग लड़कों से कराई उठक-बैठक

ढाका, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में ढाका यूनिवर्सिटी सेंट्रल स्टूडेंट्स यूनियन (डक्सू) के कार्यकारी सदस्य सरबा मित्रा चकमा का नाबालिग लड़कों को सरेआम सजा देते हुए एक वायरल वीडियो सामने आया है। इससे परिसर में विजिलेंटे (खुद कानून हाथ में लेने) की बढ़ती संस्कृति पर फिर से सवाल उठ रहे हैं। यह वीडियो क्लिप 06 जनवरी को शाम 4:44 बजे ढाका यूनिवर्सिटी के सेंट्रल खेल के मैदान में रिकार्ड की गई है। इसमें सरबा मित्रा चकमा कई बच्चों को कान पकड़कर बार-बार उठक-बैठक करने का आदेश देते दिख रहे हैं। उठक-बैठक बांग्लादेश के कानून के तहत प्रतिबंधित है।

रिपोर्ट के अनुसार, सोशल मीडिया पर वायरल क्लिप में मित्रा को बच्चों के पास हाथ में छड़ी लिए हुए भी देखा जा सकता है। बाद में इसी घटना के दो और वीडियो सामने आए। इनमें सजा दोहराई जा रही थी। एक और क्लिप में बच्चों के एक और समूह को भी इसी तरह की सजा दी जा रही थी। इन क्लिप के वायरल होने पर मित्रा के खिलाफ सोशल मीडिया में गुस्सा फैल गया। कई लोगों ने सरबा मित्रा पर अपने अधिकार का गलत इस्तेमाल करने, बच्चों को अपमानित करने और कानून को अपने हाथ में लेने का आरोप लगाया।

बढ़ती आलोचना के बीच सरबा मित्रा ने सोमवार को फेसबुक पोस्ट में अपने इस्तीफे की घोषणा की। पछतावा जताया और दावा किया कि उन्होंने यह सब परिसर की सुरक्षा के लिए किया। डक्सू अधिकारियों और यूनिवर्सिटी प्रशासन ने कहा कि उन्हें इस्तीफा या इस संबंध में कोई औपचारिक पत्र नहीं मिला है। रंगामती सदर उपजिला के सरबा मित्रा चकमा, समाजशास्त्र के तीसरे साल के छात्र हैं। उन्हें इस्लामी छात्र शिबिर समर्थित ओइक्योबोद्धो छात्र जोट पैनल से डक्सू कार्यकारी सदस्य चुना गया था। वह वहां एकमात्र आदिवासी प्रतिनिधि हैं। गठबंधन ने उन्हें फासीवाद विरोधी आंदोलन के एक प्रमुख चेहरे के रूप में प्रचारित किया था और परिसर में गरिमा और न्याय का वादा किया था। आलोचक अब उन वादों और उनकी कार्यशैली के विरोधाभासों को उजागर कर रहे हैं।

पिछले कई महीनों में सरबा मित्रा पर सड़क पर सामान विक्रेताओं, आगंतुकों और कथित आवारा लोगों से जुड़े अभियान के दौरान शारीरिक हमले, डराने-धमकाने और अनधिकृत नैतिक पुलिसिंग के बार-बार आरोप लगे हैं। विजय एकत्तर हाल के आवासीय छात्र सिफत रिजवान ने बताया कि 16 जनवरी को दोएल चट्टार प्रवेश द्वार पर एक बाहरी टूर बस को लेकर हुए विवाद के बाद सरबा मित्रा साथियों के साथ आए और बस ड्राइवर व हेल्पर पर हमला किया। एक पूर्व छात्र ने हस्तक्षेप करने की कोशिश की, तो सरबा मित्रा ने उसे नजरअंदाज कर दिया।

एक अन्य छात्र जिया हाल के राशिदुल इब्राहिम ने कहा कि पिछले साल नवंबर में सरबा मित्रा ने शहीद मीनार पर ड्रग्स ले जाने के संदेह में एक बाइकर को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की। जब कुछ नहीं मिला बाइक को नुकसान पहुंचाया। रात को उसी जगह सरबा मित्रा और उसके साथियों ने एक जोड़े से पूछताछ की। उसी महीने एक वीडियो सामने आया जिसमें सरबा मित्रा एक बुजुर्ग व्यक्ति को छड़ी से धमकाते हुए दिख रहे थे।

टीचर-स्टूडेंट सेंटर के एक कर्मचारी ने सुरक्षा कारणों से नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सरबा मित्रा ने लगभग एक महीने पहले सेंटर फार एडवांस्ड रिसर्च इन आर्ट्स एंड सोशल साइंस के पास कई सड़क दुकानदारों पर हमला किया था। रमना काली मंदिर गेट के पास के दुकानदारों ने भी इसी तरह की घटनाओं की पुष्टि की।

ढाका यूनिवर्सिटी के प्राक्टर सैफुद्दीन अहमद ने कहा कि वायरल वीडियो में जो हरकतें दिखीं, वे पूरी तरह से उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर थीं। उन्होंने कहा, किसी भी डक्सू सदस्य को सजा देने का कोई अधिकार नहीं है, और इस बात की पुष्टि की कि वाइस चांसलर की मंजूरी से एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि इस्तीफा देने से जांच नहीं रुकेगी। डक्सू के उपाध्यक्ष अबू शादिक कायमे ने इस घटना को मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया। डक्सू के महासचिव एसएम फरहाद ने कहा कि लिखित आवेदन के बिना किसी भी इस्तीफे पर विचार नहीं किया जाएगा।

बांग्लादेश की समीक्षा समिति ने अनुबंध रद्द करने की सिफारिश की अब महंगी बिजली देंगे अडानी

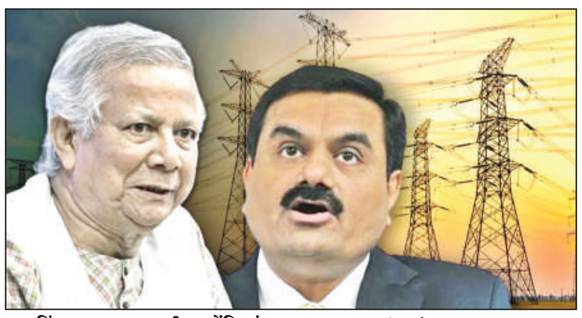

वाशिंगटन, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की एक उच्चस्तरीय समीक्षा समिति ने भारतीय समूह अडानी पावर के साथ हुए अरबों डॉलर के बिजली आपूर्ति समझौते पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोमवार को जारी अपनी रिपोर्ट में समिति ने इस सौदे में गंभीर विसंगतियों का दावा करते हुए इसे रद्द करने या इसकी शर्तों पर दोबारा बातचीत करने की सिफारिश की है। यह समझौता वर्तमान में बांग्लादेश की कुल बिजली आवश्यकता का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा पूरा करता है।

नेशनल रिव्यू कमेटी आन पावर परचेज एग्रीमेंट्स द्वारा तैयार की गई यह रिपोर्ट उन सौदों की जांच का हिस्सा है, जो पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान किए गए थे। रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा किया गया है कि बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड बिजली के लिए जो कीमत चुका रहा है, वह वास्तविक बाजार मूल्य से लगभग 50 प्रतिशत अधिक है। समिति के अनुसार, झारखंड के गोड्डा प्लांट से होने वाली आपूर्ति के लिए प्रति यूनिट 4 से 5 सेंट की अतिरिक्त कीमत वसूली जा रही है। रिपोर्ट में इसे महज एक तकनीकी गलती न मानकर राजनेताओं, नौकरशाहों और व्यवसायियों के बीच व्यवस्थित मिलीभगत का परिणाम बताया गया है। झारखंड स्थित 2 अरब डालर की लागत वाला अडानी का कोयला आधारित गोड्डा प्लांट 2024 में पूरी तरह चालू हुआ था। यह 25 वर्षीय अनुबंध के तहत बांग्लादेश की 13 गीगावाट की आधारभूत मांग का एक बड़ा हिस्सा पूरा करता है, जिसके बदले बांग्लादेश सालाना करीब 1 अरब डालर का भुगतान करता है। समिति ने चिंता जताई है कि वर्ष 2024-25 में बीपीडीबी को 4.13 अरब डालर का भारी घाटा हुआ है, जिसका एक बड़ा कारण ये महंगे अनुबंध हैं। अडानी पावर के प्रवक्ता ने इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कंपनी सबसे प्रतिस्पर्धी दरों पर बिजली दे रही है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि भारी बकाया राशि होने के बावजूद उन्होंने पड़ोसी देश की बिजली आपूर्ति बाधित नहीं की है, जबकि कई अन्य उत्पादकों ने हाथ खींच लिए हैं। कंपनी ने ढाका सरकार से बकाया भुगतान की अपील की है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह समझौता रद्द या संशोधित होता है, तो बांग्लादेश में गहरा बिजली संकट पैदा हो सकता है, क्योंकि भारत से आने वाली कुल 2200-2300 मेगावाट बिजली में अडानी का हिस्सा सबसे प्रमुख है।

ड्रोन तकनीक को नई दिशा देगा चमगादड के उडान का तरीका

लंदन। वैज्ञानिकों के लिए लंबे समय से सवाल बना हुआ था कि पिच-ब्लैक अंधेरे में चमगादड़ इतनी सटीकता से रास्ता कैसे पहचान लेते हैं। घने जंगल, चारों तरफ घुप्प अंधेरा और तेज रफ्तार उड़ान, इसके बावजूद चमगादड़ कभी पेड़ों, पत्तियों या टहनियों से नहीं टकराते। ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी आफ ब्रिस्टल के वैज्ञानिकों ने इस रहस्य से पर्दा उठा दिया है। यह खोज न केवल प्रकृति की अद्भुत क्षमता को सामने लाती है, बल्कि भविष्य की ड्रोन और रोबोटिक तकनीक को भी नई दिशा दे सकती है। अब तक माना जाता था कि चमगादड़ पूरी तरह इको-लोकेशन यानी ध्वनि तरंगों के सहारे उड़ान भरते हैं और आसपास मौजूद हर चीज को सोनार की तरह मैप करते हैं। लेकिन नई स्टडी के मुताबिक, चमगादड़ सिर्फ आवाज़ की गूंज पर निर्भर नहीं रहते। वे ध्वनि के प्रवाह और उसकी गति को भी महसूस करते हैं, जिसे वैज्ञानिकों ने अकूस्टिक फ्लो वेलोसिटी नाम दिया है। इसका मतलब यह हुआ कि चमगादड़ हर पत्ती या टहनी की अलग-अलग दूरी नहीं मापते, बल्कि ध्वनि के बहाव के पैटर्न से यह समझ लेते हैं कि सामने का वातावरण कितना घना है और किस रफ्तार से आगे बढ़ना सुरक्षित रहेगा।

अमेरिका में भीषण शीतकालीन तूफान का कहर, कम से कम 15 की मौत

करोड़ों लोग कड़ाके की ठंड की चपेट में

वाशिंगटन, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के बड़े हिस्से में सप्ताहांत के दौरान आए शक्तिशाली शीतकालीन तूफान ने भारी तबाही मचाई है। बर्फबारी, बर्फीली हवाओं और रिकार्ड तोड़ ठंड के चलते अब तक कम से कम 15 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि देश के कई राज्यों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। टेक्सास के फ्रिस्को में स्लेजिंग दुर्घटना में 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, वहीं आस्टिन क्षेत्र में एक व्यक्ति की संदिग्ध हाइपोथर्मिया से मौत पाई गई। लुइसियाना में दो लोगों की जान गई है। अर्कांसस में 17 वर्षीय लड़के की स्लेजिंग हादसे में मौत हुई, जबकि नार्थ कैरोलिना में एक व्यक्ति का शव हाईवे पर मिला। न्यूयार्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने बताया कि शहर में सप्ताहांत के दौरान पांच लोग खुले में मृत पाए गए। कंसास में एक महिला की ठंड से मौत हुई, जो बर्फ से ढकी मिली। मैसाचुसेट्स में स्नो प्लाउ की चपेट में आने से एक महिला की जान गई, जबकि टेनेसी में मौसम से जुड़ी तीन मौतें दर्ज की गईं।

नेशनल वेदर सर्विस (एनडब्ल्यूएस) के अनुसार, टेक्सास से लेकर न्यू इंग्लैंड तक करीब 20 करोड़ लोग कोल्ड अलर्ट के तहत हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में अमेरिका के पूर्वी दो-तिहाई हिस्से में कड़ाके की ठंड, शून्य से नीचे तापमान और रिकार्ड ठंड देखने को मिल सकती है, जो फरवरी की शुरुआत तक जारी रह सकती है।

ग्रीस में 430,000 वर्ष पुराने लकड़ी के औजार मिले

न्यूयार्क, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

ग्रीस में एक झील के किनारे मिलीं दो चीजें अब तक मिले सबसे पुराने लकड़ी के औजार हैं। यह 430,000 साल पुराने बताए जा रहे हैं। इनमें से एक लगभग 2 1/2 फीट (80 सेंटीमीटर) लंबी पतली छड़ी है। इसका इस्तेमाल शायद कीचड़ में खोदने के लिए किया जाता रहा होगा। अमेरिका की नेशनल एकेडमी आफ साइंसेज की आधिकारिक वैज्ञानिक पत्रिका प्रोसीडिंग्स में सोमवार को प्रकाशित शोध पत्र के अनुसार, दूसरी चीज विलो या पापुलर की लकड़ी का एक छोटा, ज्यादा रहस्यमयी हाथ में पकड़ने वाला टुकड़ा है। इसका इस्तेमाल शायद पत्थर के औजारों को आकार देने के लिए किया जाता रहा होगा।

वैज्ञानिकों का मानना है कि पुराने समय में इंसान पत्थर, हड्डी और लकड़ी से बने कई तरह के औजारों का इस्तेमाल करते थे। लेकिन आज लकड़ी के औजारों के सबूत मिलना बहुत मुश्किल है क्योंकि लकड़ी बहुत जल्दी सड़ जाती है। ऐसे औजार सिर्फ खास वातावरण में ही सुरक्षित रहते हैं, जैसे बर्फ, गुफाओं या पानी के अंदर। ग्रीस के मेगालोपोलिस बेसिन में मिले ये नए औजार शायद तलछट से जल्दी दब गए और समय के साथ गीले माहौल में सुरक्षित रहे। इस जगह पर पहले भी अवशेष मिले हैं, जिनमें पत्थर के औजार और हाथी की हड्डियां शामिल हैं।

इंग्लैंड की रीडिंग यूनिवर्सिटी की पेलियोलिथिक आर्कियोलाजिस्ट एनेमीके मिल्क्स कहती हैं कि हमारी टीम अविश्वसनीय रूप से खुशकिस्मत रही कि उसे ऐसी चीजें मिलीं। वह कहती हैं कि लकड़ी आमतौर पर जल्दी सड़ जाती है, लेकिन यह ग्रीस के पेलोपोनीज प्रायद्वीप में एक पुरानी जगह पर सुरक्षित थी। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि जब ये चीजें बनाई गई थीं, तब वहां की जमीन में बहुत ज्यादा पानी भरा हुआ था और वह बहुत गहराई में लगभग 30 मीटर नीचे दबी हुई थीं। मिल्क्स और उनके साथियों के इस शोध पत्र में यह कहा गया है।

प्रकाशित शोध पत्र के अनुसार, यह औजार प्रायद्वीप के केंद्र के पास मराथौसा में एक लिग्नाइट (भूरे कोयले) की खदान से मिले हैं। जब ये औजार बनाए गए थे, तब यह जगह एक पुरानी झील का किनारा थी, लेकिन बाद में यह सूख गई। यह खोज हाल के वर्षों में हुई कई खोजों में से महत्वपूर्ण है। इसने वैज्ञानिकों को सैकड़ों-हजारों वर्षों से हमारे पूर्वजों के लकड़ी के औजारों के इस्तेमाल के बारे में नई समझ दी है। मिल्क्स और उनके साथियों का कहना है कि छड़ी चार टुकड़ों में मिली है। उसे टहनियों को हटाने और हैंडल बनाने के लिए तराशा गया था। यह औजार 81 सेंटीमीटर (या लगभग ढाई फीट) लंबा है। इस्तेमाल के निशान के विश्लेषण से पता चलता है कि इसका इस्तेमाल खोदने के लिए किया जाता रहा होगा।

शोधकर्ताओं का मानना है कि दूसरा लकड़ी का औजार ज्यादा रहस्यमय है। यह आठ सेंटीमीटर से कम लंबा है। वह कहती हैं कि 2019 में वैज्ञानिकों को जाम्बिया के कलाम्बो फाल्स में तराशे हुए लट्ठ मिले थे। यह लगभग 480,000 साल पुराने थे। वहां मिली एक खोदने वाली छड़ी 390,000 से 324,000 साल पुरानी बताई गई। इटली से मिले शुरुआती निएंडरथल लकड़ी के औजार एक कील, एक खोदने वाली छड़ी और हैंडल लगभग 171,000 साल पुराने हैं, जबकि जर्मनी में 200,000 से 300,000 साल पहले के निएंडरथल लकड़ी के भाले मिले हैं। उन्होंने कहा कि 1989 में जार्डन नदी के किनारे एक किताब के आकार का बहुत चिकना लकड़ी का टुकड़ा मिला था। वह 780,000 साल पुराना था।

सीएम योगी ने अफसरों को दिए निर्देश, हर पीड़ित की समस्या का हो निस्तारण

गोरखपुर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। सोमवार देर शाम गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास करने के बाद मंगलवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों की बात ध्यान से सुनी, उनके प्रार्थना पत्र को पढ़ा। फिर आत्मीयता से बोले, 'घबराइए मत, समस्या का समाधान कराया जाएगा।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निराकरण कराएं। मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद चलकर पहुंचे। अपनेपन के भाव में 'कहां से आए है, क्या बात है', कहते हुए एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। भरोसा दिया कि सभी

की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। हर बार की तरह जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी, सरकार भरपूर आर्थिक मदद देगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज के लिए अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को सीएम योगी आदित्यनाथ ने खूब प्यार दुलार किया। उन्हें स्कूल जाने व पढ़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों को मिष्ठान्न भी दिए।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। उन्होंने मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। गोशाला में सीएम योगी ने गोवंशों का नाम लेकर पुकारा। पास आने पर उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से रोटी-गुड़ खिलाया।

मंदिर की गोशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पहुंचने पर एक मोर भी उनके पास आ जाता है। मुख्यमंत्री इस मोर को 'पुंज' नाम से पुकारते हैं। उन्होंने मोर पर भी अपना स्नेह लुटाया। अपने हाथों से रोटी के छोटे टुकड़े कर मोर को खिलाए।

मध्य प्रदेश में बिजली की मांग की शत-प्रतिशत आपूर्ति की जाएगी सुनिश्चित: मोहन यादव

भोपाल, 27 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बिजली का महत्व शरीर में प्राणों की समान है। जैसे समस्त गतिविधियों के संचालन के लिए शरीर में प्राण आवश्यक है, वैसे ही किसी भी राज्य की प्रगति और उन्नति के लिए पर्याप्त विद्युत उपलब्धता आवश्यक है। प्रदेश में 60 हजार करोड़ रुपए की लागत से 4 हजार मेगावॉट बिजली उत्पादन के लिए हुए समझौते प्रदेश के स्थायी विकास का आधार बनेंगे। इससे प्रदेश में कुल विद्युत उपलब्धता में बढ़ोतरी होने के साथ-साथ बिजली की मांग की शत-प्रतिशत आपूर्ति संभव होगी। डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन एंड ऑपरेट (डीबीएफओओ) मॉडल पर स्थापित होने वाले इन नए विद्युत संयंत्रों से लगभग 8 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में 4 हजार मेगावॉट बिजली के पॉवर सप्लाई एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए। अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने अनुबंध के संबंध में जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक विशेष गढ़पाले तथा टोरेंट पॉवर लिमिटेड के जिगिश मेहता, अदाणी पॉवर लिमिटेड के एसबी खिलया तथा हिन्दुस्तान थर्मल प्रोजेक्स के रतुल पुरी के बीच पॉवर सप्लाई एग्रीमेंट का आदान-प्रदान हुआ। यह नए पॉवर हाउस अनूपपुर में स्थापित होंगे। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का उद्योग समूह के प्रतिनिधियों ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योग मित्र नीतियों, सशक्त अधोसंरचना और सुशासन आधारित व्यवस्था के परिणाम स्वरूप मध्यप्रदेश देश-विदेश के निवेशकों और औद्योगिक समूहों के लिए पहली प्राथमिकता बनता जा रहा है। विद्युत उत्पादन में भूमि-जल-पर्यावरण-कोयला-रेलवे लाइन आदि का बेहतर समन्वय आवश्यक है। इन सब आधारों पर मध्य प्रदेश उपयुक्त है। प्रदेश ने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित की हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर प्रदेश को मिला पीएम मित्र पार्क विकास के नए आयाम और रोजगार के भरपूर अवसर प्रदान करेगा। प्रदेश में वर्ष-2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है।

'पंडित' टिप्पणी पर बवाल, अलंकार अग्निहोत्री ने प्रशासनिक रवैये को बताया अपमानजनक

बरेली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में एक बड़ा प्रशासनिक विवाद सामने आया है। सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री के इस्तीफे के ठीक बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया है। इसके बाद 2019 बैच के पीसीएस अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री ने मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए जिलाधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए। दरअसल, अलंकार अग्निहोत्री ने सरकारी नीतियों, खासकर यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के नए नियमों के खिलाफ गहरी नाराजगी जताई थी। उनका आरोप है

कि ये नियम सामान्य वर्ग के छात्रों के साथ भेदभाव करते हैं और कैंपस में जातिगत असंतोष पैदा कर सकते हैं। इसके अलावा, उन्होंने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से जुड़े एक विवाद का भी जिक्र करते हुए दावा किया कि प्रशासन ने सनातन संस्कृति के प्रतीकों और संतों का अपमान किया।

अलंकार अग्निहोत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, उत्तर प्रदेश सरकार के सिस्टम से मेरा भरोसा पूरी तरह खत्म हो गया है। जिलाधिकारी को एक कॉल आया, जिसमें किसी ने उन्हें ऑर्डर देते हुए कहा, 'पंडित पागल हो गया है।' पंडित सनातन संस्कृति का प्रतीक है। पूरे राज्य में ब्राह्मण, कायस्थ, ठाकुर समेत कई समुदायों के लोगों को पंडित कहा जाता है। यह किसी एक जाति पर आधारित नहीं है।

उन्होंने इसे अपमानजनक और असहनीय बताया और कहा कि यह सिर्फ उनके बारे में नहीं, बल्कि पूरे समाज और सनातन संस्कृति के साथ अन्याय है।उन्होंने आरोप लगाया कि डीएम के कैंप ऑफिस में उन्हें रातभर बंधक बनाकर रखने की कोशिश की गई। डीएम ने उन्हें व्यक्तिगत कारणों से नहीं बुलाया, लेकिन छोटे सवालों को समझाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। उन्होंने डीएम से मौजूद रहने और सवालों के जवाब देने की मांग की।

अग्निहोत्री ने बताया कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने फोन पर बात कर आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि माघ मेले और सार्वजनिक कार्यक्रमों में सनातन संस्कृति के प्रतीकों पर हमला हुआ, जिसमें स्थानीय प्रशासन शामिल था। अलंकार ने इसे सिद्धांतों के आधार पर मजबूती से उठाया और साहस दिखाया।

एडीएम सिटी सौरभ दुबे ने पूरे मामले को लेकर कहा, सोमवार को हम बरेली में सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री के घर गए थे। सभी संबंधित अधिकारी वहां मौजूद थे। हमने उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश की और उनसे शांति से बात की। हमने उनसे कहा कि अगर उन्हें किसी तरह की दिक्कत हो रही है, तो वे कुछ दिन आराम कर सकते हैं और अगर कोई और समस्या है तो हमें बताएं। हालांकि, सिटी मजिस्ट्रेट ने बार-बार हमारी बातों को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि हम उन्हें समझ नहीं पाएंगे।

कर्नाटक में ग्राम पंचायत कार्यालयों का नाम गांधी के नाम पर रखा जाएगा : शिवकुमार

बेंगलुरु, 27 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने मंगलवार को घोषणा की कि लगभग 6,000 ग्राम पंचायत कार्यालयों का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखा जाएगा। उन्होंने कहा, यह कांग्रेस पार्टी का फैसला है। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में आयोजित 'राज भवन चलो- महात्मा गांधी मनरेगा बचाओ संघर्ष' प्रोटेस्ट प्रोग्राम में बोलते हुए शिवकुमार ने कहा कि केपीसीसी उपाध्यक्ष वीएस उग्रप्पा और पार्टी के अन्य पदाधिकारियों ने इस मामले पर उन्हें लिखा था और मुख्यमंत्री को एक रिप्रेजेंटेशन दिया गया था।उन्होंने कहा, इसके जरिए हम यह सुनिश्चित करेंगे कि महात्मा गांधी का नाम हमेशा के लिए सुरक्षित रहे। गांधीजी ने कल्पना की थी कि हर गांव में एक स्कूल, एक सहकारी समिति और एक पंचायत होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि कांग्रेस गरीबों के रोजगार के अधिकारों के लिए लड़ रही है।उन्होंने कहा, मनमोहन सिंह की सरकार ने सोनिया गांधी के नेतृत्व में बेरोजगारों को रोजगार दिया था। दुनिया ने हमारी रोजगार गारंटी योजना पर ध्यान दिया था। विश्व बैंक ने 2013 में इस योजना की सबसे अच्छी योजनाओं में से एक के रूप में तारीफ की थी। राज्य में 5,700 पंचायतें हैं, और हर साल इस योजना के तहत लगभग 6,000 करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं।

उन्होंने कहा, पहले पंचायतें तय करती थीं कि कौन से विकास कार्य किए जाने

चाहिए। जो लोग दूसरों की जमीन पर मजदूर के तौर पर काम करने में हिचकिचाते थे, उन्हें अपनी जमीन पर काम करके मजदूरी कमाने का मौका दिया गया। सोनिया गांधी के निर्देश पर तत्कालीन केंद्रीय मंत्री सीपी जोशी ने इस योजना को डिजाइन किया था। यूपीए सरकार ने ऐसा ऐतिहासिक फैसला लिया था। आश्रय घरों, इंदिरा आवास घरों, पशु शेड बनाने और कृषि से संबंधित कामों के लिए मजदूरी दी जाती थी।

उन्होंने कहा कि इस योजना को एक जन आंदोलन के रूप में लागू किया गया था।उन्होंने कहा, केंद्र 90 प्रतिशत फंड देता था। लोहा और सीमेंट जैसी सामग्री वाले कामों के लिए राज्य सरकार को 25 प्रतिशत योगदान देना होता था। इस योजना के तहत लगभग 7,000 सुपरवाइजरी नौकरियां पैदा की गईं। एनडीए सरकार ने महात्मा गांधी का नाम बदल दिया है और एक्ट को नया रूप दिया है। नए कानून के तहत केंद्र को 60 प्रतिशत और राज्य को 40 प्रतिशत लागत वहन करनी होगी। हम इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए एक विशेष सत्र आयोजित कर रहे हैं और इस पर दो दिनों तक बहस करेंगे।शिवकुमार ने कहा, जानकारी मिली थी कि भाजपा नेता गांधी प्रतिमा के सामने बैठकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। भाजपा नेताओं ने गांधी प्रतिमा के सामने बैठने का अधिकार खो दिया है। अब आप अपने ऑफिस में गांधीजी की तस्वीर रखने के लायक नहीं हैं।उन्होंने कहा, मनरेगा गांवों के विकास के लिए एक योजना है। भाजपा पूरे देश में बेरोजगारी की बीमारी फैला रही है। हम मनरेगा को कभी खत्म नहीं होने देंगे। हमें विकसित भारत ग्राम नहीं चाहिए, हमें गांधी चाहिए। अगर पुलिस आज हमें गिरफ्तार भी कर ले, तो भी हम पीछे नहीं हटेंगे। अगर हमें जेल भी जाना पड़े तो हम तैयार हैं। हमारा संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक मनरेगा योजना बहाल नहीं हो जाती, जैसे केंद्र सरकार को कृषि कानून वापस लेने पड़े थे।शिवकुमार ने अपने निर्वाचन क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा, मेरे कनकपुरा निर्वाचन क्षेत्र में इस योजना के फंड से हर साल 200 करोड़ रुपए के विकास कार्य किए जाते हैं। इसी वजह से तालुक ने प्रभावी कार्यान्वयन में शीर्ष स्थान हासिल किया है। केंद्र ने इस शक में जांच का आदेश दिया था कि डीके शिवकुमार ने इस योजना के तहत फंड का दुरुपयोग किया है। बाद में हमारा काम देखकर उन्होंने खुद हमें अवॉर्ड दिया।उन्होंने कहा, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और भाजपा नेताओं को चर्चा के लिए आना चाहिए, मैं तैयार हूं। इस योजना को लागू हुए 20 साल हो गए हैं। आपकी अपनी सरकार पिछले 11 सालों से सत्ता में है। अगर योजना में कोई गड़बड़ी थी तो आप इतने सालों तक क्या कर रहे थे? हमारी पंचायतों में जहां भी गड़बड़ियां पाई गईं, हमने कार्रवाई की है। अगर कुछ लोग गलतियां करते हैं तो क्या पूरी योजना को बदलना सही है? क्या यह सही है कि किसी को सबक सिखाने के लिए खुद का ही नुकसान कर लिया जाए?उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने मनरेगा का फंड रोक दिया है। उन्होंने कहा, केंद्र की नई योजना को भाजपा शासित राज्यों में भी लागू करना संभव नहीं है। एनडीए के सहयोगी और सीएम चंद्रबाबू नायडू ने खुद इस पर आपत्ति जताई है और कहा है कि इस योजना को लागू नहीं किया जा सकता। चंद्रबाबू नायडू ने चेतावनी दी है कि अगर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार नया कानून वापस नहीं लेती है तो सरकार को गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे।

शिवकुमार ने कहा, केंद्र सरकार किसानों, मजदूरों और पंचायतों के अधिकार छीन रही है। हमारी लड़ाई इसी के खिलाफ है। आने वाले दिनों में हर पंचायत में तालुका स्तर पर पांच किलोमीटर की पदयात्रा आयोजित की जाएगी, जिसमें मनरेगा कार्यकर्ता शामिल होंगे। इस पदयात्रा का नेतृत्व जिला प्रभारी मंत्री, विधायक और एमएलसी करेंगे।

जनता के लिए शासन ही असली लोकतंत्र : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि भारतीय गणराज्य की असली ताकत इसी में है कि शासन आम नागरिकों के लिए काम करे। 77वें गणतंत्र दिवस के मौके पर लिखे अपने एक लेख में उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि लोकतंत्र सिर्फ संविधान और चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि तब सफल होता है जब उसका फायदा देश के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे। राजनाथ सिंह ने भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के 1952 के भाषण को याद करते हुए कहा कि आजादी और संविधान मिलना मंजिल नहीं, बल्कि एक लंबी यात्रा की शुरुआत थी। उनका कहना था कि देश का असली काम लोगों की मुश्किलों को कम करना और उनके जीवन में खुशहाली लाना है।

उन्होंने बताया कि लोकतंत्र का मतलब सिर्फ 'जनता का' और 'जनता द्वारा' शासन नहीं, बल्कि सबसे अहम है 'जनता के लिए' शासन। यानी सरकार का हर फैसला आम नागरिकों के भले के लिए होना चाहिए, खासकर गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों के लिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि किसी भी लोकतंत्र की असली परीक्षा यह है कि वह अपने सबसे कमजोर नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। सिर्फ नियम-कानून बना देना काफी नहीं है, जरूरी यह है कि सरकार जमीन पर लोगों की जरूरतों को कितनी अच्छी तरह पूरा कर पाती है। उन्होंने भारतीय परंपरा

का जिक्र करते हुए योग-क्षेम, गांधीजी के सर्वोदय और दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद को जन-केंद्रित सोच का आधार बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' इसी सोच की आज की शक्ल है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के कामकाज का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने नीतियों को सीधे आम आदमी के जीवन से जोड़ा है। श्रम कानूनों में सुधार, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण, और सामाजिक न्याय पर जोर इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। उन्होंने विश्व बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पिछले एक दशक में 17 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं। दिव्यांगों और महिलाओं के अधिकारों से जुड़े कानूनों को भी उन्होंने सम्मान और बराबरी की दिशा में बड़ा कदम बताया।

रक्षा मंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन पर बात करते हुए कहा कि यह सिर्फ सफाई अभियान नहीं रहा, बल्कि लोगों की भागीदारी से जुड़ा एक जन-आंदोलन बना, जिसने स्वास्थ्य, सम्मान और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को सामने रखा। उन्होंने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, आयुष्मान भारत, जनधन योजना, मुद्रा योजना और कौशल भारत मिशन का भी जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं ने करोड़ों लोगों को सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सम्मान दिया है।

उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने से लोकतंत्र और मजबूत होगा और महिलाओं की आवाज नीति-निर्माण में और अधिक असरदार बनेगी। अंत में राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय गणराज्य कोई एक बार पूरा हो जाने वाला काम नहीं है। यह एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें हर पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वह लोकतंत्र को जमीनी हकीकत से जोड़े। आज देश में शासन के केंद्र में आम नागरिक हैं और भारत सामाजिक न्याय और आर्थिक समावेशन के रास्ते पर लगातार आगे बढ़ रहा है।

बिहार में ऐपवा और आइसा निकालेगी 'बेटी बचाओ-न्याय यात्रा'

पटना, 27 जनवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन (ऐपवा) और आल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) पटना के एक छात्रावास में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रही छात्रा की संदिग्ध हालात में मौत सहित प्रदेश में हत्या और दुष्कर्म की बढ़ती घटनाओं के खिलाफ बेटी बचाओ न्याय यात्रा निकालेगी। ऐपवा की महासचिव मीना तिवारी ने मंगलवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि बिहार में महिलाओं और छात्राओं के खिलाफ हिंसा अब अपवाद नहीं, बल्कि एक खतरनाक चलन बन चुका है। औरंगाबाद की एक नीट की तैयारी कर रही छात्रा की संदिग्ध हालात में मौत का मामला सामने आया है। पूरे बिहार में छात्राओं के साथ यौन हिंसा, संदिग्ध मौत और हत्याओं की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है। छात्रा की मौत के मामले में जिस तरह से लगातार तथ्य सामने आ रहे हैं, उसने सरकार और पुलिस-प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कमजोर वर्ग से भेदभाव को जन्मसिद्ध अधिकार मानने वालों को यूजीसी से परेशानी : चंद्रशेखर आजाद

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से लागू किए गए 'उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम, 2026' पर विवाद बढ़ रहा है। भीम आर्मी के प्रमुख और आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि जिन लोगों को लगता था कि कमजोर वर्ग के बच्चों से भेदभाव करना उनका जन्मसिद्ध अधिकार है, उन्हीं लोगों को दिक्कत हो रही है। यूजीसी के नए एक्ट के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शन, बढ़ते विवाद और इस्तीफों को लेकर चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि आज भी एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के लोग देश में सबसे ज्यादा शोषण झेल रहे हैं। टैक्स भी दे रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं को लेकर कोई गंभीरता से बात नहीं करता। भीम आर्मी के प्रमुख ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि उन्हें ऐसा कोई ठोस विरोध प्रदर्शन दिखाई नहीं दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी नीति के खिलाफ वास्तविक विरोध तब माना जाता है, जब उसे बनाने में शामिल लोगों के घरों या कार्यालयों के बाहर धरना-प्रदर्शन हो, लेकिन मौजूदा समय में ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिल रहा है। फिलहाल यह विवाद केवल मीडिया की बहसों तक सीमित है, जबकि जमीनी स्तर पर किसी बड़े आंदोलन या जनआक्रोश के संकेत नहीं हैं।

चंद्रशेखर आजाद ने दावा किया कि यूजीसी की नई गाइडलाइन में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिसका विरोध किया जाए। उल्टा, इस गाइडलाइन के उद्देश्यों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को शामिल किया गया है, जिससे ईडब्ल्यूएस वर्ग के बच्चों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी के भीतर सामाजिक न्याय की वास्तविक भावना है, तो वह एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के पक्ष में ही हो सकती है।

चंद्रशेखर आजाद ने यूजीसी नियमों के विरोध को निराधार बताते हुए कहा कि यह कमजोर वर्गों के हित में लाया गया है और इसका विरोध करना सामाजिक न्याय के खिलाफ है। कमजोर वर्ग के लोगों को यह समझने की जरूरत है कि कौन वास्तव में उनके साथ खड़ा है और कौन केवल राजनीतिक स्वार्थ के लिए विरोध कर रहा है।

उन्होंने मौजूदा हालात की तुलना मंडल कमीशन के समय से करते हुए कहा कि जिस तरह उस दौर में सामाजिक न्याय के मुद्दे पर विरोध हुआ था, आज वही स्थिति फिर देखने को मिल रही है। उन्होंने दावा किया कि इस पूरे विवाद के जरिए उन नेताओं के चेहरे से पर्दा उठ रहा है, जो खुद को दलितों और पिछड़ों का हितैषी बताते रहे हैं, लेकिन अब उनके असली इरादे सामने आ रहे हैं।

‘मैं यहीं इस सफर को विराम दे रहा...’

अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग से लिया संन्यास

मशहूर सिंगर अरिजीत सिंह ने संगीत जगत को चौंकाने वाला ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि वह अब प्लेबैक सिंगिंग से दूरी बना रहे हैं और आगे कोई नया असाइनमेंट नहीं लेंगे। नए साल के मौके पर अपने मैसेज में अरिजीत ने श्रोताओं को सालों से मिले प्यार के लिए धन्यवाद दिया और अपने इस फैसले की जानकारी दी है।

अरिजीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस को इसकी जानकारी देते हुए लिखा, आप सभी को नए साल की शुभकामनाएं। इतने सालों तक श्रोताओं के रूप में आपने जो प्यार दिया, उसके लिए मैं दिल से आभारी हूं। अब मैंने फैसला किया है कि मैं प्लेबैक वोकलिस्ट के तौर पर कोई नया काम नहीं करूंगा। मैं यहीं इस सफर को विराम दे रहा हूं। यह मेरे लिए एक बेहद खूबसूरत यात्रा रही है।

वहीं एक्स पर इस पोस्ट को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने लिखा, भगवान मेरे प्रति बहुत मेहरबान रहे हैं। मैं अच्छे संगीत का प्रशंसक हूं और आगे चलकर एक छोटे से कलाकार के तौर पर और सीखना चाहता हूं और अपने दम पर ज्यादा काम करना चाहता हूं। एक बार फिर आप सभी के सपोर्ट के लिए धन्यवाद। मेरे कुछ पुराने कमिटमेंट अभी बाकी हैं, जिन्हें मैं पूरा करूंगा, इसलिए इस साल आप मेरी कुछ रिलीज़ जरूर देख सकते हैं। साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि मैं संगीत बनाना बंद नहीं कर रहा हूं।

उनके इस ऐलान के बाद फैंस के बीच मायूसी देखने को मिल रही है। सोशल मीडिया पर लोग अरिजीत के फैसले पर अपनी भावनाएं जाहिर कर रहे हैं और उनके गानों को याद कर रहे हैं। माना जा रहा है कि अरिजीत सिंह का यह फैसला उनके करियर का एक अहम मोड़ है, क्योंकि उन्होंने अपने गानों से लाखों दिलों पर राज किया है। हालांकि, यह साफ नहीं है कि वह म्यूजिक इंडस्ट्री से पूरी तरह दूर होंगे या भविष्य में किसी और रूप में संगीत से जुड़े रहेंगे। फिलहाल, उनके इस बयान ने फैंस को हैरान कर दिया है और हर कोई उनके अगले कदम को लेकर कयास लगा रहा है।

शूटिंग के समय सनी देओल को किस चीज से लगता है सबसे ज्यादा डर?

बेताब फिल्म से अमृता सिंह के साथ हिंदी सिनेमा में कदम रखने वाले अभिनेता सनी देओल अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'बॉर्डर-2' को लेकर छाए हैं। फिल्म को सोशल मीडिया से लेकर सिनेमाघरों तक में बहुत अच्छा रिस्पांस मिल रहा है, लेकिन इसी बीच अभिनेता ने खुलासा किया है कि उन्हें फिल्मों की शूटिंग के दौरान सबसे ज्यादा मुश्किल काम क्या लगता है। अभिनेता ने यह तक कहा कि उन्हें इस काम की वजह से बुखार भी आ जाता है। सनी देओल ने 'बॉर्डर-2' की शूटिंग की एक क्लिप शेयर की है जिसमें बारिश की वजह से सभी लोग एक साथ बैठे दिख रहे हैं। बारिश हो रही थी और डायरेक्टर अनुराग जानना चाहते थे कि अभिनेता को शूटिंग के लिहाज से किस गाने को शूट करने में ज्यादा मुश्किल हुई थी। वीडियो में सनी देओल हंसते हुए जवाब देते हैं कि सारे गानों की शूटिंग के दौरान मुश्किल हुई, जिस गाने में डांस था, वो गाना करना मेरे लिए हमेशा मुश्किल रहा है। गाने की शूटिंग के दौरान तो मैं शूटिंग पर जाता ही नहीं था, एक दिन खुद को समझाने में लगता था और कभी-कभी बुखार भी आ जाता था लेकिन आखिर में जैसे-तैसे करना ही पड़ता था। अभिनेता की बात सुनकर सभी लोग हंस पड़ते हैं।

ये बात तो सभी जानते हैं कि सनी देओल से डांस कराना सबसे मुश्किल काम है। इंडस्ट्री के कई कोरियोग्राफर खुलासा कर चुके हैं कि अभिनेता को गानों पर नचाना बहुत मुश्किल है। सनी ने खुद माना है कि डांस के मामले में वे बहुत शर्मीले हैं। श्रीदेवी के साथ फिल्म 'चालबाज' में अभिनेता के लिए डांस करना बहुत मुश्किल रहा था। अभिनेता का कहना था कि श्रीदेवी बहुत अच्छी डांसर हैं और उनके सामने डांस करना असहज महसूस कराता है। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान वे 2 घंटे तक सेट से गायब रहे थे और बहुत समझाने के बाद उन्होंने श्रीदेवी के साथ रोमांटिक गाना करने के लिए 'हां' की थी।

सोशल मीडिया पर भी अभिनेता के डांस स्टेप्स पर मीम बनते हैं। अभिनेता का आइकॉनिक सॉन्ग 'यारा ओ यारा' का हुक स्टेप आज भी सोशल मीडिया पर वायरल होता है। उनके दूसरे गाने 'मेरा दिल ले गई ओ कम्मो किधर' में ही अभिनेता के डांसिंग स्किल्स का खूब मजाक बनाया जाता है। यूजर्स का कहना है कि ऐसा लगता है कि वे डांस नहीं बल्कि जिम में वर्कआउट कर रहे हैं।

मैं हर पल को जी रही हूं, जन्मदिन पर शहनाज गिल ने शेयर किया सेलिब्रेशन का वीडियो

पंजाब की 'कटरीना' के नाम से मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल मंगलवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री ने अपना जन्मदिन परिवार और करीबी दोस्तों के साथ धूमधाम से सेलिब्रेट किया। इस सेलिब्रेशन का वीडियो उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें शहनाज को केक काटते हुए और सबके साथ हंसते-खेलते दिखाया गया। वीडियो के आखिर में शहनाज सभी के साथ डांस करती दिख रही हैं। साथ ही शहनाज ने भांगड़ा भी किया। वीडियो में सभी के साथ शहनाज बेहद खुश और एनर्जेटिक नजर आ रही हैं। उन्होंने लिखा, 27 तारीख है और मैं अपने हर पल को पूरी तरह जी रही हूं। जन्मदिन मुबारक हो मुझे। अभिनेत्री का यह अंदाज फैंस को काफी पसंद आ गया। वे शहनाज के डांस की जमकर तारीफ कर रहे हैं और जन्मदिन की बधाई भी दे रहे हैं।

पंजाब के जालंधर की रहने वाली शहनाज गिल ने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद उन्हें एक म्यूजिक वीडियो में काम मिला। फिर, उन्होंने 'माझे दी जट्टी' और 'पिंड दियां कुड़ियां' जैसे कई गाने किए, लेकिन लोगों की नजर अभिनेत्री पर गैरी संधू की 'बेबी' से पड़ी थी। इसके बाद शहनाज ने पंजाबी फिल्म 'सत श्री अकाल' और 'काला-शा-काला' में काम किया।अभिनेत्री साल 2019 में 'बिग बॉस 13' में नजर आई थीं। यहां शहनाज ने अपने चुलबुले अंदाज से प्रसिद्धि हासिल की थी। उनकी हाजिरजवाबी, टूटी-फूटी इंग्लिश और सिद्धार्थ शुक्ला से बढ़ती नजदीकियां चर्चा में रहीं थीं। बिग बॉस के बाद उन्होंने बॉलीवुड के कई गानों में काम किया। इसके बाद शहनाज ने सलमान खान की 'किसी का भाई किसी की जान' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा और बाद में 'थैंक यू फॉर कमिंग' में भी नजर आईं थीं।

एक्टिंग पहला प्यार तो खाना दूसरा, मास्टरशेफ में करिश्मा ने कपूर खानदान के खोले राज

कपूर खानदान अपनी पार्टियों और खाने-पीने के किस्सों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहता है। अक्सर इस परिवार का कोई न कोई सदस्य मजेदार किस्से ताजा करता रहता है। अब खाने की बात चल रही है तो मास्टरशेफ इंडिया भी पीछे कैसे रह सकता है? कपूर परिवार की बड़ी बेटी करिश्मा कपूर मास्टरशेफ इंडिया में स्पेशल गेस्ट के तौर पर नजर आईं। इस खास एपिसोड में करिश्मा ने बताया कि उनके परिवार में खाना सिर्फ भोजन नहीं, बल्कि प्यार, पुरानी यादों और परिवार के साथ बिताए पलों का प्रतीक रहा है। इस एपिसोड में कपूर खानदान की पसंदीदा क्लासिक इंडियन डिशेज को सेलिब्रेट किया गया। कंटेस्टेंट्स को चुनौती दी गई कि वे कपूर परिवार की विरासत वाली इन डिशेज की असली आत्मा को बनाए रखते हुए ओरिजिनल फ्लेवर के साथ मास्टरशेफ लेवल की क्रिएटिव डिश तैयार करें।

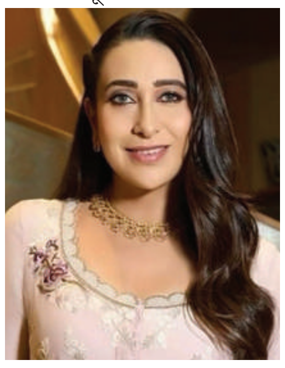

वहीं, इसमें माहौल बनाते हुए शेफ रणवीर बरार कहते हैं, डिश की आत्मा, कपूर परिवार की विरासत, इन क्लासिक इंडियन डिशेज की ओरिजिनैलिटी को बचाते हुए एक मास्टरशेफ-लेवल की डिश बनानी है। करिश्मा ने सिनेमा और खाने के लिए अपने प्यार को भी दर्शाया। इसको लेकर अभिनेत्री ने कहा, एक्टिंग मेरा पहला प्यार है और दूसरा प्यार खाना है, क्योंकि यह बॉलीवुड के पॉपुलर कपूर खानदान की विरासत बांधते हुए आगे लेकर जा रही हैं। इसी के साथ ही करिश्मा ने इमोशनल कनेक्शन के बारे में बताया, हमारे परिवार का खाना हमेशा प्यार, यादों और साथ में रहा है। मास्टरशेफ इंडिया किचन के साथ खाने के लिए अपने परिवार के प्यार को शेयर करना मेरे लिए बहुत गर्व का पल था। यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि ये जोड़ियां देश के हर कोने से अपनी कहानियां और फ्लेवर लेकर आ रही हैं, जिससे यह शो गर्व का सच्चा सेलिब्रेशन बन गया है।

अक्षरा सिंह की फिटनेस का जलवा, ओपन जिम में वर्कआउट करके सबको मात दी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने एक बार फिर अपनी फिटनेस और मेहनत का शानदार नमूना पेश किया है। शनिवार को उन्होंने इसकी कुछ झलक इंस्टाग्राम के जरिए पेश की। अक्षरा को चुस्त-दुरुस्त और मजबूत बॉडी बनाए रखने के लिए जिम में जमकर पसीना बहाना पसंद है। वे नियमित रूप से अपनी फिटनेस जर्नी को सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं, जिससे उनके फैंस को मोटिवेशन मिलता है। इस बार भी उन्होंने अपनी टोंड और फिट बॉडी को बखूबी दिखाया है। अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इसकी पहली तस्वीर में अभिनेत्री लटकते हुए एक्सरसाइज, जैसे पुल-अप या हैंगिंग लेग रेज करती दिख रही हैं। कुछ तस्वीरों में वे ओपन जिम में विभिन्न एक्सरसाइज कर रही हैं, तो कुछ में मजबूत आर्म्स, टाइट एब्स और पूरी

बॉडी को फ्लॉन्ट कर रही हैं। वहीं, स्पोर्ट्सवियर में उनका लुक काफी एनर्जेटिक और आकर्षक लग रहा है। तस्वीरों को देखकर लग रहा है कि वे अपने फिटनेस को लेकर कितनी गंभीरता से लेती हैं। पोस्ट करते समय अभिनेत्री ने कोई लंबा-चौड़ा कैप्शन न लिखने के बजाए, एक इमोजी ऐड किया है।

अभिनेत्री का यह पोस्ट फैंस को भा रहा है। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया देने के साथ उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं।

अक्षरा सिंह समय-समय पर ऐसे क्रिएटिव कंटेंट शेयर करती रहती हैं, जो उनके फॉलोअर्स को बांधे रखते हैं।

'सत्यमेव जयते' से डेब्यू करने वाली अभिनेत्री अक्षरा सिंह फिल्म इंडस्ट्री को 'सत्या', 'सरकार राज', 'मां तुझे सलाम', 'धड़कन', 'तबादला', 'सत्य', 'प्रेम विवाह', 'साथिया', 'दिलेर', 'तबादला', 'सौगंध गंगा मैया के' जैसी हिट फिल्में दे चुकी हैं।इसके साथ ही अक्षरा 'बिग बॉस ओटीटी' समेत 'सर्विस वाली बहू', 'पोरस', और 'काला टीका' जैसे टीवी शो में भी काम कर चुकी हैं। अक्षरा सिंह निरहुआ के साथ जल्द ही फिल्म 'सात फेरे चार वचन' और 'अम्बे है मेरी मां' में भी दिखने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अब फिल्म का ट्रेलर आने वाला है। अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी विवादों में रह चुकी हैं।

आज बुधादित्य योग का शुभ संयोग, निम्न राशियों को धन लाभ के साथ मिलेगी अपार सफलता

आज यानी 28 जनवरी, बुधवार को मकर राशि में सूर्य बुध की युति से बुधादित्य योग का निर्माण हो रहा है। वैदिक ज्योतिष में बुधादित्य योग को महत्वपूर्ण राजयोग माना जाता है। यह योग व्यक्ति को बुद्धि, मान-सम्मान, धन लाभ और आर्थिक सफलता दिलाता है। कुंडली में ग्रहों के राजा सूर्य और बुध के एक साथ होने से वृषभ, कर्क और मकर सहित कई राशियों के लोगों को उच्च पद और अप्रत्याशित सफलता मिलती है। इस योग के शुभ प्रभाव से वृषभ राशि वालों को धन लाभ होगा। कर्क राशि के जातकों को संतान से खुशखबरी मिल सकती है। जबकि तुला राशि का दिन आनंददायक बीतेगा।

मेष – मेष राशि के जातकों को बुधवार के दिन थोड़ा सतर्क रहना होगा। आपकी राशि का स्वामी मंगल, मकर राशि का होकर दशम राज्य प्रमुख कर्म केंद्र भाव में है। ऐसे में आपका दिन कोई विशेष व्यवस्था करने में बीतता हुआ नजर आ रहा है। आपका भौतिक और सांसारिक दृष्टिकोण आज के दिन कुछ बदल सकता है। सावधानीपूर्वक ही काम करने की चेष्टा करें। इससे आपका आत्म सम्मान बढ़ेगा।

वृष –आपकी राशि का स्वामी शुक्र नवम भाव में संचार कर रहा है। शुक्र सम्पूर्ण शुभ दृष्टि से प्रथम लग्न केंद्र भाव को देख रहा है। राज्य मान प्रतिष्ठा तथा उत्तम प्रकार की धन संपत्ति दायक है। आज चन्द्रमा भी प्रथम भाव में सुख शांति कारक है। ऐसे में व्यवसाय के क्षेत्र में नए सहयोगी मिलेंगे। इस दौरान आपको लाभ के अवसर भी प्राप्त होंगे।

मिथुन – आपकी राशि का स्वामी बुध अष्टम प्रमुख शत्रु भाव में विराजमान मकर राशि में है। ऐसे में आपका दिन अधिक भागदौड़ और विशेष चिन्ता में व्यतीत होगा। पत्नी के स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें। अतिथि और मेहमान भी कुछ लंबा पड़ाव डालना चाह रहे हैं।

कर्क – कर्क राशि चन्द्रमा की राशि है। आज राशि से एकादश का चन्द्रमा उत्तम संपत्ति की प्राप्ति की ओर संकेत कर रहा है, जिसमें कुछ खर्च भी संभव है। संतान पक्ष से हर्ष वर्धक समाचार व परिवार में आमोद -प्रमोद का वातावरण रहेगा। बहुत समय से रुके हुए किसी कार्य को बनाने की चेष्टा करें।

सिंह – राशि का स्वामी सूर्य मकर राशि का होकर अपने जन्म स्थान षष्ठम भाव में भाग्य वृद्धि में सहायक सिद्ध हो रहा है। बुध के षष्ठम भाव में होने से व्यावसायिक स्थान परिवर्तन आपके लिए अच्छा मोड़ सिद्ध होगा। व्यापार में सहयोगी के प्रति सच्ची निष्ठा और सुमधुर वाणी रखने से आप लोगों का दिल जीत सकते हैं।

कन्या – आज आपके पास अनेक प्रकार के लोग आश्रय लेने आ सकते हैं। ऐसे में आपको सभी का सम्मान करना होगा। यही लोग आगे चलकर आपके काम आएंगे। नौकरी या व्यवसाय के क्षेत्र में चुप रहना ही आज लाभकारक रहेगा। बहस व टकराव से बचें। जल्दबाजी में लिया गया फैसला आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

तुला – आपकी राशि का स्वामी शुक्र राशि से चतुर्थ भाव में शुभ व्यय व मन संतोष कारक है। आज का दिन आनंद में बीतेगा। वृष का चन्द्रमा सौन्दर्य में वृद्धि करेगा। किसी निकट मित्र की सलाह व सहयोग से आप अपने बिगड़े काम ठीक कर सकते हैं, समय का लाभ उठाएं।

वृश्चिक – राशि का स्वामी मंगल मकर राशि तृतीय भाव में चन्द्रमा अष्टम घर में विजय विभूति कारक है। आज का दिन कामकाज को सुधारने में विशेष योगदान दे रहा है। किसी विशेषज्ञ की सलाह आपके लिए आगे चलकर उपयोगी सिद्ध होगी। आपके मौज बहार के दिन आने वाले हैं।

धनु – आपकी राशि का स्वामी देवगुरू बृहस्पति पिछले कईं दिनों से मिथुन राशि में चल रहा है, चन्द्रमा भी आज षष्ठम भाव में अकस्मात् बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति करा कर कोष वृद्धि कर सकता है। आप अपने बलबूते पर ही अपनी समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास करें-इससे कोई स्थाई सफलता मिल जायेगी।

मकर – आपकी राशि का स्वामी शनि राशि से तृतीय घर में और चन्द्रमा पंचम भाव में कुछ अधिक व्यस्तता का संकेत दे रहे हैं। व्यापार व्यवसाय की तरफ ध्यान देना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज दोपहर तक आप अपना बिखरा हुआ कारोबार सही तरीके से समेट लें, हो सकता है आगे समय न मिले।

कुंभ – आज आपकी राशि से पंचम में गुरु व राहु का योग और उच्च राशि में चन्द्रमा भाग्य वृद्धि करेगा। धन कर्म कीर्ति की वृद्धि होगी। शत्रु चिंता का दमन, प्रबल से प्रबल विरोधियों के होने पर भी अन्त में सर्वत्र विजय विभूति सफलता की प्राप्ति हर्ष मंगलमय परिवर्तन होंगे।

मीन – आपकी राशि का स्वामी बृहस्पति अपनी मिथुन का होकर चतुर्थ पराक्रम देशाटन राज्य भाव में चल रहा है। मनोरथ सिद्धि कारक है। घरेलू स्तर पर भी मांगलिक कार्यों का आयोजन हो सकता है। धार्मिक कार्यों में रूचि व निकट की यात्रा भी संभव है। रात्रि का कुछ समय परिवार के साथ बिताएं तो अच्छा रहेगा।

पंच सरोवर : भारत के पांच पवित्र जल तीर्थ जहां आस्था से मिलता है मोक्ष का मार्ग

भारत की आध्यात्मिक परंपरा में जल को जीवन, शुद्धि और मोक्ष का माध्यम माना गया है। इसी आस्था से जुड़े हैं भारत के पांच पवित्र सरोवर, जिन्हें पंच सरोवर कहा जाता है। ये सरोवर सिर्फ पानी के स्रोत नहीं हैं, बल्कि हजारों साल पुरानी मान्यताओं, पुराणों और साधना की जीवंत मिसाल हैं। माना जाता है कि इन सरोवरों में स्नान करने से व्यक्ति के पाप कटते हैं, मन शुद्ध होता है और आत्मा को शांति मिलती है। राजस्थान के पुष्कर में स्थित पुष्कर सरोवर हिंदू धर्म के सबसे पवित्र तीर्थों में गिना जाता है। लोक मान्यताओं के अनुसार, भगवान ब्रह्मा के हाथ से यहां एक कमल का फूल गिरा था, जिससे इस सरोवर की उत्पत्ति हुई। कहा जाता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन यहां स्नान करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। पुष्कर सरोवर के किनारे स्थित भगवान ब्रह्मा का एकमात्र मंदिर इस स्थान को और भी खास बना देता है। देश-विदेश से श्रद्धालु यहां मोक्ष की कामना लेकर आते हैं।

कैलाश पर्वत के पास स्थित मानसरोवर को भगवान शिव का धाम माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस सरोवर का निर्माण भगवान ब्रह्मा ने किया था और माता पार्वती यहां स्नान करती थीं। इसका जल अत्यंत शीतल और मीठा माना जाता है। केवल हिंदू ही नहीं, बल्कि बौद्ध धर्म में भी मानसरोवर को बेहद पवित्र स्थान माना गया है। यहां तक पहुंचना कठिन जरूर है, लेकिन जो श्रद्धालु पहुंचते हैं, वे इसे जीवन का सबसे बड़ा आध्यात्मिक अनुभव मानते हैं।

गुजरात के कच्छ जिले में स्थित नारायण सरोवर भगवान विष्णु से जुड़ा पवित्र तीर्थ है। मान्यता है कि यहां स्वयं भगवान विष्णु ने स्नान किया था। ऐसा भी कहा जाता है कि कभी सरस्वती नदी का प्रवाह यहां तक आता था और इस सरोवर का जल उसी पवित्र धारा से जुड़ा हुआ है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि नारायण सरोवर में डुबकी लगाने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

गुजरात के पाटन जिले में स्थित बिंदु सरोवर को मातृ गया तीर्थ के नाम से भी जाना जाता है। यहां विशेष रूप से महिलाओं के लिए श्राद्ध और पिंडदान की परंपरा है। मान्यता है कि इससे मातृ आत्मा को शांति मिलती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, ऋषि कर्दम ने भगवान विष्णु के दर्शन के लिए यहीं हजारों वर्षों तक कठोर तपस्या की थी।

कर्नाटक में हंपी के पास स्थित पंपा सरोवर रामायण काल से जुड़ा हुआ है। यही वह स्थान माना जाता है जहां शबरी ने वर्षों तक भगवान राम की प्रतीक्षा की थी। यह क्षेत्र किष्किंधा से जुड़ा माना जाता है। शांत वातावरण और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर पंपा सरोवर आज भी भक्तों को ध्यान और भक्ति की अनुभूति कराता है।

कल जया एकादशी, जानें पूजा विधि और व्रत पारण का समय

जया एकादशी का हिंदू धर्म में खास महत्व है। माघ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को जया एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस तिथि पर भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करने से अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि जया एकादशी का व्रत करने से पापों का नाश होता है और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, विष्णुजी के साथ-साथ मां लक्ष्मी की पूजा से सभी कार्यों में जय यानी सफलता की प्राप्ति हो सकती है।

पंचांग के अनुसार, माघ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि का आरंभ 28 जनवरी, बुधवार के दिन शाम को 4 बजकर 37 मिनट पर होगा। वहीं, 29 जनवरी, गुरुवार को दोपहर में 1 बजकर 56 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, 29 तारीख को जया एकादशी का व्रत रखना शास्त्र सम्मत होगा।

जया एकादशी व्रत पारण समय

माघ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी व्रत का पारण 30 जनवरी, शुक्रवार को सुबह 9 बजकर 30 मिनट से पहले करना उत्तम रहेगा।

जया एकादशी पूजा विधि

* एकादशी का व्रत करने वालों को सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करने के बाद साफ वस्त्र धारण करने चाहिए।

* इस दिन केले के पेड़ को जल अर्पित करना चाहिए। साथ ही, वृक्ष की विधि-विधान से पूजा करें।

* अपने घर के मंदिर में एक चौकी पर वस्त्र बिछाकर भगवान विष्णु की मूर्ति स्थापित करें। इसके पश्चात, चारों ओर गंगाजल का छिड़काव करें।

* भगवान विष्णु को पीले फूल, पीले फल, वस्त्र, मिष्ठान आदि चढ़ाएं। साथ ही, धूप-दीप से विधि-विधान से पूजा आरती करें।

* विष्णुजी को तुलसी दल के साथ पंचामृत का भोग भी अवश्य लगाना चाहिए। इसके पश्चात, भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें और जया एकादशी व्रत का पाठ भी अवश्य करें।

* जया एकादशी पर पूजा के पश्चात फलों, कंबल, अनाज आदि का दान अपने सामर्थ्य अनुसार किया जा सकता है। ऐसा करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

जया एकादशी व्रत में क्या करें और क्या न करें?

* मान्यता है कि जया एकादशी का व्रत करने वालों को एक दिन पहले से ही ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए और तामसिक भोजन से दूरी बना लेनी चाहिए।

* एकादशी तिथि पर विष्णु सहस्रनाम और विष्णु शतनाम स्तोत्र का पाठ करना बेहद शुभ माना जाता है। इससे अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति होती है।

* मान्यता है कि एकादशी के दिन दोपहर के समय सोना वर्जित होता है। ऐसा करने से व्रत का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है। दोपहर के समय विष्णुजी के मंत्रों का जाप और ध्यान करना शुभ माना जाता है।

* एकादशी के दिन व्रती को परिवार वालों को तामसिक भोजन का सेवन करने से बचना चाहिए। इस दिन केवल सात्विक भोजन करना अच्छा माना जाता है।

फरवरी में राहु सूर्य और मंगल की युति से बनेगा ग्रहण और अंगारक योग, सिंह समेत पांच राशियों को रहना होगा सावधान

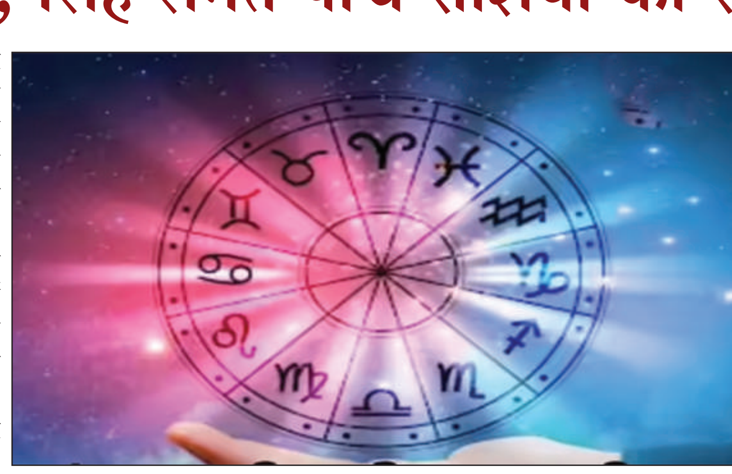

फरवरी के महीने में सूर्य और मंगल युति से अंगारक योग के साथ ग्रहण योग का संयोग बनने वाला है। दरअसल, फरवरी के महीने में मंगल का गोचर कुंभ राशि में होगा जहां पहले से ही राहु विराजमान हैं। ऐसे में दोनों की युति बनने से अंगारक योग बनेगा। वहीं, 13 फरवरी को सूर्य भी कुंभ राशि में पहुंचेंगे और राहु के साथ युति करेंगे सूर्य और राहु की युति से ग्रहण योग का निर्माण होगा। ज्योतिष शास्त्र में अंगारक योग और ग्रहण योग को अशुभ माना गया है। ऐसे में फरवरी के महीने में मेष, सिंह सहित 5 राशियों के लिए समय कुछ खास नहीं दिखाई दे रहा है। इन राशियों को दुर्घटना के साथ साथ काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आइए जानते हैं फरवरी में किन राशियों को संभलकर रहना होगा।

मेष राशि –मेष राशि के जातकों की इस समय साढ़ेसाती भी चल रही है। साथ ही मेष राशि के लोगों के लिए ग्रहण और अंगारक योग आपके ग्यारहवें भाव में बनेगा। ऐसे में मेष राशि के जातकों के खर्चों में अचानक ही तेजी आएगी। साथ ही आपको इस समय अपनी छवि को लेकर थोड़ा सतर्क रहना होगा। आपको सामाजिक स्तर पर हानि का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही दोस्तों के साथ भी रिश्तों में खटास आ सकती है। वहीं, आपकी कोई इच्छा अधूरी रह सकती है।

सिंह राशि –सिंह राशि में इस समय केतु गोचर कर रहा है। साथ ही सिंह राशि पर सूर्य, मंगल और राहु की सप्तम दृष्टि रहने वाली है। ऐसे में सिंह राशि के लोगों को ग्रहण योग और अंगारक योग के कारण करियर में काफी उतार चढ़ाव आएगा। साथ ही जो लोग साझेदारी में कामकाज करते हैं उन्हें पार्टनर के कारण हानि हो सकती है। साथ ही वैवाहिक जीवन में भी आपको काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। पति पत्नी के बीच तनाव की स्थिति बन सकती हैं।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के स्वामी मंगल इस समय अंगारक योग बना रहे हैं। ऐसे में वृश्चिक राशि के लोगों को अंगारक योग के कारण धन संपत्ति की हानि का सामना करना पड़ सकता है। धन संपत्ति से जुड़ा अगर कोई विवाद चल रहा है तो इस समय उसे टाल देना ही बेहतर रहेगा। कार्यस्थल पर थोड़ा अलर्ट होकर काम करें। साथ ही इन राशियों को सेहत से जुड़ी समस्या हो सकती है ऐसे में डॉक्टर से सलाह जरुर लें।

कुंभ राशि –कुंभ राशि के जातकों के लग्न भाव में अंगारक योग और ग्रहण योग बन रहा है। ऐसे में कुंभ राशि के जातक थोड़ी उलझन में रह सकते हैं। साथ ही आपकी लोकप्रियता में इस समय कमी आएगी। साथ ही स्किन से जुड़ी परेशानी हो सकती है। साथ ही आपको करियर को लेकर गलत निर्णय भी ले सकते है जो आपको आने वाले दिनों में हानि पहुंचा सकता है। साथ ही आप इस समय अपने परिवार और करियर में आपको सामंजस्य बनाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

मीन राशि –मीन राशि के लोगों के द्वादश भाव में अंगारक और ग्रहण योग बना है। द्वादश भाव में योग बनने से आपको स्वास्थ्य जुड़ी काफी समस्या रह सकती हैं। आपको सेहत पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। साथ ही संपत्ति से हानि के योग भी हैं। अगर आपको पैतृक संपत्ति से जुड़ा विवाद चल रहा है तो प्रतिक्रिया देने से बचें। कानूनी विवाद चल रहा है तो फैसला आपके विपक्ष में आ सकता है तो थोड़ा संभलकर ही अपने काम करें।

माघ माह की दशमी तिथि, जानें शुभ-अशुभ समय

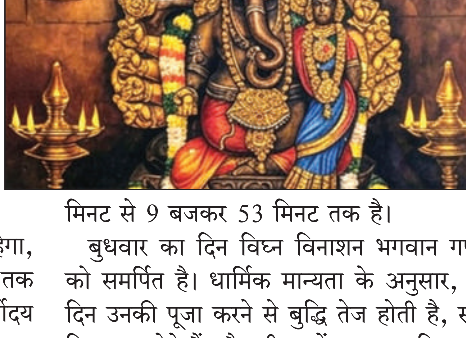

नया कार्य शुरू करना हो या कोई शुभ कार्य इसके लिए सनातन धर्म में पंचांग का विचार महत्वपूर्ण है। शुभ मुहूर्त में किए गए कार्य सफल तो अशुभ समय में किए कार्य सफल नहीं हो पाते। 28 जनवरी को बुधवार और माघ माह की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि है, जो शाम 4 बजकर 35 मिनट तक रहेगी। इसके बाद एकादशी तिथि शुरू हो जाएगी। इस दिन चंद्रमा वृषभ राशि में संचरण करेंगे। कृत्तिका नक्षत्र सुबह 9 बजकर 26 मिनट तक और उसके बाद रोहिणी नक्षत्र शुरू होगा। ब्रह्म योग रात 11 बजकर 54 मिनट तक प्रभावी रहेगा, जबकि करण गर शाम 4 बजकर 35 मिनट तक और उसके बाद वणिज होगा। बुधवार को सूर्योदय 7 बजकर 11 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 5 बजकर 57 मिनट पर होगा। बुधवार को विशेष योग की बात करें तो इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग पूरे दिन प्रभावी रहेंगे, जो शुभ कार्यों के लिए बहुत अच्छे माने जाते हैं। ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 25 मिनट से 6 बजकर 18 मिनट तक, अमृत काल सुबह 7 बजकर 13 मिनट से 8 बजकर 42 मिनट तक, विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 22 मिनट से 3 बजकर 5 मिनट तक और गोधूलि मुहूर्त शाम 5 बजकर 54 मिनट से 6 बजकर 21 मिनट तक रहेगा।

वहीं, अशुभ समय की बात करें तो राहुकाल दोपहर 12 बजकर 34 मिनट से 1 बजकर 55 मिनट तक रहेगा, जिस दौरान कोई भी शुभ कार्य जैसे विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश या नया काम शुरू करना वर्जित होता है। यमगण्ड सुबह 8 बजकर 32 मिनट से 9 बजकर 53 मिनट तक है।

बुधवार का दिन विघ्न विनाशन भगवान गणेश को समर्पित है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन उनकी पूजा करने से बुद्धि तेज होती है, सभी विघ्न दूर होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। पूजा के लिए सुबह ब्रह्म मुहूर्त या शुभ समय का चुनाव पंचांग के अनुसार करें। स्नान-ध्यान के बाद पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके गणपति की विधि-विधान से पूजा करें। उन्हें दूर्वा, लाल फूल, सिंदूर का तिलक, मोदक, गुड़-घी का भोग लगाएं। धूप, दीप और कपूर जलाएं। इसके बाद 'ओम गं गणपतये नमः' मंत्र का कम से कम 11 या 108 बार जप करें। गणेश चालीसा या अथर्वशीर्ष, गणेश संकट नाशन स्त्रोत का पाठ करें, फिर आरती उतारें और प्रसाद वितरित करें।

गौरी गणेश को दूर्वा, मोदक, लड्डू, गुड़, केला, लाल फूल और शमी के पत्ते बहुत प्रिय हैं। तुलसी या मुरझाए फूल कभी न चढ़ाएं। भोग लगाने के बाद यथाशक्ति ब्राह्मण, गरीबों या जरूरतमंदों को दान करना पुण्यदायी होता है।

संपादकीय

स्वाभिमान से आत्मनिर्भरता तक

पूर्ण राज्यत्व दिवस के नक्शे पर केवल सौगात ढूंढने वालों के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू का भाषण, कठोर पन्नों पर शगुन हासिल करने की रियायत नहीं देता, लेकिन व्यवस्था से दिशा परिवर्तन के रास्ते जरूर गिनवा देता है। सरकार के तीन साल के सफर और केंद्र के व्यवहार के बावजूद हिमाचल का स्वाभिमान सतर्कता के साथ अपने सामर्थ्य, समृद्धि और स्वावलंबन के शब्दकोष ईजाद कर रहा है। पूर्ण राज्यत्व की परिभाषा इतनी भी सादी नहीं कि सिर्फ मंच पर कर्मचारी वर्ग ही बोले। महंगाई भत्ता अगर कर्मचारी चूल्हे की खुराक है, तो हिमाचल के बेरोजगार, कामगार, बागवान और कृषक के लिए अपनी भी जमीन और घर को बचाने की उतनी ही जिम्मेदारी है। यहां राज्य की कमाई या संसाधनों की देखभाल का मसला नए संतुलन पैदा करने की दुहाई दे रहा है। अगर हिमाचल को कोई बड़ी उपलब्धि हासिल करनी है, तो क्या इसके लिए लोकप्रिय सरकार के शृंगार में केवल सरकारी रोजगार और कर्मचारी उपहार में ही देखा जाए। उस किसान के भीतर के रोजगार को पहचानकर अगर सरकार ने गाय के दूध की खरीद को 32 रुपए से बढ़ा कर 51 रुपए प्रति लीटर और भैंस के दूध को 47 से बढ़ा कर 61 रुपए प्रति लीटर खरीद सुनिश्चित की, तो यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पांव पर चलने का एक बड़ा आश्वासन है। बेशक कर्मचारियों के मसले हल होने चाहिएं, लेकिन अगर राज्य के पूरे बजट के आधे से अधिक हिस्सा भी सरकारी वेतन-भत्ते और पेंशन का हिसाब नहीं कर पा रहा है, तो समस्या एक लाख करोड़ के करीब ऋण उठा कर भी हल नहीं होगी। दूसरी ओर यह पांच बनाम 25 लाख लोगों की आजीविका का सवाल भी है। सरकारी क्षेत्र में वेतनधारी तथा पेंशनधारकों को मिला दें तो संख्या करीब साढ़े चार से पांच लाख बनती है, जबकि निजी क्षेत्र में नौकरी, व्यवसाय, कृषि, बागवानी तथा स्वरोजगार में करीब 25 लाख लोग लगे हैं। ऐसा क्या जादू हो जाएगा कि केवल पांच लाख लोगों को ही पूर्ण राज्यत्व या हिमाचल दिवस के उपहार स्वरूप हमेशा सरकार की सारी घोषणाएं चुपड़ी हुई मिलें। राज्य की आत्मनिर्भरता की कसौटी सरकारी खर्चों में कटौती भी है। सिर्फ राजस्व और रोजगार बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र को भी प्रोत्साहन तथा गारंटियां चाहिएं। इतना ही नहीं, आपदाओं से गुजरते पूर्ण राज्यत्व दिवस मनाने की सारी शर्तें केवल सोशल मीडिया पर 'डीए-डीए' तो नहीं चीख सकतीं। हिमाचल में अब एक नया आर्थिक भाईचारा चाहिए। यह सौ फीसदी सार्वजनिक क्षेत्र के पूजन का युग नहीं रहा, क्योंकि केंद्र के पैमाने बदल गए हैं, इसलिए सर्वप्रथम राज्य के अधिकारों के प्रति सरकारों को व्यावहारिक मंच खड़े करने होंगे। सुक्खू सरकार भले ही अतीत की सरकारों से भिन्न और अलग-अलग कटौतियों और कसौटियों के मोर्चों पर नजर आ रही हो, लेकिन अगर 2021-22 के मुकाबले राजस्व घाटा अनुदान 10249 करोड़ से घटकर मात्र 3256 करोड़ रह जाए, तो सही फितरत क्या होगी। यह दीगर है कि कल तक जिस जायका प्रोजेक्ट से वन और कृषि क्षेत्र की पूजा अर्चना की जाती थी, आज इसी की बदौलत सरकार ने रोबोटिक सर्जरी व अस्पतालों की मशीनरी को बदलने का बीड़ा उठाया है। इसी तरह शिक्षा में अयोग्य साबित हो रहे संस्थानों को बंद करके 130 सीबीएसई स्कूल तथा कुछ विशिष्ट कालेज स्थापित करने शुरू किए हैं। आत्मनिर्भरता के युद्ध में शिमला का वाइल्ड फ्लावर हाल अब प्रदेश की कमाऊ संपत्ति बन रहा है, तो शानन और बैरा सियूल जल विद्युत परियोजनाओं की वापसी से हिमाचल का खजाना भरेगा। सरकार राज्य की जल शक्ति को आत्मनिर्भरता का आधार बनाते हुए बीबीएमबी से बकाया साढ़े छह हजार करोड़ ही वापस नहीं लेना चाहती, बल्कि एसजेवीएनएल और एनएचपीसी से परियोजनाएं वापस लेने की प्रक्रिया पर काम कर रही है। हम ऐसे किसी दिवस को महज सियासत से नहीं तोल सकते, फिर भी सरकार के अपने तराजू में ओपीएस और धीरे-धीरे पात्र महिलाओं को पंद्रह-पंद्रह सौ की किस्त देने का अभिप्राय और वजन अब सामने आने लगा है।

सरकार के तीन साल के सफर और केंद्र के व्यवहार के बावजूद हिमाचल का स्वाभिमान सतर्कता के साथ अपने सामर्थ्य, समृद्धि और स्वावलंबन के शब्दकोष ईजाद कर रहा है। पूर्ण राज्यत्व की परिभाषा इतनी भी सादी नहीं कि सिर्फ मंच पर कर्मचारी वर्ग ही बोले। महंगाई भत्ता अगर कर्मचारी चूल्हे की खुराक है, तो हिमाचल के बेरोजगार, कामगार, बागवान और कृषक के लिए भी जमीन और घर को बचाने की उतनी ही जिम्मेदारी है। यहां राज्य की कमाई या संसाधनों की देखभाल का मसला नए संतुलन पैदा करने की दुहाई दे रहा है। अगर हिमाचल को कोई बड़ी उपलब्धि हासिल करनी है, तो क्या इसके लिए लोकप्रिय सरकार के शृंगार में केवल सरकारी रोजगार और कर्मचारी उपहार में ही देखा जाए। उस किसान के भीतर के रोजगार को पहचानकर अगर सरकार ने गाय के दूध की खरीद को 32 रुपए से बढ़ा कर 51 रुपए प्रति लीटर और भैंस के दूध को 47 से बढ़ा कर 61 रुपए प्रति लीटर खरीद सुनिश्चित की, तो यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पांव पर चलने का एक बड़ा आश्वासन है। बेशक कर्मचारियों के मसले हल होने चाहिएं, लेकिन अगर राज्य के पूरे बजट के आधे से अधिक हिस्सा भी सरकारी वेतन-भत्ते और पेंशन का हिसाब नहीं कर पा रहा है, तो समस्या एक लाख करोड़ के करीब ऋण उठा कर भी हल नहीं होगी। दूसरी ओर यह पांच बनाम 25 लाख लोगों की आजीविका का सवाल भी है।

कुछ अलग

गेट मुक्त इलाका

वो दिन हमेशा अच्छे होते हैं। इसलिए हम अतीत को अच्छा, आज को छोटा और भविष्य को अति मोटा करके देखते हैं। मोटापा है भी भविष्य में। वो दिन याद करते ही कितनी छूट मिलती है और यही वजह थी कि अतीत को लांघते हुए गेट नहीं होते थे। बिना गेट के जनता आसानी से कहीं भी आ-जा सकती थी। अब गेट होता है, ताकि कुछ लोगों को बेरोकटोक इससे गुजरते देखें। जो कोई गेट खड़े करने की क्षमता रखता है, वह असाधारण है। सार्वजनिक भूमि अक्सर इसलिए सिकुड़ जाती है, क्योंकि कोई गेट वाला व्यक्ति नहीं देख रहा होता है। इसी तरह हमारे गांव में सार्वजनिक जमीन का टुकड़ा छोटा होने लगा था, उसके इर्द-गिर्द जमाना बदलने लगा था। जमीन के आसपास बस्ती के पांव निकल आए थे। वाकई अगर सरकारी जमीन साथ हो तो निजी भी तरक्की कर लेती है। अक्सर सरकारी मोमबत्तियों से कुछ लोगों के घरों में लाटू चमक जाते हैं। दरअसल सरकारी संपत्ति का लावारिस होना जनता के लिए जरूरी है। गांव के सबसे महत्त्वाकांक्षी व्यक्ति से नेता बने उस चौधरी साहिब के लिए यह एक अवसर था। उसने मन ही मन बाड़बंदी करके इसी जमीन पर गांव का पहला गेट लगाने का फैसला किया। नेता बड़े से बड़ा गेट लगाने का इच्छुक था, ताकि सभी देख सकें कि यह उसका बड़ा कारनामा है। वैसे गेट की स्थापना कौनसी आसान है। देश में कितना कौशल विकास इस जरिए होता है। सरकारें कौशल विकास के नाम पर जितना बजट बनाएं, सबसे मुश्किल है सीमेंट-रेत और ईंट-सरिये को एक साथ जोड़ कर रखना। इस तरह 'गेट बनाना' एक ऐसी प्रक्रिया है, जो देश की तरक्की, राजनीति की उन्नति, रोजगार संभावना, कौशल विकास की प्रेरणा और जीडीपी दर में बढ़ोतरी कर सकती है।

पिछले वर्ष भारत और ईयू के बीच 135 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार हुआ

मुक्त व्यापार का सुकूनदेह परिदृश्य

डा. जयंती लाल भंडारी

21 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच की 56वीं बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेरे करीबी दोस्त और एक सम्मानित वैश्विक नेता हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत शीघ्र ही एक शानदार व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को आकार देते हुए दिखाई देंगे। इसी तरह 20 जनवरी को यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर अपने संबोधन में कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) एक ऐसे ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की कगार पर हैं, जिससे दो अरब लोगों का विशाल बाजार बनेगा। यह बाजार वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग एक चौथाई हिस्सा होगा। उन्होंने इस समझौते को सभी समझौतों की जननी करार दिया है। वस्तुत: भारत और 27 देशों के ईयू के बीच एफटीए पर पिछले 18 वर्षों से जारी वार्ता अंतिम दौर में है।

यकीनन इस समय भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का सुकूनदेह परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। 21 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच की 56वीं बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेरे करीबी दोस्त और एक सम्मानित वैश्विक नेता हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत शीघ्र ही एक शानदार व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को आकार देते हुए दिखाई देंगे। इसी तरह 20 जनवरी को यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर अपने संबोधन में कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) एक ऐसे ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की कगार पर हैं, जिससे दो अरब लोगों का विशाल बाजार बनेगा। यह बाजार वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग एक चौथाई हिस्सा होगा। उन्होंने इस समझौते को सभी समझौतों की जननी करार दिया है। वस्तुतः भारत और 27 देशों के ईयू के बीच एफटीए पर पिछले 18 वर्षों से जारी वार्ता अंतिम दौर में है। उम्मीद है कि 27 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित भारत-यूरोपीय शिखर सम्मेलन के दौरान यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला और यूरोपीयन परिषद के अध्यक्ष एंटोनिया कास्टा की उपस्थिति में भारत-यूरोपीय संघ के बीच एफटीए पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। गौरतलब है कि भारत और ईयू के बीच यह एफटीए एक ऐसे समय में सुनिश्चित हो रहा है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत और यूरोपीय देशों के खिलाफ टैरिफ का इस्तेमाल करके भारत और ईयू दोनों के वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर रहे हैं। पिछले वर्ष भारत और ईयू के बीच 135 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार हुआ है। ऐसे में ईयू से एफटीए टेक्सटाइल व कृषि निर्यात को सबसे अधिक लाभ दे सकता है। अभी कृषि, मांस और अन्य प्रोसेस्ड उत्पादों को ईयू में निर्यात करने पर 15.2 प्रतिशत तो टेक्सटाइल व गारमेंट पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगता है। व्यापार समझौते के बाद ईयू के बाजार में इन वस्तुओं पर शून्य शुल्क हो जाएगा और इन भारतीय उत्पादों का निर्यात ईयू के बाजार में कई गुना बढ़ जाएगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पिछले वर्ष मार्च 2025 से भारत और अमेरिका बीच बीटीए को लेकर चली आ रही वार्ता का सातवां दौर 13 जनवरी से भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियागोर की पहल पर शुरू हुआ है और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शीघ्र ही बीटीए के आकार लेने की बात कही है। यद्यपि 19 जनवरी को अमेरिका-भारत स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम के प्रेसीडेंट मुकेश अघी ने कहा है कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापक व्यापार समझौता आगामी तीन महीनों में संभावित है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के लिए बार-बार वार्ता के लक्ष्य बदले हैं। शुरुआत में ट्रंप ने कहा कि भारत अमेरिका से अधिक खरीद कर व्यापार घाटे को कम करे।

उसके बाद वे रूसी तेल पर केंद्रित हो गए और पिछले दिनों यह समझौता केवल भारत द्वारा ट्रंप को खुश नहीं किए जाने से अधर में लटका हुआ बताया गया था। ऐसे में भारत के लिए उपयुक्त यही है कि वह अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता आगे बढ़ाते हुए अमेरिका के बाजार में निर्यात में रुकावट और ऐसे निर्यात की भरपाई के लिए नई वैकल्पिक व्यवस्था स्थापित करने की रणनीति के साथ आगे बढ़े। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारत के लिए पिछले वर्ष 2025 में ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ किए गए एफटीए का इस वर्ष 2026 में कार्यान्वयन अहम होगा। विगत माह 22 दिसंबर को भारत और न्यूजीलैंड ने नौ महीने की लगातार बातचीत के बाद एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इसकी घोषणा की है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि भारत-न्यूजीलैंड की साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंचने वाली है और इस एफटीए से अगले 5 वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने में मदद मिलेगी। इस एफटीए के तहत न्यूजीलैंड में 100 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शून्य शुल्क सुनिश्चित किया गया है। साथ ही न्यूजीलैंड ने भारत में अगले 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की प्रतिबद्धता भी जताई है। दूसरी ओर भारत ने न्यूजीलैंड के 70 प्रतिशत उत्पादों के लिए शुल्क में नरमी की पेशकश की है, जो 95 प्रतिशत द्विपक्षीय व्यापार मूल्य को कवर करती है। इस एफटीए से 30 प्रतिशत उत्पादों के लिए शुल्क खत्म हो जाएगा। खास बात यह है कि इस एफटीए के तहत लगभग 29.97 प्रतिशत उत्पादों को सूची से बाहर रखा गया है। इनमें दूध, दही, पनीर, भेड़ मांस, म_ा के साथ अन्य पशु उत्पाद, चना, मक्का, बादाम, चीनी, प्याज जैसी वस्तुएं शामिल हैं। एफटीए लागू होने के बाद न्यूजीलैंड के लिए भारत का शुल्क घटकर 13.18 प्रतिशत रहेगा। यह एफटीए भारत की प्रतिभाओं, स्टार्टअप्स और नवाचार के लिए एक मजबूत बुनियाद प्रदान करता है। यह एफटीए भारत के लिए सबसे प्रमुख सेवाओं की ऐसी पेशकश करता है, जो अब तक किसी भी पिछले एफटीए में शामिल नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि विगत माह 18 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक की मौजूदगी में मस्कट में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ओमान के उनके समकक्ष कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एफटीए को आधिकारिक तौर पर समग्र आर्थिक भागीदारी समझौता (सीपा) कहा गया है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत-ओमान एफटीए के तहत भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान के बाजार में शून्य पर पहुंच मिलेगी। इसमें ओमान को होने वाले 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात शामिल हैं। इस समझौते से भारत के कपड़ा, रत्न-आभूषण, दवाई, वाहन, कृषि उत्पाद और चमड़ा उद्योग को बड़ा फायदा होने की उम्मीद है। खास तौर से भारत से करीब 3.64 अरब डॉलर के निर्यात पर ओमान में फिलहाल लगने वाला 5 प्रतिशत शुल्क शून्य हो जाएगा। इसके बदले में भारत ने ओमान से आने वाले विभिन्न उत्पादों पर आयात शुल्क में कमी सुनिश्चित की है। इसी तरह विगत वर्ष भारत और ब्रिटेन के बीच किया गया एफटीए भी महत्वपूर्ण है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच एफटीए से दोनों देशों के बीच आपसी कारोबार ऊंचाई पर होगा और नए अवसर बेजोड़ होंगे। इन सबके साथ-साथ 2026 में मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ एफटीए के लाभ अधिक मिलते हुए दिखाई देंगे। साथ ही वर्ष 2026 में पेरू, चिली, आसियान, मैक्सिको, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी नए एफटीए आकार लेते हुए दिखाई देंगे। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत के द्वारा विभिन्न देशों के साथ एफटीए के अधिकतम लाभ उठाने के लिए घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने, एफटीए के लिए जागरूकता बढ़ाने, गैर-टैरिफ बाधाएं दूर करने, सेवा क्षेत्र का लाभ उठाने, निर्यात में विविधता लाने, कृषि और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा करने, व्यापार संतुलन को भारत के पक्ष में लाने के साथ-साथ, पर्यावरण और श्रम मानकों के परिपालन पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी होगा। उम्मीद करें कि भारत एफटीए की नई आर्थिक शक्ति से निर्यात, सेवा, निवेश, तकनीकी सहयोग और पेशेवरों की आवाजाही को नई ऊंचाई देते हुए भारत को वर्ष 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और वर्ष 2047 तक विकसित देश बनाने की डगर पर आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा।

देश दुनिया से

दुनिया जल के वैश्विक दिवालियापन की ओर बढ़ रही है

जल है तो जीवन है-यह पंक्ति कोई नारा भर नहीं, बल्कि मानव सभ्यता का शाश्वत सत्य है। बिना जल के जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। किंतु विडंबना यह है कि जिस जल को हम जीवन का आधार मानते हैं, वही आज सबसे अधिक संकटग्रस्त संसाधन बन चुका है। देश-दुनिया में जल संकट के हालात विकराल हो चुके हैं और यह संकट अब केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही, भ्रष्टाचार और मूल्यहीन शासन का भी परिणाम बनता जा रहा है। विश्व स्तर पर लगभग 25 देश अत्यधिक जल तनाव से जूझ रहे हैं। चार अरब से अधिक लोग वर्ष में कम से कम एक माह पानी की गंभीर कमी का सामना करते हैं। मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्र इस संकट की अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। यहां 60 करोड़ से अधिक लोग उच्च जल तनाव वाले क्षेत्रों में रहते हैं। राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और तमिलनाडु जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित हैं, जबकि चेन्नई, बेंगलूरु और दिल्ली जैसे महानगरों में पानी की कमी रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है। दरअसल, जल संकट अब 'वाटर स्ट्रेस' से आगे बढ़कर 'ग्लोबल वाटर बैंक्रप्सी' यानी दुनिया जल के वैश्विक दिवालियेपन की ओर बढ़ रही है। स्थिति यह है कि जल स्रोतों का दोहन इतनी तीव्रता से हो रहा है कि उनकी प्राकृतिक भरपाई असंभव होती जा रही है। भूजल स्तर निरंतर गिर रहा है, नदियां सूख रही हैं और तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ रहे हैं। यह संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और नैतिक संकट भी है। जल संकट का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। कृषि, उद्योग और ऊर्जा-तीनों ही क्षेत्र पानी पर निर्भर हैं। जब खेतों को पानी नहीं मिलता, उद्योग ठप होते हैं और बिजली उत्पादन प्रभावित होता है, तो देश की जीडीपी में 6 प्रतिशत तक की कमी का खतरा उत्पन्न हो जाता है। आमजन के लिए यह संकट जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाता है। जहां पानी पर्याप्त है, वहां बर्बादी हो रही है और जहां पानी की सबसे अधिक आवश्यकता है, वहां लोग बूंद-बूंद को तरस रहे हैं। भारत सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता का विषय बनाया है। जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसे कार्यक्रम इसी दिशा में ऐतिहासिक पहल हैं। जल जीवन मिशन का लक्ष्य हर घर तक नल से जल पहुंचाना है, ताकि स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित किया जा सके। अटल भूजल योजना भूजल के सतत प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना "हर खेत को पानी" के संकल्प को साकार करने का प्रयास है। इसके साथ ही जल शक्ति अभियान के तहत वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण और जनभागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। इन योजनाओं ने निश्चित रूप से जल संरक्षण के प्रति राष्ट्रीय चेतना को जाग्रत किया है। कई क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनी हैं, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा मिला है और भूजल पुनर्भरण के प्रयास हुए हैं। लेकिन इस सकारात्मक तस्वीर के पीछे एक कड़वी सच्चाई भी छिपी है- प्रशासनिक भ्रष्टाचार। यही वह दीमक है जो इन योजनाओं की उपयोगिता और प्रासंगिकता को नष्ट कर रही है, उन्हें मूल्यहीन बना रही है। जल संकट से जुड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार कई रूपों में दिखाई देता है-घटिया निर्माण, फर्जी आंकड़े, अधूरी परियोजनाएं, कमीशनखोरी और जवाबदेही का अभाव। कहीं कागजों में ही वर्षा जल संचयन संरचनाएं बन जाती हैं, तो कहीं पाइपलाइन बिछाने में घटिया सामग्री का उपयोग होता है। कई स्थानों पर योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच ही नहीं पाता। परिणाम यह होता है कि करोड़ों रुपये खर्च हो जाते हैं, लेकिन न पानी मिलता है और न संकट कम होता है। भ्रष्टाचार केवल धन की बर्बादी नहीं करता, वह भविष्य की पीढ़ियों का अधिकार भी छीन लेता है। इन जटिल होती जल संकट स्थितियों के प्रति नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियों को बूंद-बूंद के लिये तरसना पडेगा। जल जैसे जीवनदायी संसाधन के साथ किया गया भ्रष्टाचार वास्तव में मानवता के साथ अपराध है। जब जल संरक्षण की योजनाएं कागजों में सिमट जाती हैं, तब जल संकट और भी गहरा हो जाता है। यही कारण है कि आज योजनाएं तो हैं, नीतियां भी हैं, लेकिन परिणाम अपेक्षित नहीं हैं। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन, अतिदोहन, अनियंत्रित शहरीकरण और खराब प्रबंधन इस संकट को और बढ़ा रहे हैं। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को रोका गया, तालाब पाट दिए गए और जंगलों का विनाश किया गया। परिणामस्वरूप वर्षा का पैटर्न बदल गया और जल स्रोत सूखते चले गए। यह स्पष्ट है कि केवल सरकारी योजनाओं से ही समाधान संभव नहीं, जब तक समाज स्वयं जिम्मेदारी न ले। दुनिया के अन्य देशों से हमें बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। इजराइल में ड्रिप इरिगेशन और डिसेलिनेशन तकनीक से 90 प्रतिशत तक पानी का पुनर्चक्रण किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में वाटर ट्रेडिंग के माध्यम से जल संसाधनों का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित किया गया है। अमेरिका में अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग और यूरोप में स्मार्ट वाटर मैनेजमेंट सिस्टम जल संकट से निपटने के प्रभावी उपाय बने हैं। भारत में भी राजस्थान जैसे राज्यों में जोहड़, खादिन और बावड़ियों जैसे पारंपरिक जल संरचनाएं आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। समाधान का रास्ता स्पष्ट है-कठोर नीतियां, पारदर्शी प्रशासन और जनभागीदारी। जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनानी होगी। तकनीक का उपयोग कर निगरानी और सामाजिक ऑडिट को अनिवार्य बनाना होगा। आमजन को भी जागरूक होना पड़ेगा कि वर्षा जल संचयन, जल की बचत, ड्रिप सिंचाई और अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता हैं। भारत में विश्व की कुल आबादी का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है, जबकि देश में पीने योग्य जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत भाग ही उपलब्ध है। देश में अत्यधिक जल दोहन तथा अकुशल प्रबंधन के कारण भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट आ रही है। इसके परिणामस्वरूप आने वाले समय में देश को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। नीति आयोग के अनुसार, वर्तमान में स्वच्छ जल की अपर्याप्त पहुँच के कारण लगभग 60 करोड़ भारतीय गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं तथा इसके कारण प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों की मृत्यु होती है। वर्ष 2030 तक देश में जल की मांग, आपूर्ति की दोगुनी होने की संभावना है। इससे देश में करोड़ों लोगों को जल के गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा तथा देश के सकल घरेलु उत्पाद में 6 प्रतिशत की हानि होने की संभावना है। आज समय बहुत कम है। यदि अभी भी हम नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। जल का संकट केवल वर्तमान का नहीं, भविष्य का प्रश्न है। जल है तो जीवन है-इस सत्य को हमें व्यवहार में उतारना होगा।

आप का नज़रिया

ट्रंप के चापलूसों का बोर्ड

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने जिस 'बोर्ड ऑफ पीस' (शांति बोर्ड) की स्थापना का प्रयास किया है, उसमें अभी तक वे 19 देश शामिल हुए हैं, जो अमरीका की चापलूसी करने को बाध्य हैं। अलग-अलग कारणों से अमरीका के मोहताज हैं। अमरीका ही उन्हें सुरक्षा की गारंटी देता है और वह ही आर्थिक मदद करता है। उन 19 में से 12 देश इस्लामिक हैं। उनमें पाकिस्तान ने भी 'शांति बोर्ड' की सदस्यता के लिए दस्तखत किए हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जब प्रारूप पर दस्तखत किए, तो सीडीएफ आसिम मुनीर भी सामने बैठे थे। अब इस फैसले के खिलाफ पाकिस्तान में 'जेहाद' के नारे बुलंद किए जा रहे हैं। इसके कुछ खास कारण हैं। पाकिस्तान अभी तक इजरायल को एक देश के तौर पर मान्यता नहीं देता। वह फिलिस्तीन का समर्थक रहा है, लेकिन अब पाकिस्तान के 4000 फौजियों को गाजा क्षेत्र में इजरायल सेना के नेतृत्व में काम करना पड़ेगा। ट्रिगर इजरायल के हाथ में होगा और लडऩे-मरने वाले मुस्लिम फौजी होंगे। पाकिस्तान के मुस्लिम फौजियों को फिलिस्तीन, गाजा, हमास के मुसलमानों पर ही गोली चलानी पड़ेगी। जाहिर है कि मुसलमान ही मुसलमान का कत्ल करेगा! अहम और बुनियादी कारण यह है कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संसद को विश्वास में क्यों नहीं लिया? संसद की इजाजत के बिना इतना अहम फैसला कैसे ले लिया गया कि पाकिस्तान के 4000 फौजी गाजा में सक्रिय रहेंगे। उन्हें जो 1000 डॉलर प्रति का मेहनताना मिलेगा, वह 40 लाख डॉलर की राशि सीडीएफ आसिम मुनीर हासिल करेगा। फौजियों को जो देना होगा, वह हुकूमत तय करेगी। फौजी की मौत के बाद पर्याप्त मुआवजा और सम्मान राशि कितनी होगी और कौन देगा, यह अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। उस पर भी मुनीर की 'डकैत निगाहें' होंगी! पाकिस्तान में कट्टरपंथी जमात इसे 'इस्लाम-विरोधी' और 'अल्लाह-विरोधी' फैसला करार दे रही है। खासकर सीडीएफ मुनीर के खिलाफ फतवे जारी किए जा रहे हैं। अवाम का मानना है कि शहबाज-मुनीर ने राष्ट्रपति ट्रंप के सामने दंडवत आत्मसमर्पण कर दिया है, क्योंकि पाकिस्तान को पैसा चाहिए। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे मुस्लिम देशों ने पाकिस्तान को कर्ज देने से इंकार कर दिया है। चीन अपने उधार दिए गए कर्ज को वापस मांग रहा है। यदि आईएमएफ और विश्व बैंक से आर्थिक पैकेज की अपेक्षा करनी है, तो अमरीका ही एकमात्र सहारा है। राष्ट्रपति ट्रंप के इशारे पर ही पाकिस्तान को नया कर्ज मिल सकता है। पाकिस्तान पर फिलहाल 130 अरब डॉलर के करीब का कर्ज है। पाकिस्तान के हरेक नागरिक पर औसतन 3,63,831 पाक रुपए का कर्ज है। करीब 60 फीसदी अवाम गरीबी-रेखा के नीचे जीने को विवश है। भारत से करीब 25 गुना अधिक महंगाई पाकिस्तान में है। अवाम में जेहाद के नारों के साथ 'मुनीर की वर्दी उतारने' के नारे भी गूंज रहे हैं। 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' सरीखा संगठन भडक़ उठा है और आत्मघाती हमलों की धमकियां दे रहा है। फिलहाल 'शांति बोर्ड' की सदस्यता निशुल्क है, लेकिन स्थायी सदस्यता के लिए 1 अरब डॉलर की फीस अदा करनी होगी। भारत की मौजूदा मौद्रिक स्थिति के मुताबिक, यह राशि 9100 करोड़ रुपए से अधिक बनती है। पाकिस्तान को अधिक राशि का भुगतान करना पड़ेगा। 'घर में नहीं दाने, अम्मा चली भुनाने'...भूखा-नंगा पाकिस्तान इतनी रकम कैसे दे पाएगा? यानी सब कुछ अस्थायी है अभी। यदि विश्व-व्यवस्था के संदर्भ में इस 'शांति बोर्ड' का विश्लेषण करें, तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी और वीटोधारक सदस्य देशों में से सिर्फ अमरीका ही सदस्य है। रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन समेत भारत, जर्मनी, इटली, कनाडा, नॉर्वे, डेनमार्क, स्वीडन, पराग्वे, स्लोवेनिया, तुर्किये, यूक्रेन आदि देश न तो बोर्ड से जुड़े हैं और न ही ट्रंप के निमंत्रण का जवाब दे रहे हैं।

पाकिस्तान अभी तक इजरायल को एक देश के तौर पर मान्यता नहीं देता। वह फिलिस्तीन का समर्थक रहा है, लेकिन अब पाकिस्तान के 4000 फौजियों को गाजा क्षेत्र में इजरायल सेना के नेतृत्व में काम करना पड़ेगा। ट्रिगर इजरायल के हाथ में होगा और लडऩे-मरने वाले मुस्लिम फौजी होंगे। पाकिस्तान के मुस्लिम फौजियों को फिलिस्तीन, गाजा, हमास के मुसलमानों पर ही गोली चलानी पड़ेगी। जाहिर है कि मुसलमान ही मुसलमान का कत्ल करेगा! अहम और बुनियादी कारण यह है कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संसद को विश्वास में क्यों नहीं लिया? संसद की इजाजत के बिना इतना अहम फैसला कैसे ले लिया गया कि पाकिस्तान के 4000 फौजी गाजा में सक्रिय रहेंगे। उन्हें जो 1000 डॉलर प्रति का मेहनताना मिलेगा, वह 40 लाख डॉलर की राशि सीडीएफ आसिम मुनीर हासिल करेगा। फौजियों को जो देना होगा, वह हुकूमत तय करेगी। फौजी की मौत के बाद पर्याप्त मुआवजा और सम्मान राशि कितनी होगी और कौन देगा, यह अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। उस पर भी मुनीर की 'डकैत निगाहें' होंगी! पाकिस्तान में कट्टरपंथी जमात इसे 'इस्लाम-विरोधी' और 'अल्लाह-विरोधी' फैसला करार दे रही है। खासकर सीडीएफ मुनीर के खिलाफ फतवे जारी किए जा रहे हैं। अवाम का मानना है कि शहबाज-मुनीर ने राष्ट्रपति ट्रंप के सामने दंडवत आत्मसमर्पण कर दिया है, क्योंकि पाकिस्तान को पैसा चाहिए।

दृष्टि कोण

भावनाओं के नियमन से उजाले की पगडंडी

पहाड़ों या घने जंगलों में लोगों के सतत आवागमन से कुछ रास्ते स्वतः ही बन जाते हैं। इन्हें हम पगडंडी कहते हैं। इनमें कुछ पगडंडियां सुगम होती हैं, जिन पर चलना आसान होता है। वहीं कुछ इतनी संकरी और उबड़खाबड़ होती हैं कि उन पर चलना एक चुनौती बन जाता है। कुछ पगडंडियां हमें हमारे गंतव्य स्थल तक पहुंचाती हैं तो कुछ भटकाव की भूल-भुलैया में छोड़ देती हैं। दरअसल, मानवीय भावनाओं का संसार भी कुछ ऐसी ही पगडंडियों से बना होता है। प्रसन्नता की पगडंडी हमें खिले हुए फूलों जैसी दुनिया में ले जाती है, जहां सौंदर्य के रिश्तों की अनूठी छटा बिखरी होती है। वहीं दुख की राह किसी घने अंधेरे जंगल में ले जाती है, जहां केवल निराशा और हताशा का वास होता है। भय की राहों पर आशंकाओं के कांटे बिछे होते हैं, तो क्रोध की राह अंगारों से दहक रही होती है। यहां प्रश्न उठता है कि आखिर भावनाओं की इन पगडंडियों का उद्गम स्थल कहां है? कहां से यह कारवां शुरू होता है? आधुनिक विज्ञान मानता है कि भावनाओं का जन्म हमारे मस्तिष्क में होता है। मस्तिष्क में स्थित 'लिम्बिक सिस्टम' भावना का केंद्र होता है। इसमें विशेष रूप से अमिगडाला की भूमिका प्रमुख होती है, जो भय, क्रोध और आनंद जैसी तत्काल भावनाओं को जन्म देता है। साथ ही डोपामिन, सेरोटोनिन और ऑक्सिटोसिन जैसे रसायनों से भावनाओं का निर्धारण करता है। मनोविज्ञान इस विमर्श को थोड़ा सूक्ष्म रूप में परिभाषित करता है। इसके अनुसार भावनाएं हमारे विचारों से जन्म लेती हैं। अवचेतन मन में दबी हुई इच्छाएं, पुरानी यादें और गहरे संस्कार सुप्त अवस्था में रहते हैं, जो अचानक किसी उत्प्रेरक के मिलने पर

भावना के रूप में फूट पड़ते हैं। कई बार किसी घटना के प्रति हमारा नजरिया भी भावनाओं को जन्म देता है। भारतीय दर्शन और अध्यात्म इसे और गहराई से देखता है। हमारे ऋषि-मुनियों ने कहा है कि भावनाओं का असली घर हमारा चित्त है, जो एक गहरे सरोवर की तरह है। इस सरोवर की तलहटी में हमारे पुराने संस्कार और वृत्तियां जमा रहती हैं। जैसे शांत सरोवर में कंकड़ फेंकने से लहरें उठती हैं, वैसे ही संस्कारों के इस मानस सरोवर में जब बाहरी दुनिया का कोई विषय स्पर्श करता है, तो जो कंपन होता है, वही भावनाएं हैं और यहीं से जन्म होता है - भावनाओं की पगडंडी का। भावनाओं की पगडंडी के निर्माण के संदर्भ में श्रीमद्भगवद्गीता के अध्याय 2 के श्लोक 62 में भी एक श्लोक मिलता है— 'पहले मन में किसी विषय का चिंतन होता है, चिंतन से उस विषय में आसक्ति पैदा होती है। आसक्ति से कामना जन्म लेती है और जब कामना पूरी नहीं होती या उसमें बाधा पड़ती है, तो क्रोध जन्म लेता है। और इस तरह क्रोध की भावना की पगडंडी का निर्माण होता है।' दरअसल, इन पगडंडियों पर चलते हुए अक्सर हम दिशा-भ्रमित हो जाते हैं। भावनाओं की जटिलता से निपटने के लिए अक्सर हमारी सहज प्रतिक्रिया उनके 'दमन' की हो जाती है। बचपन से ही हमें 'क्रोध न करने' या 'आंसू रोकने' का प्रशिक्षण दिया जाता है। हम समझते हैं कि भावनाओं का दमन कर देने से हम संयमित कहलाएंगे। जबकि सच्चाई यह है कि भावनाओं का जबरन दमन, बहते पानी पर कच्चा बांध बनाने जैसा है, जिसमें पानी क्षणिक रूप से रुक सकता है, परंतु उसका बढ़ता दबाव अंततः किसी घातक मानसिक विस्फोट का कारण बनता है। तो फिर अप्रिय भावनाओं से निपटने का समाधान अगर दमन नहीं है तो दूसरा सही मार्ग क्या है? उत्तर है- 'उदात्तीकरण'। यहां यह समझना जरूरी है कि भावना, मूल रूप से, केवल एक 'ऊर्जा' है। विज्ञान का नियम है कि ऊर्जा को न तो पैदा किया जा सकता है और न ही नष्ट, उसे केवल रूपांतरित किया जा सकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कई दिनों से रुके काम भी पूरे हो सकते हैं. पारिवारिक संबंध मधुर रहेंगे. अपनी इमेज सुधारने का मौका भी आपको मिल सकता है. सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके लिए दिन उत्साहवर्धक है और मनोरंजन भी होता रहेगा. परिवार से जुड़े मामलों पर आपको ध्यान देना होगा. कुछ घरेलू उलझे हुए मामले सुलझ सकते हैं. शादीशुदा लोगों को सुख मिल सकता है. प्रेम बढ़ेगा. पुरानी बीमारियों में थोड़ा आराम मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आप खुद को एनर्जेटिक महसूस करेंगे. और इसी ऊर्जा के चलते जो भी काम आप हाथ में लेंगे वो समय पर जरूर पूरा होगा. और इस बात को लेकर आपकी तारीफ भी होगी. इस राशि के इंजीनीयर्स आज अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे, तो उन्हें सफलता जरूर मिलेगी. आज जीवन में तरक्की के कुछ मौके आपके सामने आएंगे, जिसमें आप अपने जीवनसाथी की सलाह जरूर लें, उनकी सलाह आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगी.आज शिवलिंग का दही से अभिषेक करें, आपके सारे काम पूरे होंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे और कुछ महंगी वस्तुओं की खरीदारी भी कर सकते हैं. भूमि में निवेश भी संभव है. व्यावसायिक रूप से दिन शुभ है. जिस प्रोजेक्ट और असाइनमेंट पर आप वर्तमान में काम कर रहे हैं, वह भविष्य में नई संभा-वनाओं को खोल सकता है. कार्य स्थल को पुनर्गठित करना या घर पर को पुन: व्यव-स्थित करने की योजना पर आप कम कर सकते हैं. कुछ तनाव होने के कारण पारिवा-रिक माहौल तनावग्रस्त रह सकता है. किसी पारिवारिक सदस्य की अकस्मात बिगडती स्वास्थ्य स्थिति आपको परेशानी में डाल सकती है.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको अपने बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिल सकते हैं. आपके बच्चे समाज में आपका नाम रोशन करेंगे. प्यार दरकिनार हो सकता है क्योंकि कुछ छोटे-मोटे मतभेद अचानक उभरेंगे. आज जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट गायब हो जाएगी. अपने प्रयासों में सफलता पाने के लिए आपको मेहनत के साथ-साथ अपनी बुद्धि से भी काम लेना होगा तभी जाकर सकारात्मक परिणाम मिलने के आसार बनेंगें.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार में सुख-शांति बढ़ेगी. कार्यक्षेत्र में नए एग्रीमेंट और समझौते होने की संभावना है. सामाजिक कामकाज में सम्मान मिल सकता है. किसी अच्छे दोस्त से मुलाकात के योग बन रहे हैं. आपका ध्यान किसी दूर स्थान पर ज्यादा रहेगा. ऑफिस में कोई व्यक्ति गुप्त रूप से आपकी मदद कर सकता है. रोमांस के अच्छे अवसर मिलने के योग हैं. पार्टनर आपको आर्थिक मदद कर सकता है. आज आप साथ काम करने वाले की तरफ आकर्षित हो सकते हैं.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा. आज आप किसी काम में बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया एक्सपेरीमेंट करेंगे जिसमें आपको सफलता भी जरूर हासिल होगी. आपका आर्थिक पक्ष भी मजबूत रहेगा. वहीं अगर कुछ दिनों से स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी है तो उसमें आपको सुधार नज़र आएगा. आज लवमेट के साथ किसी रेस्टोरेंट में लंच का प्रोग्राम बना सकते हैं जिससे रिश्तों में आपको ताज़गी महसूस होगी. आज के दिन गाय को गुड खिलाए व्यापार में नए मार्ग खुलेंगे.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कुछ नया काम आरंभ हो सकता हैं । महत्वाकांक्षी उपक्रमों में निवेश करके आप अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं. व्यवसाय विस्तार की योजनाएं बनाई जाएंगी और यदि बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की इच्छा है तो वह भी आपको प्राप्त हो जायेगा. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप दोस्तों और परिवार के साथ आनंदमय समय व्यतीत करेंगे. कुछ जातकों के लिए नवीन प्रेम सम्बन्ध नई आशाओं को जन्म देगा.दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको बच्चों की तरफ से खुशखबरी मिलने के योग नजर आ रहे हैं. परिजनों के साथ उग्र वाद-विवाद होने की संभावना है. छाती में दर्द या अन्य किसी विकार से व्यग्रता का अनुभव हो सकता है. जरूरत से ज्यादा काम अपने सिर पर लेने से टेंशन हो सकती है. आपको मेहनत भी ज्यादा करनी होगी. विरोध में आ रही सभी परेशानियां दूर होगी तथा इन्हें नए कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे. आप पैसा बना सकते हैं बस नये तरीकों को आजमाना होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके काम बनते चले जाएंगे. सोच-समझकर फैसले लेने से ही फायदा हो सकता है. पैसों की स्थिति में अच्छे खासे बदलाव के मौके मिल सकते हैं. परिवार, समाज में आपका महत्व बढ़ेगा. प्रेम संबंधों में सफलता मिलेगी. जीवनसाथी के साथआपके संबंध और गहरे हो सकते हैं. पार्टनर के साथ आज अच्छा समय बीतेगा. सेहत में उतार-चढ़ाव आने की संभावना है. आज सादा और हल्काफुलका भोजन ही करना बहतर रहेगा ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपको सफलता पाने के लिए थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी होगी. साथ ही आज आप मानसिक अशांति से भी ग्रस्त हो सकते हैं. जीवनसाथी से किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता हैं आज आपको खुद में एनर्जी की कमी महसूस होगी. जिसके चलते आप बेमन से कार्यों को पूरा करेंगे. आपके स्वास्थ्य में भी गिरा-वट आ सकती है. हालांकि आज आपको किसी की मदद भी मिल सकती है आज आप अपने विचारों और भावनाओं को नियंत्रित रखना ही फायदेमंद होगा. आज के दिन आपको जरुरतमंद की मदद करनी चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यदि आप अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहते हैं तो यह एक नए गठबंधन में प्रवेश करने के लिए यह अच्छा समय है. कुछ महत्वपूर्ण कार्य से संबंधित यात्रा पर जाना पड़ सकता है. अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करने में मदद करेगा. पारिवारिक हितों को ध्यान में रखते हुए आप कुछ नई बचत योजनाओं को लागू करेंगे. आप राजनीति से जुड़े हुए हैं तो नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपके वैवाहिक जीवन के साथ-साथ अपने करियर को अनदेखा न करें, इन दोनों को आपकी देखभाल की ज़रूरत है. आपको कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे जिसके चलते आपको तनाव और बेचैनी का सामना करना पड़ सकता है. आज अपना आपा न खोएँ, नहीं तो परिवार में कभी न मिटने वाली दरार पड़ सकती है. नुकसान हो सकता है. मेहमानों का आगमन होगा. पारिवारिक सुखों को भोगने का समय आ गया है. अपने हाथों से गौ सेवा करें ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे ।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 जनवरी 2026 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी सायं 04:38 तक
नक्षत्र : कृतिका प्रात: 09:28 तक
योग : ब्रह्म रात्रि 11:54 तक
करण : गर सायं 04:38 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:48 , सूर्यास्त 06:09 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 06:19 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:10 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 06:01 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 03:17 से, शुक्र तारा अस्त है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल शर्मा ने लॉन्च किया इंडिया स्टोन मार्ट मोबाइल ऐप

उद्योग के लिए ऐतिहासिक डिजिटल पहल

जयपुर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने जयपुर में इंडिया स्टोनमार्ट मोबाइल ऐप का औपचारिक शुभारंभ किया। स्टोन उद्योग के लिए यह अपनी तरह की पहली व्यापक डिजिटल पहल मानी जा रही है, जिसके माध्यम से उद्योग को एक समर्पित डिजिटल इकोसिस्टम उपलब्ध कराया गया है। इंडिया स्टोन मार्ट ऐप के जरिए पहली बार स्टोन उद्योग को ई-स्टॉल, डिजिटल मार्केटप्लेस, नेटवर्किंग, इवेंट अपडेट्स और एआई-सक्षम सर्च जैसी उन्नत सुविधाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलेंगी। यह ऐप प्रदर्शकों, खरीदारों और उद्योग से जुड़े सभी हितधारकों के लिए व्यापार, संवाद और सहयोग को सरल और प्रभावी बनाएगा। लॉन्च कार्यक्रम में स्टोनमार्ट के संयोजक नटवर अजमेरा, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय सह महामंत्री नरेश पारीक, राष्ट्रीय सचिव अंजू सिंह और पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष योगेश गौतम सहित स्टोन उद्योग के प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने इस डिजिटल पहल को स्टोन उद्योग के भविष्य के लिए एक निर्णायक कदम बताया।

इंडिया स्टोन मार्ट ऐप के माध्यम से डिजिटल ई-स्टॉल और एआई-आधारित सर्च तकनीक स्टोन कारोबार के पारंपरिक तरीकों में बदलाव लाएगी और वैश्विक खरीदारों से सीधे जुड़ाव का अवसर प्रदान करेगी। यह प्लेटफॉर्म न केवल व्यापारिक गतिविधियों को गति देगा, बल्कि भारतीय स्टोन उद्योग को अंतरराष्ट्रीय बाजार में और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा। इंडिया स्टोन मार्ट 2026 एक चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी है, जिसका आयोजन 5 से 8 फरवरी 2026 में जयपुर स्थित जयपुर एग्जिबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर, सीतापुरा में प्रस्तावित है।

यह आयोजन प्राकृतिक पत्थरों (मार्बल, ग्रेनाइट, सैंडस्टोन, लाइमस्टोन), माइनिंग, प्रोसेसिंग मशीनरी, टूल्स और स्टोन आर्ट से जुड़े उद्योगों को एक साझा मंच प्रदान करेगा। राजस्थान देश का अग्रणी स्टोन उत्पादक राज्य है और लाखों लोगों की आजीविका इस उद्योग से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई है। इंडिया स्टोन मार्ट 2026 के माध्यम से राजस्थान के स्टोन उद्योग, एमएसएमई सेक्टर, कारीगरों और निर्यातकों को वैश्विक खरीदारों एवं निवेशकों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजन समिति के अनुसार, यह आयोजन 'वोकल फॉर लोकल', 'मेक इन इंडिया' और राजस्थान के औद्योगिक विकास को नई गति देगा।

आयुष विभाग की समीक्षा बैठक में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने दिए अहम दिशा-निर्देश

जयपुर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने मंगलवार को शासन सचिवालय में आयुष विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में आयुष आधारित बेहतरीन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विकसित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। डॉ. बैरवा ने आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी (आयुष) विभाग की योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए प्रदेश के समस्त आयुष औषधालयों एवं चिकित्सालयों में उच्च गुणवत्ता वाली औषधियों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धतियां जनस्वास्थ्य के लिए अत्यंत उपयोगी हैं और इन्हें अधिक से अधिक आमजन तक पहुंचाया जाना आवश्यक है। उपमुख्यमंत्री ने आरोग्य मेला, स्वास्थ्य शिविर, स्कूल हेल्थ कैंप, क्षमता संवर्धन कार्यक्रम एवं विभिन्न चिकित्सा शिविरों के नियमित आयोजन पर जोर देते हुए कहा कि इन गतिविधियों के माध्यम से अधिकाधिक नागरिकों को आयुष सेवाओं से जोड़ा जाए। साथ ही पंचकर्म चिकित्सा, आंचल प्रसूता केंद्र सहित सभी विशिष्ट आयुष चिकित्सा सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं जनोपयोगी बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत अर्जित उपलब्धियों, बजट घोषणाओं की प्रगति तथा आगामी कार्ययोजनाओं की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि राज्य वार्षिक कार्ययोजना 2025-26 के तहत राजस्थान के सभी आयुष औषधालयों एवं चिकित्सालयों में बेसिक लैब स्थापित की जा रही हैं, जहां हीमोग्लोबिन, शुगर, यूरिन, प्रेगनेंसी, डेंगू, एचआईवी सहित अन्य आवश्यक जांचें की जा सकेंगी। इसके साथ ही सभी केंद्रों पर लैपटॉप उपलब्ध है जिससे सम्पूर्ण आयुष विभाग को आईटी इनेबल्ड किया जा रहा है, जिससे मरीजों की पर्ची ऑनलाइन जारी की जा सकेगी। इसके अतिरिक्त राजस्थान के समस्त 2019 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) में इन्वर्टर, फायर फाइटिंग सिस्टम सहित आवश्यक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। राज्य में लगभग 30 लाख रुपये की लागत से 100 औषधालयों का सुदृढ़ीकरण, लगभग 2 करोड़ रुपये से 10 बेड के हॉस्पिटल, लगभग 15 करोड़ रुपये से 850 बेड के हॉस्पिटल तथा 70 करोड़ रुपये की लागत से आयुर्वेद महाविद्यालय चाकसू के नवीन निर्माण कार्य प्रारंभ किए जा रहे हैं। साथ ही 100 चिकित्सालयों में मरम्मत कार्य, उपकरण एवं फर्नीचर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

विभागीय योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों तक समय पर पहुंचाया जाए : डॉ. किरोड़ी लाल

जयपुर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में केंद्र की प्रमुख केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि विभागीय योजनाओं का लाभ समय पर ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाया जाए। ग्रामीण विकास के लिए राज्य सरकार सदैव तत्परता से कार्य कर रही है। डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि विभागीय अधिकारी ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता, रोजगार सृजन एवं बुनियादी सुविधाओं का विस्तार सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी योजना के तहत महिलाओं को स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। प्रदेश में 15 लाख 95 हजार लखपति दीदियां बनाई जा चुकी है और 19 लाख 90 हजार संभावित लखपति दीदियों को प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि राजीविका योजना में स्वयं सहायता समूहों को मजबूत बनाने एवं ऋण वितरण में भी उत्साहजनक प्रगति दर्ज की गई। विशेष क्षेत्रों की विकास योजनाओं तथा मगरा क्षेत्रीय विकास योजना में सड़क, जल संरक्षण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हो रहा है, जो पिछड़े क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

रबी सीजन में किसानों को बिजली की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित, कोई संकट नहीं: हीरालाल नागर

जयपुर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहाकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। प्रदेश की भावी ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए वितरण, प्रसारण तथा उत्पादन, प्रदेश में विद्युत तंत्र के इन तीनों आयामों को लगातार सशक्त किया जा रहा है। इसी का नतीजा है कि बैंकिंग व्यवस्था समाप्त करने के बावजूद गत वर्ष रबी के सीजन में राज्य सरकार ने पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की और इस साल भी किसानों को आवश्यकता के अनुरूप बिजली उपलब्ध है।

नागर मंगलवार को विद्युत भवन में ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुसुम योजना के माध्यम से लगभग 2900 मेगावाट क्षमता के विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। इनसे उपलब्धता बेहतर हुई है। उत्पादन निगम के माध्यम से 6 हजार मेगावाट ऑवर बैटरी स्टोरेज सिस्टम विकसित किया जा रहा है। अब इसका प्रभाव यह होगा कि विद्युत तंत्र के पास भविष्य में आपूर्ति के लिए पर्याप्त बिजली की उपलब्धता रहेगी। यह सरकार की दूरगामी नीतियों का परिणाम है। नागर ने इस दौरान प्रदेश में किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सरकार 22 जिलों में किसानों को सिंचाई के लिए दिन के दो ब्लॉक में बिजली दे रही है। निर्देश दिए कि तीनों वितरण निगमों में विद्युत तंत्र को मजबूती प्रदान कर शेष जिलों में भी दिन में आपूर्ति प्रारंभ करने की दिशा में चरणबद्ध रूप से आगे बढ़ा जाए। इसके लिए प्रसारण क्षमता में वृद्धि करें और बजट में घोषित जीएसएस निर्माण कार्यों को गति दें। ऊर्जा मंत्री ने जयपुर विद्युत वितरण निगम में किए जा रहे विद्युत पोल, ट्रांसफार्मर, ग्रिड सब स्टेशन आदि के डिजिटाइजेशन के कार्य की सराहना की।

उल्लेखनीय है कि रॉकफेलर फाउंडेशन तथा ग्लोबल एनर्जी एलायंस फॉर पीपुल एंड प्लेनेट के माध्यम से यह कार्य किया जा रहा है।

पंजाब चुनाव के चलते भाजपा और हरियाणा के सीएम नहीं चाहते कि एसवाईएल मुद्दे का हल हो : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 27 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने यूजीसी के नए नियमों की कड़ी आलोचना करते हुए इसे युवाओं के भविष्य के साथ बड़ा खिलवाड़ बताया है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि यूजीसी के नए नियम उच्च शिक्षा व्यवस्था पर न केवल बड़े प्रहार की तरह है बल्कि ये राज्य सरकार की शक्तियों को कमजोर करने की गहरी साजिश है। वे मंगलवार को करनाल में आयोजित जेजेपी के युवा योद्धा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार की सोच स्पष्ट दर्शाती है कि उच्च शिक्षा में बंटवारा करके हमें तोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि ऐसा इतिहास में कभी नहीं हुआ कि शिक्षा के सहारे बंटवारे की भूमिका तय की जाए। वहीं पत्रकारों के सवालों के जवाब में एसवाईएल के विषय पर दुष्यंत चौटाला ने कहा कि आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव के चलते बीजेपी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नहीं चाहते कि एसवाईएल मुद्दे का हल हो। एसवाईएल के विषय पर दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा के सीएम चाहते तो छह महीने पहले ही एसवाईएल मुद्दे का समाधान किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि बीजेपी पंजाब चुनाव के मद्देनजर एसवाईएल के मुद्दे को लटकाना चाहती है। दुष्यंत ने सवाल किया कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद दो साल से केंद्र सरकार ने एसवाईएल का मामला क्यों नहीं सुलझाया ? हरियाणा सरकार कानूनी कदम क्यों नहीं उठा रही ? ये सब दर्शाते है कि हरियाणा के सीएम और बीजेपी नहीं चाहते कि पंजाब चुनाव से पहले एसवाईएल के मुद्दे का हल हो।

पूर्व सांसद एवं विधायक ईश्वर सिंह अपने पुत्र व पूर्व चेयरमैन पुत्रवधू सहित भाजपा में हुए शामिल

चंडीगढ़, 27 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा की राजनीति में मंगलवार को भाजपा में एक महत्वपूर्ण ज्वाइनिंग हुई। गुहला-चीका से जेजेपी के विधायक रह चुके एवं पूर्व राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन रहे ईश्वर सिंह ने अपने पुत्र एवं चेयरमैन पुत्रवधू के साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एवं प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल कौशिक की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। ज्वाइनिंग के बाद ईश्वर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों, सामाजिक न्याय एवं विकास की नीतियों से प्रभावित होकर उन्होंने भाजपा परिवार में शामिल होने का निर्णय लिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय जनता पार्टी ही देश और प्रदेश को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने में सक्षम है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ईश्वर सिंह एवं उनके परिवार का भाजपा में स्वागत करते हुए कहा कि उनके अनुभव, सामाजिक सरोकार और जनसेवा की भावना से पार्टी को निश्चित रूप से मजबूती मिलेगी।

एसवाईएल मुद्दे पर सकारात्मक माहौल में हुई बातचीत, समाधान की दिशा में बढ़ेंगे कदम : सैनी

चंडीगढ़, 27 जनवरी (एजेंसियां)। सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर को लेकर पंजाब और हरियाणा के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद के बीच मंगलवार को चंडीगढ़ में दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों की अहम बैठक हुई। इस बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान आमने-सामने बैठे और पानी के इस संवेदनशील मुद्दे पर विस्तार से बातचीत की। खास बात यह रही कि बैठक के बाद दोनों मुख्यमंत्री एक साथ मीडिया के सामने आए और बातचीत को सकारात्मक बताया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि यह मुद्दा बहुत समय से चल रहा है, बल्कि यूं कहें कि लटका हुआ है। उन्होंने कहा कि गुरुओं की वाणी हमें मार्गदर्शन देती है। हम भाई कन्हैया जी के वारिस हैं, जिन्होंने युद्ध के दौरान दुश्मनों को भी पानी पिलाया था। हरियाणा हमारा दुश्मन नहीं है, यह तो हमारा भाई है। भगवंत मान ने पानी के

मुद्दे को केवल पंजाब और हरियाणा तक सीमित न बताते हुए कहा कि आने वाले समय में पानी पूरी दुनिया का बड़ा मसला बनने वाला है। भविष्य में पानी को कैसे मैनेज करना है, कैसे बांटना है, यह एक बड़ी चुनौती होगी। एसवाईएल का मुद्दा भी इसी से जुड़ा हुआ है और इसलिए इसे समझदारी से हल करना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि बैठक में दोनों पक्षों ने अपना-अपना पक्ष रखा। अब तो हालत यह है कि कागज देखने की भी जरूरत नहीं पड़ती, क्योंकि यह मुद्दा उन्हें अच्छी तरह याद हो चुका है। उन्होंने हंसी-मजाक के लहजे में कहा कि जब भी किसी कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री से मुलाकात होती है, तो बातचीत इसी मुद्दे पर हो जाती है क्या करना है, कैसे करना है, क्या रास्ता निकलेगा। भगवंत मान ने बताया कि आज यह फैसला लिया गया है कि अधिकारी स्तर पर बैठकों को और ज्यादा बार किया जाएगा। सिर्फ सुप्रीम कोर्ट की तारीख का इंतजार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार दोनों ही कह चुके हैं कि पंजाब और हरियाणा आपस में बैठकर बातचीत करें और समाधान निकालें। इसी जिम्मेदारी को निभाते हुए अब अधिकारी महीने में तीन-चार बार भी मिल सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि कई बार बड़े प्रोटोकॉल वाली बैठकों में अधिकारी खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते। इसलिए अब कोशिश होगी कि अधिकारी आपस में खुलकर चर्चा करें, अपनी रिपोर्ट तैयार करें और दोनों मुख्यमंत्रियों को बताएं कि बैठक में क्या हुआ। उसके बाद जरूरी हो तो फोन पर भी बातचीत हो सकती है। हर बात के लिए बड़ी बैठक करना जरूरी नहीं है।

भगवंत मान ने कहा कि हमारे बुजुर्ग भी किसी झगड़े या बंटवारे को ऐसे ही हल करते थे। दो पक्षों को बैठकर बातचीत करवाई जाती थी और आपसी समझ से समाधान निकाला जाता था। उन्होंने कहा कि अब नई पीढ़ी की सरकारें हैं और हमें भी इसी तरीके से मसला सुलझाना चाहिए। उनका मानना है कि अगर यह मुद्दा निपट जाए तो सबसे अच्छा होगा।उन्होंने साफ कहा कि वह यह नहीं कहते कि किसी का हक मारा जाए, ना पंजाब का, ना हरियाणा का। दोनों राज्य भाई हैं, जो 1966 में अलग हुए थे। अब पानी का मसला चल रहा है और अगर यह समझदारी से सुलझ जाए, तो इससे दोनों राज्यों और देश का ही भला होगा।वहीं, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह भूमि गुरुओं की भूमि रही है और गुरु नानक देव जी की वाणी आज भी हम सबको रास्ता दिखाती है। उन्होंने गुरु नानक देव जी की पंक्तियां दोहराईं पवन गुरु, पानी पिता, माता धरत महत। उन्होंने कहा कि यह वाणी हमें सिखाती है कि हवा, पानी और धरती कितने महत्वपूर्ण हैं और हमें इनका सम्मान करना चाहिए। इसी सोच के साथ आज की बैठक भी अच्छे माहौल में हुई। नायब सिंह सैनी ने कहा कि बातचीत बहुत सकारात्मक माहौल में हुई है और जब बातचीत अच्छे माहौल में होती है तो उसके नतीजे भी अच्छे निकलते हैं।

छात्रों को समझने योग्य तरीके से गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए : हरिता

आसिफाबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर के. हरिता ने गुरुवार की सुबह आसिफाबाद मंडल के पाडीबंदा गांव में आदिवासी कल्याण विभाग के प्राथमिक विद्यालय का औचक दौरा किया। इस मौके पर स्कूल की कक्षाओं, शिक्षण पद्धति और विद्यार्थियों के सीखने के स्तर की जांच की गई। वे कक्षाओं में गए और छात्रों से पाठ्यक्रम से संबंधित प्रश्न पूछकर उनकी समझ और क्षमताओं का परीक्षण किया। शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे ऐसे तरीके से पढ़ाएं जो छात्रों के लिए समझने योग्य और दिलचस्प हो। प्रत्येक छात्र के सीखने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए तथा पिछड़े छात्रों को अतिरिक्त प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। कलेक्टर ने विद्यालय में विद्यार्थियों को दिये जाने वाले मध्यान्ह भोजन योजना का निरीक्षण किया। रसोईघर में भोजन की गुणवत्ता की जांच कर विद्यार्थियों को स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। किसी भी परिस्थिति में एक्सपायर्ड वस्तुओं का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भोजन की गुणवत्ता की समय-समय पर निगरानी की जानी चाहिए। इसके बाद उन्होंने दोपहर के भोजन में पके हुए रागी जावा को पिया और चखा। यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय करने की सलाह दी जाती है कि छात्रों की उपस्थिति प्रतिशत 100% हो। उन्होंने कहा कि जो विद्यार्थी बार-बार स्कूल नहीं आते हैं, उन्हें चिन्हित किया जाए, उनके अभिभावकों से बातचीत की जाए और बच्चों को नियमित स्कूल भेजने के लिए जागरूक किया जाए। शिक्षकों को ड्रॉपआउट की समस्या से बचने के लिए विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया. स्कूल के परिवेश, कक्षाओं और शौचालयों को साफ रखा जाना चाहिए और एक स्वस्थ वातावरण प्रदान किया जाना चाहिए। यह सुझाव दिया गया है कि सरकार को कई बुनियादी ढांचे का निर्माण करके और शिक्षा के स्तर में सुधार करके छात्रों के लिए वर्दी कपड़े प्रदान करने की योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए।

मदनूर 33 के.वि.विद्युत सबस्टेशन में तेंदुवा के निशान

मदनूर , 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल केंद्र के 33 के.वि.विद्युत सब स्टेशन के विद्युत क्रमच्यारी ने सोमवार देर रात अपना कर्तव्य निभाते सबस्टेशन परिसर में तेंदुवा नजर आने पर स्थानिक सबस्टेशन विद्युत क्रमच्यारी राचन्ना भय भीत होकर सबस्टेशन के कार्यालय का दरवाजा बंद कर बैठ गए उन्होंने इस की ज्यानकारी आपने अधिकारी को बताने पर अधिकारी ने वन अधिकारी को जानकारी देने पर उन्होंने मंगलवार के दिन सुबह मदनूर 33 के.वि. सबस्टेशन में संबन्धित व्यक्ति से ज्यानकारी हासिल करने के बाद वन अधिकारी ने तेंदुवा के पांव के निशान देखकर निश्चित किया कि यहां पर देर रात तेंदुवा आकर चला गया है उन्होंने गांव के लोगों को सतर्क रहने की सूचना दी इसी के साथ साथ जुक्कल वन क्षेत्र - कामारेड्डी जिला अधिकारी ने एक सूचना पत्र ज्यारी किया,जुक्कल, मदनूर और बड़ा कोडपगल मंडल के लोगों को क्या बताया जा रहा है...कि,जुक्कल वन क्षेत्र के आसपास के वन क्षेत्र और आसपास के कृषि क्षेत्रों में तेंदुओं की आवाजाही की पुष्टि हो गई है।,सभी ग्रामीणों को अत्यधिक सतर्क और सावधान रहने के निर्देश दिए गए हैं। महत्वपूर्ण सुरक्षा निर्देश (इनका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए)1. अगली सूचना तक वन क्षेत्रों में प्रवेश न करें। 2. शाम 5:30 बजे से सुबह 7:00 बजे के बीच कृषि क्षेत्रों में न घूमें। 3. रात के समय पशुओं को खेतों में न बांधें। 4. दिन के समय भी अकेले खेतों में न जाएं, बल्कि समूहों में जाएं। 5. यदि आपको कोई तेंदुआ, उसके पदचिह्न या पालतू पशुओं पर कोई हमला दिखाई दे, तो तुरंत वन विभाग या पुलिस अधिकारियों को सूचित करें। कानूनी चेतावनी: तेंदुए को नुकसान पहुंचाने का प्रयास न करें वन अधिनियम 1967 और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत बिजली की बाड़, जाल और जहर का उपयोग करना दंडनीय होगा।

जारीकर्ता: वन विभाग, जुक्कल रेंज, बंसवाड़ा डिवीजन, कामारेड्डी जिला अगर आप को वन अधिकारी से बात चित करना है तो इस सेल नंबर का उपयोग करे सेल: 8331039753, 9989774, 8977215486, 9030720319

वार्षिक परीक्षाओं के लिए योजनानुसार तैयारी : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 27 **जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** चूंकि 10वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं नजदीक आ रही हैं, छात्रों को योजनानुसार तैयारी करनी चाहिए, जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय), जिला प्रभारी शिक्षा अधिकारी दीपक तिवारी ने कहा। मंगलवार को उन्होंने जिले के तिरयानी मंडल केंद्र में जिला परिषद हाई स्कूल का दौरा किया और शिक्षकों, छात्रों की उपस्थिति तालिका, कक्षाओं, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता और आसपास का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला अपर समाहर्ता ने कहा कि 10वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी करनी चाहिए और बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए एकाग्रता के साथ पढ़ाई करनी चाहिए. उन्होंने कहा कि शिक्षकों को इस तरह पढ़ाना चाहिए कि छात्र समझ सकें और जो छात्र विषयों में पिछड़े हैं उन पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि वार्षिक परीक्षाओं के लिए प्रत्येक विषय की उचित योजना बनाकर अध्ययन करना चाहिए और वार्षिक परीक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए। शिक्षकों को छात्रों को मेनू के अनुसार पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने तथा छात्रों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी गयी है. उन्होंने कहा कि विद्यालय परिसर में बनाये जा रहे अतिरिक्त कक्षा-कक्षों के निर्माण की प्रगति में तेजी लायी जाये।इस कार्यक्रम में संबंधित पदाधिकारी एवं अन्य लोग शामिल हुए।

नीति आयोग में उल्लिखित लक्ष्यों को पूरा करें : के. हरिता

आसिफाबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार को नीति आयोग को लेकर एमपीडीओ कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में जिला कलक्टर हरिता ने कहा कि नीति आयोग कार्यक्रम में उल्लिखित छह क्लस्टरों में लक्ष्यों को पूरा किया जाये।उन्होंने छह मुद्दों को लेकर अधिकारियों से बात की। बताया जाता है कि अधिकारियों को शीघ्र लक्ष्य तक पहुंचने का निर्देश दिया गया है. इसके बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि तिरयानी मंडल में नीति आयोग का कार्यक्रम अच्छा चल रहा है. कहा कि संपूर्ण अभियान 2.0 के उद्देश्यों तक पहुंचने के लिए हम समय-समय पर समीक्षा बैठकें करते रहे हैं। अधिकारियों ने यह भी बताया कि वे बहुत अच्छे से काम कर रहे हैं. उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले दो महीनों में लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा. उन्होंने कहा कि जोन में पर्यटन पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस कार्यक्रम में डीडी रमादेवी के आला अधिकारी शामिल हुए।

श्री सरस्वती शिशु मंदिर में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया

आसिफाबाद , 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सरस्वती शिशुमंदिर इंग्लिश मीडियम स्कूल आसिफाबाद के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर, छात्रों ने राष्ट्रीय नेताओं की पोशाक पहनकर गांधी चौक, पोट्टीश्रीरामुलु चौक और विवेकानंद चौक पर ध्वजारोहण समारोह में भाग लिया।

परेड मैदान में योगा चॉप प्रदर्शन कर जिला कलक्टर से प्रशस्ति पत्र प्राप्त करना सौभाग्य की बात है। स्कूल के अध्यक्ष चेलुवेरु वेंकटेश्वरलू ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। छात्र-छात्राओं के सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी को प्रभावित किया।

रथसप्तमी के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कक्षा में प्रथम एवं द्वितीय आने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ एएसई ओलोम्पियाद द्वारा आयोजित अंग्रेजी परीक्षा में प्रथम एवं द्वितीय आने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र दिया गया।

इस कार्यक्रम में गुर्राला वेंकन्ना, कोंड्रे विशाल, कोडिपाका वेणुगोपाल, कल्लूरी संतोष, मातृ भारती के सदस्य वैष्णवी, रमादेवी, स्वाति, अखिला, दुर्गा, पूर्व प्रोफेसर, पूर्व छात्र, संरक्षक और प्रोफेसरों ने भाग लिया।

पारंपरिक नृत्य भारतीय संस्कृति की जड़ें हैं : कलेक्टर

आसिफाबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर के.हरिता ने कहा कि पारंपरिक नृत्य भारतीय संस्कृति की जड़ें हैं। अतिरिक्त जिला कलेक्टर दीपक तिवारी, एम. डेविड, कागजनगर उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला, आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव ने 77वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर में सोमवार शाम आयोजित सांस्कृतिक उत्सव कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा कि पारंपरिक नृत्य भारतीय रूढ़िवादी संस्कृति की जड़ें हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ अपनी रुचि के क्षेत्र में भी आगे बढ़ना चाहिए, अपने माता-पिता का नाम सम्मान करना चाहिए, समाज का सम्मान करना चाहिए और देश से प्रेम करना चाहिए।

इस कार्यक्रम में कागज नगर शहर के केरल इंग्लिश मीडियम स्कूल के छात्र विश्वजा, आसिफाबाद शहर के सेंट मैरी स्कूल की छात्रा संविका भरतनाट्यम, बरगुडा जिला परिषद हाई स्कूल, आसिफाबाद के छात्रों द्वारा आइडे मन इंडिया और आसिफाबाद शहर के प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास के छात्रों ने पारंपरिक गोंडी गीतों पर अपने नृत्य से सभी को प्रभावित किया। बाद में सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र दिये गये।

तेलंगाना के प्राचार्यों, शिक्षकों, छात्रों, अधिकारियों, सांस्कृतिक नेताओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

चेरलापल्ली स्थित शिखारा ट्रांक्विल सोसायटी चेरलापल्ली में ध्वजारोहण का कार्यक्रम आयोजित । इस अवसर पर इन्द्रपाल सैनी, विकास शर्मा, गौरव सैनी, प्रियंका सैनी, सुलोचना सैनी, गोपाल सैनी, सौरभ सैनी, रिया सैनी सहित समस्त सोसायटी के सदस्य उपस्थित रहे।

जिला एसपी नितिका पंत ने नगरपालिका चुनाव नामांकन केंद्र का निरीक्षण किया

आसिफाबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कल से शुरू होने वाले नगरपालिका चुनाव नामांकन के अवसर पर एसपी नितिका पंत ने आसिफाबाद जिला केंद्र में नगरपालिका चुनाव नामांकन केंद्र का निरीक्षण किया।

एसपी ने बताया कि नामांकन केंद्रों पर सभी व्यवस्थाएं पूरी हैं और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस की पुख्ता व्यवस्था की गयी है. केंद्रों पर पुलिस को सलाह दी जाती है कि वे चुनाव नियमों के अनुसार 100 मीटर की दूरी के नियमों का पालन करें और बिना अनुमति के किसी को भी अनुमति न दी जाए। यह स्पष्ट कर दिया गया है कि उम्मीदवारों को चुनाव आचार संहिता का सख्ती से पालन करना होगा। एसपी के साथ सीआई बालाजी वरप्रसाद और आसिफाबाद के नगर आयुक्त भी थे।

ब्लड डोनेशन और शुगर, बीपी टेस्टिंग कैंप लगाया

कागज़नगर, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सुमित गुप्ता ने मारवाड़ी युवा मंच और जीवन धारा ब्लड बैंक के साथ मिलकर न्यूट्रिशन प्लस वेलनेस सेंटर के तहत सर सिल्क, कागजनगर कस्बे, कोमुरम भीम जिले में ब्लड डोनेशन और शुगर, बीपी टेस्टिंग कैंप लगाया। इसमें बीजेपी जिले के सीनियर लीडर डॉ. कोत्तापल्ली श्रीनिवास ने चीफ गेस्ट के तौर पर हिस्सा लिया और दीप जलाकर कैंप का उद्घाटन किया। बाद में उन्होंने कहा कि समाज में ब्लड डोनेशन से बड़ा कोई दान नहीं है। एक इंसान का डोनेट किया गया खून दूसरे की जान बचाता है। ऐसे कैंप बहुत फायदेमंद होते हैं, खासकर गरीब मरीजों के लिए जिन्हें इमरजेंसी में खून मिलने में दिक्कत होती है। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई गलतफहमी नहीं है कि ब्लड डोनेशन से सेहत खराब होगी।

गांववालों ने पानी की समस्या को हल करने के लिए पूर्व विधायक कोनेरू कोनप्पा से मुलाकात की

कागज़नगर, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सैंडगाम गांव में पीने के पानी की समस्या को हल करने के लिए गांववालों ने पूर्व विधायक कोनेरू कोनप्पा से मुलाकात की। आज सुबह 7 बजे कोनप्पा के घर पहुंची गांव की महिलाओं ने अपनी समस्याएं बताईं।

पूर्व विधायक कोनेरू कोनप्पा इस बात से हैरान थे कि महिलाएं इतनी सुबह इतनी दूर से यह मुद्दा उठाने आई थीं। गांववालों ने दुख जताया कि पिछले कुछ दिनों से पीने के पानी की कमी के कारण उन्हें गांव में बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, और इस मामले में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को कितनी भी बार बताने के बाद भी किसी ने कोई जवाब नहीं दिया।

आपको याद दिलाते हुए कि जब आप विधायक थे, तो आपके कहते ही समस्याएं हल हो जाती थीं, उन्होंने आपसे अब पानी की समस्या को भी हल करने के लिए कहा। इस प्रोग्राम में संदगाम गांव के पूर्व सरपंच दामोदर और कोटवालु वाडा के लोगों ने हिस्सा लिया।

कोनेरू कोनप्पा ने गांववालों की समस्या को ध्यान से सुना और तुरंत संबंधित अधिकारियों से बात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि वह पीने के पानी की समस्या को हल करने के लिए कदम उठाएंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दस दिनों के अंदर समस्या हल हो जाएगी, और अगर तब तक समस्या हल नहीं हुई, तो वह खुद संदगाम गांव आएंगे।

केवल मान्यता प्राप्त पत्रकारों को अनुमति : प्रियंका

आसिफाबाद , 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केवल पत्रकार जिनके पास सूचना नागरिक संबंध विभाग से आधिकारिक मान्यता कार्ड हैं, उन्हें अपने वाहनों पर प्रेस लिखने की अनुमति है, प्रचार नागरिक संबंध आयुक्त प्रियंका ने एक बयान में कहा।

गैर मान्यता प्राप्त व्यक्तियों/अन्य संस्थाओं द्वारा वाहनों पर 'प्रेस' लिखना मोटर वाहन अधिनियम के विरूद्ध है। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन कर अनाधिकृत तरीके से 'प्रेस' स्टिकर का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जायेगी. यह सुझाव दिया गया है कि संबंधित पत्रकारों को क्षेत्र में अपने कर्तव्यों का पालन करते समय सरकार द्वारा जारी मान्यता कार्ड रखना होगा। वाहनों पर अनधिकृत 'प्रेस' स्टिकर का पता लगाने के लिए निरीक्षण किया जाएगा।

प्रो रेसलिंग लीग 2026 : कप्तान युई सुसाकी के नेतृत्व में हरियाणा थंडर्स आई शीर्ष पर

नोएडा, 27 जनवरी (एजेंसियां)। प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 में हरियाणा थंडर्स की शानदार सफलता के पीछे कप्तान युई सुसाकी की दमदार अगुवाई सबसे बड़ी वजह बनकर उभरी है। जापान की स्टार पहलवान ने न सिर्फ मैट पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है, बल्कि एक प्रेरक कप्तान के रूप में टीम को एकजुट रखते हुए अंक तालिका में शीर्ष स्थान तक पहुंचाया है।

तेज रफ्तार और लगातार मुकाबलों वाली इस लीग में सुसाकी ने नियमित प्रतिस्पर्धा की चुनौती को पूरी तरह अपनाया है। उनका मानना है कि लगातार मैच खेलने से लय बनी रहती है और इसका असर उनके प्रदर्शन में साफ दिखा है।

सुसाकी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, प्रो रेसलिंग लीग मेरे लिए एक अच्छा अनुभव है क्योंकि इस लीग में मुझे कई बार मुकाबला लड़ने का मौका मिलता है।

मैट पर उनका अंदाज सटीक और प्रभावशाली रहा है। सीजन के एक मुकाबले में उन्होंने एक मिनट से भी कम समय में जीत दर्ज कर अपनी ताकत और तकनीक का परिचय दिया। हालांकि, कप्तान के तौर पर उनका फोकस व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा टीम की सफलता पर रहा है।

उन्होंने कहा, मैं इस लीग में खेलकर बहुत उत्साहित हूं। मैं अपनी टीम, मालिकों और कोच के लिए खेल रही हूं। यह सिर्फ मेरे लिए नहीं, बल्कि हम सबके लिए है।

हरियाणा थंडर्स ने सीजन की शुरुआत लगातार दो जीत के साथ की थी। तीसरे मुकाबले में मिली हार के बाद भी टीम ने शानदार वापसी करते हुए फिर से लय पकड़ी और तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। इस पूरे सफर में सुसाकी का शांत और संतुलित नेतृत्व टीम के लिए मजबूत सहारा बना रहा।

टीम के माहौल को लेकर सुसाकी ने कहा, हमारी टीम बहुत मजबूत, खुशमिजाज और दोस्ताना है। हमारे बीच बेहतरीन तालमेल है, जो मैदान पर भी नजर आता है।

मैदान के बाहर भी युई सुसाकी भारत में अपने समय का भरपूर आनंद ले रही हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति और खानपान की तारीफ करते हुए कहा, भारत में मेरा समय बहुत अच्छा बीत रहा है। मुझे भारतीय खाना बहुत पसंद है, खासकर करी।

जैसे-जैसे प्रो रेसलिंग लीग 2026 निर्णायक दौर की ओर बढ़ रही है, हरियाणा थंडर्स मजबूत दावेदार के रूप में सामने आ रही है। कप्तान युई सुसाकी के नेतृत्व में टीम खिताब की दौड़ में मजबूती से बनी हुई है।

न्यूज ब्रीफ

काली पट्टी बांधकर खेलें पाक खिलाड़ी : बासित अली

कराची। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने कहा है पाकिस्तान टीम अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट में विरोध प्रदर्शन के लिए काली पट्टी बांधकर खेले। बासित ने कहा कि मैच के बहिष्कार की मांग सही नहीं है, इससे हमें ही नुकसान होगा। राय दी है। इसी जगह पाक टीम को खेलना चाहिये पर काली पट्टी बांधकर। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा है कि क्रिकेट अब केवल जेंटलमैन गेम नहीं रह गया है, बल्कि इसका पूरी तरह से राजनीतिकरण हो गया है। वहीं बहिष्कार की बातों को बेतुका बताते हुए उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान को बहिष्कार ही करना है, तो पहले ही इसकी घोषणा कर देनी थी। बासित के अनुसार यदि विरोध इतना ही अधिक है तो टी20 विश्वकप से पहले 1 फरवरी को होने वाले अंडर-19 विश्व कप के भारत-पाकिस्तान मैच से ही बहिष्कार करना चाहिये। बासित ने कहा कि बांग्लादेश ने विश्वकप में नहीं खेलने का फैसला कर गलती की है। इससे खेल का नुकसान हुआ है। क्रिकेट जगत के हाल के कुछ फैसलों को उन्होंने खेल के भविष्य के लिए खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के बहिष्कार के फैसलों का आने वाले समय में प्रभाव नजर आयेगा।

तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन ने प्रोफेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज और बिग बैश लीग (बीबीएल) के दिग्गज केन रिचर्डसन ने प्रोफेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। 17 साल लंबे अपने शानदार करियर के बाद रिचर्डसन ने क्रिकेट को अलविदा कहा। उन्होंने यह ऐलान सोमवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए किया। केन रिचर्डसन बिग बैश लीग के इतिहास में सबसे सफल गेंदबाजों में से एक रहे हैं। वह 15 सीज़न में 142 विकेट लेकर बीबीएल के पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पुरुष गेंदबाज के रूप में अपने करियर का अंत कर रहे हैं। उन्होंने एडिलेड स्ट्राइकर्स, मेलबर्न रेनेगेड्स और सिडनी सिक्सर्स की ओर से खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिचर्डसन ने आस्ट्रेलिया के लिए 25 वनडे और 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। वह 2021 टी20 विश्व कप जीतने वाली आस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा थे। इसके अलावा, उन्होंने 8 में मेलबर्न रेनेगेड्स की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। रिचर्डसन ने अपना टी20 करियर 2009 में साउथ आस्ट्रेलिया के लिए उस समय शुरू किया था, जब बिग बैश राज्य आधारित टूर्नामेंट के रूप में खेला जाता था। बाद में उन्होंने बीबीएल 01 में एडिलेड स्ट्राइकर्स के पहले ही मुकाबले में डेब्यू किया। स्ट्राइकर्स के लिए उन्होंने छह सीज़न में 36 मैच खेले, इसके बाद बीबीएल 07 में वह मेलबर्न रेनेगेड्स से जुड़ गए। मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए केन रिचर्डसन बीबीएल इतिहास के सबसे सफल पुरुष गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने 80 मैचों में 104 विकेट झटके, जो किसी भी रेनेगेड्स गेंदबाज द्वारा सबसे अधिक हैं। अपने करियर के अंतिम चरण में, लगातार चोटों से जूझते हुए, 34 वर्षीय रिचर्डसन ने बीबीएल 15 में सिडनी सिक्सर्स के लिए खेलते हुए दो मैचों के साथ अपना करियर समाप्त किया। घरेलू क्रिकेट में उन्होंने 34 फर्स्ट क्लास मैचों में 102 विकेट लिए, जबकि 98 लिस्ट-ए मुकाबलों में उनके नाम 153 विकेट दर्ज हैं। कुल मिलाकर, रिचर्डसन ने 201 टी20 मैच खेले, जिसमें उनका करियर उन्हें दुनिया भर में ले गया। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु, राजस्थान रायल्स और पुणे वारियर्स के लिए खेला।

सैमसन पारी की पहली ही गेंद पर आउट होने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने

गुवाहाटी। भारतीय टीम ने यहां हुए तीसरे टी20 मैच में भी मेहमान टीम न्यूजीलैंड को हराकर पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने सीरीज तो कब्जे में कर ली है पर टी20 विश्व कप से ठीक पहले सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन के खराब फार्म से उसकी परेशानी बढ़ गयी है। सैमसन सीरीज में लगातार तीसरे मैच में विफल रहे हैं जबकि उन्हें टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया है। वह अब तक के तीनों की मैचों में विफल रहे हैं। इससे उनका करियर खतरे में आ गया है। तीसरे टीम में वह मैट हेनरी की पहली ही गेंद पर बोल्ड हो गये। वहीं वह इससे पहले दो मुकाबलों में भी कुल 16 रन ही बना पाए थे। पहले मुकाबले में उन्होंने 10 रन जबकि दूसरे में केवल 6 रन बनाये थे। इस प्रकार सैमसन पारी की पहली गेंद पर ही आउट होने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। इससे पहले केएल राहुल, पृथ्वी शा और रोहित शर्मा का नाम भी पारी की पहली कही गेंद पर आउट होने वाले बल्लेबाजों में शामिल हैं। सबसे पहले 2016 में राहुल जबकि 2021 में पृथ्वी और 2022 में रोहित पारी की पहली ही गेंद पर पेवेलियन लौटे। सैमसन ने पिछली 9 पारियों में केवल 104 रन बनाए हैं। उनका औसत 11.55 रहा है और उनका सबसे अधिक स्कोर 37 रन रहा है।

अभिषेक शर्मा से भी ज्यादा खतरनाक कौन आकाश चोपड़ा ने लिया बड़ा नाम

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। अभिषेक शर्मा इस समय वर्ल्ड क्रिकेट के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में गिने जा रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में उन्होंने महज 14 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और 20 गेंदों पर 68 रन ठोककर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी का शानदार नमूना पेश किया। इस पारी में उनका स्ट्राइक रेट 340 का रहा, जिसने क्रिकेट जगत को चौंका दिया। अभिषेक की इस तूफानी पारी के बाद उन्हें मौजूदा दौर का सबसे खतरनाक बल्लेबाज कहा जाने लगा है। हालांकि, भारत के पूर्व टेस्ट ओपनर और मौजूदा क्रिकेट कमेंटेटर आकाश चोपड़ा इस राय से पूरी तरह सहमत नजर नहीं आए। आकाश चोपड़ा ने हाल ही में एक वीडियो में अभिषेक शर्मा से भी ज्यादा खतरनाक बल्लेबाज का नाम बताया। इस वीडियो में आकाश चोपड़ा से कहा गया था कि अगर उन्हें लगता है कि कोई बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से ज्यादा विस्फोटक है, तो उसका नाम लें, वरना चुप रहें। इस दौरान उनसे मिचेल मार्श, फिन एलेन, सुरेश रैना, फाफ डुप्लेसी, डेविड वार्नर, निकोलस पूरन, हेनरिक क्लासेन, ट्रैविस हेड, सूर्यकुमार यादव, एडम गिलक्रिस्ट, वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा, एबी डिविलियर्स और क्रिस गेल जैसे दिग्गज बल्लेबाजों के नाम लिए गए। इन तमाम नामों पर आकाश चोपड़ा खामोश रहे, लेकिन जैसे ही क्रिस गेल का नाम सामने आया, उन्होंने अपनी चुप्पी तोड़ दी। आकाश चोपड़ा ने क्रिस गेल को अभिषेक शर्मा से भी ज्यादा खतरनाक और बेखौफ बल्लेबाज बताया। उन्होंने कहा कि यूनिवर्स बास क्रिस गेल ने यह कारनामा बहुत लंबे समय तक किया है, शायद एक दशक से भी ज्यादा समय तक। आकाश के मुताबिक, भविष्य में अभिषेक शर्मा क्रिस गेल से भी आगे निकल सकते हैं, लेकिन मौजूदा तुलना में गेल का प्रभाव और डर कहीं ज्यादा रहा है। क्रिस गेल भले ही अब इंटरनेशनल या प्रोफेशनल क्रिकेट में सक्रिय नहीं हैं, लेकिन एक दौर ऐसा था जब वह अकेले दम पर मैच का रुख पलट दिया करते थे। उनकी बल्लेबाजी के सामने गेंदबाज बेबस नजर आते थे और विरोधी टीम पर दबाव साफ दिखता था। टी20 क्रिकेट में उनसे ज्यादा खतरनाक बल्लेबाज उस समय शायद ही कोई रहा हो। वहीं अभिषेक शर्मा की बात करें तो पिछले मैच में वह पहली गेंद पर छक्का लगाने के प्रयास में आउट हो गए थ।

युजवेंद्र चहल की पर्सनल लाइफ फिर चर्चा में, शेफाली बग्गा संग वीडियो वायरल

नई दिल्ली। टीम इंडिया के स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल एक बार फिर क्रिकेट नहीं, बल्कि अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। मैदान से दूर इन दिनों चहल का नाम लगातार उनकी पर्सनल लाइफ से जुड़ी खबरों में सामने आ रहा है। हाल ही में उनकी कथित गर्लफ्रेंड आरजे महवश के साथ ब्रेकअप की चर्चाएं तेज हो गई हैं। दोनों ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफालो कर दिया है, जिसके बाद से उनके रिश्ते को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। इसी बीच अब युजवेंद्र चहल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह बिग बास की एक्स कंटेस्टेंट शेफाली बग्गा के साथ नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो में चहल और शेफाली को डिनर डेट के बाद एक रेस्त्रां से बाहर निकलते हुए देखा जा सकता है। शुरुआत में चहल ने अपने चेहरे पर मास्क लगाया हुआ था, लेकिन जैसे ही कैमरों की नजर उन पर पड़ी, उन्होंने मास्क हटाकर चेहरा दिखाया। वहीं शेफाली बग्गा कैमरे के सामने मुस्कुराती हुई दिखाई दीं। इस वीडियो के सामने आते ही सोशल मीडिया पर चर्चाएं शुरू हो गईं कि क्या चहल की जिंदगी में किसी नई शख्सियत की एंट्री हो चुकी है। आरजे महवश के साथ अनफालो करने के बाद मामला और तब सुर्खियों में आ गया, जब महवश ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक क्रिप्टिक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उन्होंने बिना किसी का नाम लिए अपनी नाराजगी जाहिर की। महवश ने कहा कि पहले इंसान को खुद को ठीक करना चाहिए, तभी कोई रिश्ता आगे बढ़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि वह अब किसी को समझाने की स्थिति में नहीं हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद यह कयास और मजबूत हो गए कि चहल और महवश के रिश्ते में वाकई दरार आ चुकी है। शेफाली बग्गा के साथ चहल के स्पाट होने के बाद इन चर्चाओं को और हवा मिल गई है। कई लोगों का मानना है कि अब चहल और महवश के बीच कुछ भी पहले जैसा नहीं बचा है। गौरतलब है कि पिछले साल युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक के बाद आरजे महवश अचानक लाइमलाइट में आ गई थीं। चैंपियंस ट्राफी के दौरान महवश को चहल के साथ स्टेडियम में देखा गया था।

आस्ट्रेलियन ओपन 2026 ज्वेरेव ने टीन को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

मेलबर्न, 27 जनवरी (एजेंसियां)। जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने मंगलवार को आस्ट्रेलियन ओपन 2026 के क्वार्टरफाइनल में कड़ी चुनौती का सामना करते हुए अमेरिका के लर्नर टीन को 6-3, 6-7(5), 6-1, 7-6(3) से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ ज्वेरेव एक बार फिर टूर्नामेंट के फाइनल की ओर कदम बढ़ाते नजर आ रहे हैं।

तीसरी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव, जो पिछले साल यानिक सिनर के खिलाफ उपविजेता रहे थे, अब सेमीफाइनल में कार्लोस अल्काराज और एलेक्स डी मिनार के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। यह आस्ट्रेलियन ओपन में उनका चौथा सेमीफाइनल होगा।

मैच की शुरुआत में ज्वेरेव ने पहला सेट अपने नाम किया। पहले सेट के छठे गेम में उन्हें अहम ब्रेक मिला, जब 20 वर्षीय टीन का क्रास-कोर्ट बैकहैंड शाट लाइन से बाहर चला गया। इससे ज्वेरेव को बढ़त मिल गई और उन्होंने पहला सेट 6-3 से जीत लिया।

दूसरा सेट बेहद कड़ा रहा और दोनों खिलाड़ियों के बीच कोई खास अंतर देखने को नहीं मिला। यह सेट टाईब्रेक तक गया, जहां टीन ने शानदार पासिंग शाट लगाकर सेट प्वाइंट हासिल किया और उसे भुनाते हुए 7-6(5) से सेट जीत लिया। हालांकि तीसरे सेट में ज्वेरेव ने शानदार वापसी की। उन्होंने अपनी गलतियों पर काबू पाया और दो बार टीन की सर्विस तोड़ते हुए सेट को आसानी से 6-1 से अपने नाम कर लिया। चौथा सेट भी काफी रोमांचक रहा और दोनों खिलाड़ी अपनी सर्विस बचाते रहे। अंततः मुकाबला फिर से टाईब्रेक में पहुंचा, जहां ज्वेरेव ने दबदबा बनाते हुए 7-6(3) से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। मैच के बाद ज्वेरेव ने टीन की जमकर तारीफ करते हुए कहा, बेसलाइन से लर्नर अविश्वसनीय खेल रहे थे। काफी समय में मैंने किसी खिलाड़ी को इतना अच्छा खेलते नहीं देखा। मुझे नहीं पता कि आफ-सीजन में माइकल चांग ने उनके साथ क्या किया है, लेकिन उनका खेल शानदार है। आज मैं शायद अपने 20 ऐस के बिना यह मैच नहीं जीत पाता। मैं सेमीफाइनल में पहुंचकर बेहद खुश हूं।

अंडर-19 विश्व कप 2026 के प्लेआफ मुकाबले में अमेरिका ने स्कॉटलैंड को 7 विकेट से हराया

हरारे। अदनित झांब के नाबाद शतक से अमेरिका ने यहां हुए अंडर-19 विश्व कप 2026 के प्लेआफ मुकाबले में स्काटलैंड को 7 विकेट से हरा दिया। की। स्काटलैंड ने थियो राबिन्सन और ओली पिलिंगर की अच्छी बल्लेबाजी से इस मैच में टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए की 236 रन बनाये। राबिन्सन और ओली पिलिंगर की जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 9.2 ओवरों में 57 रन की साझेदारी की। ओली पिलिंगर 23 रन बनाकर आउट हुए जबकि राबिन्सन ने सबसे अधिक 83 रन बनाये। तीसरे नंबर पर उतरे रोरी ग्रांट ने 10 रन बनाये। राबिन्सन ने मनु सारस्वत के साथ तीसरे विकेट के लिए 89 रन बनाकर स्कोर को 164 तक पहुंचाया। मनु 41 रन बनाकर आउट हुए। बनाये। अमेरिका की ओर से ऋत्विक अप्पिडी ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए। रियान ताज ने 3 विकेट अपने नाम किये। उत्कर्ष श्रीवास्तव और शिव शनि को एक-एक विकेट मिला। इसके बाद अमेरिका ने जीत के लिए मिले 165 रनों के लक्ष्य को 38.4 ओवरों में ही हासिल कर लिया। साहिल गर्ग और अमरिंदर गिल की सलामी जोड़ी ने 8.2 ओवरों में ही 39 रन बना दिये। साहिल ने 16 रन जबकि अमरिंदर ने 35 रन बनाये।

फीफा विश्व कप 2030 का फाइनल स्पेन में होगा : आरएफईएफ अध्यक्ष राफेल लूजान

मैड्रिड, 27 जनवरी (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप 2030 का फाइनल मुकाबला स्पेन में खेला जाएगा। यह जानकारी रायल स्पेनिश फुटबाल फेडरेशन (आरएफईएफ) के अध्यक्ष राफेल लूजान ने सोमवार को दी। हालांकि फीफा ने अभी तक आधिकारिक तौर पर फाइनल के आयोजन स्थल की घोषणा नहीं की है।

स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को संयुक्त रूप से 2030 विश्व कप की मेजबानी करेंगे, लेकिन फाइनल मैच को लेकर लंबे समय से अटकलें चल रही थीं। मीडिया से बातचीत के दौरान राफेल लूजान ने साफ शब्दों में कहा, स्पेन विश्व कप की अगुवाई करेगा और फाइनल यहीं खेला जाएगा।

हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि फाइनल किस शहर या स्टेडियम में होगा।

स्पेनिश मीडिया में लंबे समय से रियल मैड्रिड के सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम को फाइनल के संभावित स्थल के रूप में देखा जा रहा है। हाल ही में इस स्टेडियम का नवीनीकरण किया गया है और यह बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार माना जाता है। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया था कि मोरक्को फाइनल की मेजबानी कर सकता है।

मोरक्को की योजना निर्माणाधीन हसन द्वितीय स्टेडियम में फाइनल कराने की थी। यह स्टेडियम 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है और इसकी प्रस्तावित क्षमता 1,15,000 दर्शकों की होगी, जो इसे दुनिया का सबसे बड़ा फुटबाल स्टेडियम बना देगा। लेकिन इसी महीने अफ्रीका कप आफ नेशंस के फाइनल के दौरान हुई अव्यवस्थाओं ने मोरक्को की छवि को नुकसान पहुंचाया, जिससे विश्व कप फाइनल की मेजबानी की उसकी संभावनाएं कमजोर पड़ गईं।

इसके अलावा बार्सिलोना का कैंप नोउ स्टेडियम भी हाल ही में रेनोवेशन के दौर से गुजरा है और वह भी फाइनल मुकाबले की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश कर सकता है।

गौरतलब है कि 2030 फीफा विश्व कप खास होगा, क्योंकि यह टूर्नामेंट के 100 साल पूरे होने का जश्न भी मनाएगा। इसी अवसर पर लैटिन अमेरिकी देश उरुग्वे, अर्जेंटीना और पैराग्वे भी एक-एक मुकाबले की मेजबानी करेंगे।

आस्ट्रेलियन ओपन 2026: सबालेंका ने जोविच को सीधे सेटों में हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

मेलबर्न, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

टाप सीड आर्यना सबालेंका ने आस्ट्रेलियन ओपन 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को 18 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी इवा जोविच को 6-3, 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भीषण गर्मी से प्रभावित इस मुकाबले में सबालेंका ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा।

यह मैच रोड लेवर एरिना में खेला गया, जहां शुरुआत में छत खुली रखी गई थी। मेलबर्न में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की चेतावनी के बीच यह फैसला लिया गया।

हालांकि, इसके बाद खेले गए पुरुष क्वार्टरफाइनल मुकाबले से पहले छत बंद कर दी गई।

सबालेंका ने पहले सेट में 3-0 की बढ़त बनाते हुए मुकाबले पर पकड़ मजबूत कर ली। हालांकि 29वीं वरीय जोविच ने हार नहीं मानी और नौवें गेम में तीन ब्रेक प्वाइंट हासिल किए। यह गेम करीब 10 मिनट तक चला, लेकिन सबालेंका ने संयम बनाए रखते हुए पहला सेट अपने नाम किया।

दूसरे सेट में सबालेंका पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने दो बार सर्विस ब्रेक करते हुए 5-0 की बढ़त बना ली और युवा अमेरिकी खिलाड़ी की वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया। जोविच ने इस दौरान कुछ गैरजरूरी गलतियां भी कीं, जिसमें ब्रेक प्वाइंट पर किया गया डबल फाल्ट अहम रहा।

अंतिम गेम में सबालेंका ने ब्रेक प्वाइंट पर एक ऐस लगाया और फिर मैच प्वाइंट पर एक और ऐस के साथ मुकाबला खत्म कर दिया। उन्होंने पूरे मैच में पांचों ब्रेक प्वाइंट बचाए और कुल सात ऐस लगाए।

मैच के बाद सबालेंका ने कहा

पिछले कुछ राउंड में इन किशोर खिलाड़ियों ने मुझे काफी चुनौती दी है। स्कोरलाइन देखकर मत सोचिए कि मैच आसान था। उसने बेहतरीन टेनिस खेला और मुझे अपना स्तर और ऊपर उठाना पड़ा।

सबालेंका आस्ट्रेलियन ओपन का खिताब 2023 और 2024 में जीत चुकी हैं, जबकि पिछले साल उन्हें फाइनल में मैडिसन कीज़ से हार का सामना करना पड़ा था। इस बार कीज़ पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं।

इवा जोविच कैलिफोर्निया में जन्मी हैं। उनके पिता सर्बिया और मां क्रोएशिया से हैं। उन्हें सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच से भी मार्गदर्शन मिलता रहा है।

अब सेमीफाइनल में सबालेंका का सामना कोको गाफ और एलिना स्वितोलिना के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा।

महिंद्रा थार राक्स स्टार एडिशन की डिजाइन का लान्च से पहले खुलासा

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। हाल ही में स्वदेशी कंपनी महिंद्रा की अपकमिंग थार रा क्स स्पेशल एडिशन को एक डीलर यार्ड में देखा गया है। इस वजह से कार की आधिकारिक ला न्च से पहले ही डिजाइन और अहम डिटेल्स सामने आ गई हैं। कंपनी ने 2026 के लिए एक नए रा क्स वैरिएंट को टीज किया था।

ताजा स्पाई तस्वीरों से साफ हो गया है कि यह कोई मैकेनिकल अपडेट नहीं, बल्कि एक का स्मेटिक स्पेशल एडिशन है, जिसमें ब्लैक-आउट थीम को खास तौर पर प्राथमिकता दी गई है। लीक हुई तस्वीरों के मुताबिक, इस नए वैरिएंट को थार रा क्स स्टार एडिशन कहा जाएगा और यह एएक्स7 एल ट्रिम पर आधारित होगा।

थार रा क्स स्टार एडिशन में सबसे बड़ा बदलाव इसके एक्सटीरियर में देखने को मिलता है। एसयूवी में ब्लैक एला य व्हील्स दिए गए हैं, जो स्टैंडर्ड रा क्स वैरिएंट में मिलने वाले डुअल-टोन या मेटैलिक फिनिश व्हील्स की जगह लेते हैं। स्टील्थ ब्लैक एक्सटीरियर कलर के साथ इसका लुक ज्यादा अग्रेसिव और यूनिफा र्म नजर आता है। ग्रिल, बंपर और लाइटिंग सेटअप जैसे अन्य बाहरी एलिमेंट्स में भी हल्के का स्मेटिक बदलाव दिखते हैं, जिससे साफ है कि महिंद्रा ने इस स्पेशल एडिशन में डिजाइन को और बोल्ड बनाने पर फोकस किया है।

इंटीरियर की बात करें तो एएक्स7 एल आधारित इस एडिशन में ब्लैक थीम वाला केबिन देखने को मिलता है। इसमें ब्लैक डैशबोर्ड, ब्लैक लेदरेट सीट अपहोल्स्ट्री और डार्क ट्रिम्स शामिल हैं। हालांकि, पूरी तरह से ब्लैक-आउट फील से बचने के लिए बेज रूफ लाइनर और डोर पैनल के कुछ हिस्सों को बरकरार रखा गया है, जिससे केबिन में डुअल-टोन कंट्रास्ट बनता है। यह इसे रेगुलर आइवरी व्हाइट और मोचा ब्राउन इंटीरियर से अलग पहचान देता है। पहले जारी टीजर से भी संकेत मिल चुका है कि थार रा क्स स्टार एडिशन कोई फेसलिफ्ट नहीं है और इसमें पावरट्रेन या फीचर लिस्ट में बदलाव नहीं किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

वोक्सवैगन टेरान आर-लाइन पहली तिमाही में होगी लान्च

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में वोक्सवैगन इंडिया ने प्रीमियम एसयूवी टेरा न आर-लाइन की लोकल असेंबली शुरू करने की घोषणा कर दी है। प्रोडक्शन शुरू होने के बाद इस 7-सीटर एसयूवी को 2026 की पहली तिमाही में भारतीय बाजार में ला न्च किया जाएगा। इससे पहले टेरा न आर-लाइन को चुनिंदा डिटेल्स और आधिकारिक तस्वीरों के जरिए पेश किया जा चुका है। भारतीय पोर्टफोलियो में यह वोक्सवैगन की अब तक की सबसे प्रीमियम एसयूवी होगी, जो फीचर्स, सेफ्टी और परफा र्मेंस के मामले में ब्रांड की ग्लोबल-फर्स्ट रणनीति को दर्शाती है। डिजाइन की बात करें तो टेरा न आर-लाइन का लुक मस्कुलर और बोल्ड है। इसमें क्लीन बा डी सर्फेसिंग, फ्रंट और रियर में खास लाइट सिग्नेचर और स्पोर्टी आर-लाइन पैकेज दिया गया है। बड़े 19-इंच कोवेंट्री एला य व्हील्स इसे और आकर्षक बनाते हैं। सेफ्टी के मोर्चे पर यह एसयूवी पहले ही 5-स्टार यूरो एनकेप रेटिंग हासिल कर चुकी है और यूरोप में इसे गोल्डन स्टीयरिंग व्हील 2025 अवा र्ड से भी सम्मानित किया गया है। केबिन में ड्राइवर-ओरिएंटेड लेआउट देखने को मिलता है, जिसमें फ्लोटिंग 15-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रा यड आ टो को सपोर्ट करता है। 2,789 मिमी व्हीलबेस के चलते तीनों रो में पर्याप्त जगह मिलती है।

इलेक्ट्रिक एसयूवी नेक्सन ईवी 45 के लिए दो नए कलर ऑप्शन पेश

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी नेक्सन ईवी 45 के लिए टाटा मोटर्स ने दो नए कलर ऑप्शन पेश किए हैं। नए कलर जोड़ने के अलावा नेक्सन ईवी के फीचर्स या मैकेनिकल सेटअप में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कंपनी ने इसे प्योर ग्रे और ओशन ब्लू रंगों में उतारा है, जो केवल डुअल-टोन स्कीम में उपलब्ध होंगे। इन दोनों रंगों के साथ ब्लैक रूफ दिया गया है, जिससे कार का लुक और ज्यादा प्रीमियम नजर आता है। इसकी एक्स-शोरूम कीमतें 12.49 लाख रुपये से शुरू होकर 17.49 लाख रुपये तक जाती हैं, जबकि 45 केडब्ल्यूएच बैटरी वर्जन की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 13.99 लाख रुपये रखी गई है। नेक्सन ईवी ने दिसंबर 2025 में 1 लाख यूनिट की बिक्री का अहम आंकड़ा पार कर लिया है, जो भारतीय इलेक्ट्रिक व्हीकल बाजार के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। साल 2020 में जब नेक्सन ईवी को लॉन्च किया गया था, उस समय भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों को लेकर कई तरह की आशंकाएं थीं। सीमित ड्राइविंग रेंज, ज्यादा शुरुआती कीमत और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी जैसे मुद्दों के कारण ईवी को एक निच प्रोडक्ट माना जाता था। टाटा मोटर्स ने व्यावहारिक रेंज, प्रतिस्पर्धी कीमत और मजबूत वारंटी सपोर्ट के जरिए इन चुनौतियों को काफी हद तक दूर किया।

सब्सक्रिप्शन के लिए ला न्च हुआ कस्तूरी मेटल का आईपीओ , तीन फरवरी को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

स्टील फाइबर प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी कस्तूरी मेटल कंपोजिट लिमिटेड का 17.61 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए ला न्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 29 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 30 जनवरी को शेयरों का अला टमेंट किया जाएगा, जबकि दो फरवरी को अला टेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर तीन फरवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफा र्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 61 रुपये से लेकर 64 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि ला ट साइज 2,000 शेयर का है। कस्तूरी मेटल कंपोजिट लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो ला ट में चार हजार शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,56,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 27.52 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले यानी पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 23 जनवरी को कस्तूरी मेटल कंपोजिट लिमिटेड ने चार एंकर इनवेस्टर्स से पांच करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में एलआरएसडी सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, राजस्थान ग्लोबल सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, टाइगर स्ट्रेटजिक फंड और इनोवेटिव विजन फंड जैसे प्रमुख नाम एंकर बुक में शामिल हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.38 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.28 प्रतिशत हिस्सा, ना न इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.32 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5.01 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं हेम फिनलीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रा स्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.49 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.35 करोड़ रुपये हो गया। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ घट कर 2.07 करोड़ रुपये रह गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 तक की अवधि में कंपनी को 2.47 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 37.37 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 50.20 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 57.22 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 तक की अवधि में कंपनी को 32.29 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 9.78 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 11.83 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 13.15 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 14.28 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था।

इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में मामूली उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 6.24 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 11.28 करोड़ रुपये हो गया। वहीं 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस मामूली गिरावट के साथ 10.12 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 तक ये 12.55 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमा र्टाइजेशन) 2022-23 में 3.97 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 5.40 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 5.69 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 तक ये 4.80 करोड़ रुपये के स्तर पर रहा।

हुंडई आई10 यूरोप और यूके में हमेशा के लिए बंद

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। हुंडई ने अपनी पा पुलर एंट्री-लेवल कार हुंडई आई10 को यूरोप और यूनाइटेड किंगडम में हमेशा के लिए बंद कर दिया है। हालांकि कंपनी ने आई10 का प्रोडक्शन रोक दिया है, लेकिन कुछ सीमित यूनिट्स अभी भी यूरोप और यूके की डीलरशिप पर उपलब्ध हो सकती हैं। बताया जा रहा है कि हुंडई अब इस मा डल के लिए कोई नया आ र्डर स्वीकार नहीं कर रही है। यानी मौजूदा स्टा क खत्म होते ही यह कार इन बाजारों से पूरी तरह गायब हो जाएगी। कड़े एमिशन नियमों के चलते इस कार को नए मानकों के मुताबिक अपडेट करना कंपनी के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद नहीं रह गया था। हुंडई आई10 का प्रोडक्शन तुर्की में स्थित कंपनी के प्लांट में किया जाता था। अब इस मैन्युफैक्चरिंग यूनिट को आने वाले समय में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के उत्पादन के लिए अपग्रेड किया जाएगा।

यह फैसला हुंडई की उस ग्लोबल रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत कंपनी अपने पोर्टफोलियो में इलेक्ट्रिफिकेशन को तेजी से बढ़ाना चाहती है। आने वाले वर्षों में हुंडई यूरोप में ज्यादा से ज्यादा ईवी और हाइब्रिड मा डल पेश करने पर फोकस कर रही है। भारत की तरह ही यूरोप और यूके में भी हुंडई द्व10 काफी लोकप्रिय रही है। यूके में इस कार को पहली बार साल 2008 में ला न्च किया गया था। इसके बाद से आई 10 ने एंट्री-लेवल कार सेगमेंट में मजबूत पकड़ बनाई। अब तक यूके में इसकी कुल बिक्री 3.7 लाख यूनिट्स से ज्यादा हो चुकी है। इसी वजह से आई 10 को वहां की सबसे ज्यादा बिकने वाली छोटी कारों में गिना जाता रहा है। बावजूद इसके, बदलते एमिशन नियमों और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर बढ़ते कदमों ने इस पा पुलर कार की विदाई तय कर दी।

मालूम हो कि दुनिया के कई देशों में एमिशन ना र्म्स लगातार सख्त किए जा रहे हैं और इन्हें पहले से ज्यादा कड़ाई के साथ लागू भी किया जा रहा है। ऐसे में इन नियमों का पालन करना कार निर्माताओं के लिए लगातार महंगा साबित हो रहा है। इसी वजह से कई आ टोमोबाइल कंपनियां खासतौर पर विकसित बाजारों में पेट्रोल और डीजल कारों की बजाय पूरी तरह इलेक्ट्रिक या हाइब्रिड वाहनों की ओर तेजी से बढ़ रही हैं। इस बदलाव का असर अब हुंडई आई10 पर भी साफ तौर पर देखने को मिला है।

सितंबर 2026 में लांच हो सकती है आईफोन 18 सीरीज

नई दिल्ली। एप्पल कंपनी सितंबर 2026 में आईफोन 18 सीरीज को लॉन्च कर सकती है, जिसमें सबसे पहले आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स को पेश किए जाने की संभावना है। यह सीरीज डिजाइन, परफॉर्मेंस और टेक्नोलॉजी के मामले में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव लेकर आ सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार आईफोन 18 प्रो सीरीज में एप्पल का नया और पावरफुल ए20 प्रो चिपसेट दिया जा सकता है, जो परफॉर्मेंस और एनर्जी एफिशिएंसी दोनों में बड़ा सुधार करेगा। यह नया प्रोसेसर न सिर्फ हाई-एंड गेमिंग और मल्टीटास्किंग को स्मूद बनाएगा, बल्कि बैटरी लाइफ को भी बेहतर करने में अहम भूमिका निभा सकता है। इसके साथ ही फोन में एलटीपीओ प्लस अमोलेड डिस्प्ले मिलने की उम्मीद है, जो बेहतर रिफ्रेश रेट मैनेजमेंट के जरिए कम बैटरी खपत के साथ शानदार विजुअल एक्सपीरियंस देगा। डिजाइन के मोर्चे पर भी एप्पल कुछ बड़ा बदलाव कर सकता है। कहा जा रहा है कि आईफोन 18 प्रो और प्रो मैक्स में अंडर डिस्प्ले फेस आईडी टेक्नोलॉजी देखने को मिल सकती है, जिससे फ्रंट स्क्रीन और ज्यादा क्लीन और सिमलेस नजर आएगी। डायनामिक इसलेंड को या तो और छोटा किया जा सकता है या फिर उसके डिजाइन में बदलाव किया जा सकता है। स्क्रीन के अंदर कैमरा और सेंसर सेटअप के कारण फोन का फ्रंट लुक पहले से ज्यादा प्रीमियम और मॉडर्न हो सकता है।

अचानक चांदी 25 हजार महंगी, सोना भी नए रिकार्ड पर

एमसीएक्स पर गोल्ड-सिल्वर ने बनाया लाइफटाइम हाई, निवेशकों में हलचल

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। सोना-चांदी की कीमतों में उछाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को कारोबार खुलते ही मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों कीमती धातुएं अपने-अपने नए लाइफटाइम हाई पर पहुंच गईं। चांदी की कीमत में एक झटके में 25 हजार रुपये प्रति किलो से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि सोना भी करीब 3700 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो गया। इस तेज उछाल ने निवेशकों और बाजार पर नजर रखने वालों को चौंका दिया है।

चांदी ने मचाया गदर

मंगलवार को 5 मार्च एक्सपायरी वाली चांदी खुलते ही 3,59,800 रुपये प्रति किलो के स्तर पर पहुंच गई, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे पहले बीते शुक्रवार को चांदी 3,34,699 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। यानी महज एक कारोबारी सत्र में इसमें 25,101 रुपये की जबरदस्त तेजी देखने को मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग बढ़ने और सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में चांदी की ओर बढ़ते रुझान ने इसकी कीमतों को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है।

सोने ने भी हाई बनाया

चांदी के साथ-साथ सोने ने भी दमदार छलांग लगाई। 5 फरवरी एक्सपायरी वाला सोना शुक्रवार के बंद भाव 1,56,037 रुपये प्रति 10 ग्राम की तुलना में तेजी के साथ खुला और देखते ही देखते 1,59,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिका र्ड स्तर पर पहुंच गया। यानी एक झटके में सोना 3,783 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो गया। साल के पहले दिन 1 जनवरी से अब तक सोने के वायदा भाव में कुल 24,016 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी दर्ज की जा चुकी है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार का असर

सोमवार को भारतीय कमोडिटी बाजार बंद था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने-चांदी में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। रिपोर्ट के मुताबिक, ग्लोबल मार्केट में सोना 5000 डा लर प्रति औंस के पार निकल गया, जिसका सीधा असर मंगलवार को घरेलू बाजार पर पड़ा। डा लर में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक अनिश्चितता और महंगाई की चिंताओं ने कीमती धातुओं की चमक और बढ़ा दी है।

निवेशकों में बढ़ी हलचल

बाजार जानकारों के अनुसार, मौजूदा हालात में सोना और चांदी सुरक्षित निवेश के रूप में निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं। हालांकि, इतनी तेज तेजी के बाद मुनाफावसूली की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

5 डीएसपी स्तर...

यू. वेंकन्ना बाबू: इंटेलिजेंस विभाग में कार्यरत रहे वेंकन्ना बाबू को अब इलंदू का नया एसडीपीओ नियुक्त किया गया है।बी. प्रकाश: साइबराबाद में एसीपी (विशेष शाखा) के पद पर तैनात बी. प्रकाश का तबादला निजामाबाद (टाउन) के एसीपी के रूप में किया गया है।एल.आर. वेंकट रेड्डी: निजामाबाद (टाउन) के निवर्तमान एसीपी एल.आर. वेंकट रेड्डी को हैदराबाद स्थित डीजीपी कार्यालय में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है।

चुनाव पूर्व सुरक्षा व्यवस्था पर जोर

आदेशों में स्पष्ट किया गया है कि सभी अधिकारी अपनी नई पोस्टिंग पर कार्यभार संभालने के बाद अपनी जॉइनिंग रिपोर्ट मुख्यालय को भेजेंगे। नगर निकाय चुनावों की तारीखें नजदीक होने के कारण प्रशासन सुरक्षा और प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने में जुटा है, ताकि मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

तो बंद...

उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगले दो वर्षों में नालगोंडा का कायाकल्प हो जाएगा। उन्होंने कहा, मेरे व्यक्तिगत हस्तक्षेप से नालगोंडा को नगर निगम का दर्जा मिला है। निगम बनने से हमें केंद्र सरकार से सीधे धन मिल सकेगा। मैं अपने प्रभाव से केंद्र से 1,000 करोड़ से 2,000 करोड़ रुपये तक ला सकता हूँ।

जियो और...

आरेपल्ली मामले में पुलिस ने पहले ही ग्राम सरपंच, सचिव और अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 325 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम (पीसीए), 1960 की धारा 11(1)(ए) के तहत मामला दर्ज किया है।

पूरे राज्य में फैला आक्रोश, जांच जारी

इस महीने अब तक पूरे तेलंगाना में कथित तौर पर 1,000 से अधिक आवारा कुत्तों की हत्या की जा चुकी है। शिकायतों के अनुसार, इसमें कई सरपंच और वार्ड सदस्य शामिल हैं जिन्होंने हाल ही में संपन्न ग्राम पंचायत चुनावों के प्रचार के दौरान मकुत्तों और बंदरों के आतंकफसे मुक्ति दिलाने का वादा किया था। सामूहिक हत्याओं की ये घटनाएँ कामारेड्डी, जगतियाल, हनमकोंडा और रंगारेड्डी जिलों से सामने आई हैं, जिससे पशु प्रेमियों और आम जनता में भारी आक्रोश है।

पागल बताकर कुत्ते...

तो मैं मौके पर पहुंचा और उन्हें मारने से मना करने की कोशिश की। मैंने कुत्ते को पकड़ने की जिम्मेदारी ली ताकि उसे खतरे से बचाया जा सके, साई तेजा ने कहा। समूह में से एक व्यक्ति ने डीसीएम वाहन के नीचे छिपे कुत्ते को निशाना बनाया, जिससे उसे बाहर आना पड़ा। भागने की कोशिशरु करते समय, कुत्ते ने उस व्यक्ति को काट लिया और फिसलकर भाग गया। बाद में, आरोपियों ने कुत्ते को जाल में पकड़कर ले गए।

वाहन में ले जाकर जिंदा जलाया, मौके पर मिला शव

मैं उन लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रहा था जो एक वाहन में कुत्ते के साथ यहां से गए थे। कुछ समय बाद, मुझे सूचना मिली कि कुत्ते को आग लगाकर मार दिया गया है। तुरंत, मैं मौके पर पहुंचा और पाया कि कुत्ता मर चुका था, उन्होंने कहा।

यूजीसी...

कि नए नियम विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में उनके खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देंगे और इससे शैक्षणिक परिसरों में अराजकता का माहौल बन सकता है।

यूजीसी के नए नियम क्या हैं?

* हर विश्वविद्यालय और कॉलेज में समान अवसर केंद्र बनाना अनिवार्य
* समान अवसर केंद्र वंचित और पिछड़े छात्रों को अकादमिक, आर्थिक व सामाजिक सहायता देगा
* भेदभाव की शिकायतों की सुनवाई भी यही केंद्र करेगा
* हर संस्थान में समता समिति का गठन जरूरी
* समिति के अध्यक्ष विश्वविद्यालय/कॉलेज प्रमुख होंगे
* सदस्यों में वरिष्ठ प्रोफेसर, गैर-शिक्षक कर्मचारी और नागरिक समाज के प्रतिनिधि शामिल होंगे
* समिति में एससी/एसटी, ओबीसी, महिलाएं और दिव्यांग प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा
* समिति का कार्यकाल दो वर्ष का होगा
* हर संस्थान में इक्विटी स्क्वॉड बनाया जाएगा
* हर विभाग और हॉस्टल में इक्विटी एंबेसडर नामित किए जाएंगे
* सभी संस्थानों में 24 घंटे सक्रिय इक्विटी हेल्पलाइन अनिवार्य
* शिकायत के लिए ऑनलाइन पोर्टल बनाना होगा

पीड़ित छात्र ऑनलाइन पोर्टल, ई-मेल या समता समिति के समक्ष लिखित शिकायत कर सकता है। इक्विटी हेल्पलाइन पर कॉल कर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकेगी। शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

एक्शन की तय समय-सीमा

* शिकायत मिलने के 24 घंटे के भीतर बैठक अनिवार्य
* 15 दिन में जांच रिपोर्ट संस्थान प्रमुख को सौंपनी होगी
* रिपोर्ट मिलने के 7 दिन के भीतर कार्रवाई करनी होगी

नियम तोड़ने पर क्या सजा?

* यूजीसी की नेशनल मॉनिटरिंग कमेटी निरीक्षण कर सकती है
* विश्वविद्यालय या कॉलेज की ग्रांट रोकी जा सकती है
* डिग्री, ऑनलाइन और डिस्टेंस कोर्स पर रोक लग सकती है
* गंभीर मामलों में यूजीसी की मान्यता रद्द की जा सकती है
* आपराधिक मामला होने पर पुलिस को सूचना देना अनिवार्य

नए नियमों में झूठी शिकायत पर सजा का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है।

यदि शिकायतकर्ता फैसले से संतुष्ट नहीं है, तो वह 30 दिन के भीतर लोकपाल के पास अपील कर सकता है।

नियमों में एससी/एसटी,ओबीसी, महिलाएं और दिव्यांग शामिल हैं, लेकिन जनरल कैटेगरी को समिति में प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है। विरोधियों का कहना है कि जनरल कैटेगरी को केवल आरोपी माना गया है, पीड़ित नहीं।

फर्जी शिकायतों पर न जुर्माना है, न सजा। इससे नियमों के दुरुपयोग की आशंका जताई जा रही है।विरोध करने वालों का कहना है कि इतनी कम समय-सीमा में निष्पक्ष जांच संभव नहीं और जल्दबाजी में गलत फैसले हो सकते हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 28 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

माहेश्वरी विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मना 77वां गणतंत्र दिवस

विद्यार्थियों को मिला प्रेरणा और राष्ट्रनिर्माण का संदेश

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कबूतरखाना स्थित माहेश्वरी विद्यालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में ध्वज वंदन ट्रस्ट के चेयरमैन कन्हैयालाल लोहिया के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर मैनेजिंग ट्रस्टी रमेश कुमार बंग, करेस्पांडेंट श्याम बंग, वाइस चेयरमैन श्रीगोपाल बंग, विधि सलाहकार मुरलीनारायण बंग, सदस्य ओम करवा, एस.आई. प्रवीण कुमार सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

असफलता से घबराएं नहीं, उससे उबरना सीखें : लोहिया

इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए श्री कन्हैयालाल लोहिया ने कहा कि असफलता कोई मायने नहीं रखती, बल्कि यह मायने रखता है कि हम उस असफलता से कैसे उबरते हैं। कई बार प्रयास के बावजूद सफलता नहीं मिलती, लेकिन ऐसे में हमें अपने प्रयास छोड़ने नहीं चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि हमें जो कुछ भी बनना है, उसकी कल्पना आज से ही करनी चाहिए, क्योंकि कल्पना होगी तभी उसे पाने का प्रयास भी किया जाएगा। विद्यार्थियों के स्वर्णिम भविष्य की शुभकामनाओं के साथ उन्होंने अपना वक्तव्य संपन्न किया।

आप देश का भविष्य हैं : रमेश कुमार बंग

मैनेजिंग ट्रस्टी रमेश कुमार बंग ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों से कहा कि आप ही देश का भविष्य हैं। यदि आप अपना भविष्य मजबूत करेंगे तो परिवार, समाज, प्रदेश और देश का भविष्य भी मजबूत होगा।

उन्होंने कहा कि जीवन में आने वाली हर मुश्किल का सामना करना चाहिए और उन्हीं मुश्किलों के बीच अपनी राह बनानी चाहिए। जो लोग खुद अपनी राह बनाते हैं, उन्हें भविष्य में कभी मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ता

कम फीस में शिक्षा देना समाज सेवा : एस.आई. प्रवीण कुमार

एस.आई. प्रवीण कुमार ने कहा कि आज यहां उपस्थित होकर उन्हें अपना बचपन याद आ गया। उन्होंने विद्यालय के संचालकों को बधाई देते हुए कहा कि इतनी कम फीस पर विद्यालय का संचालन करना वास्तव में समाज के प्रति सच्ची सेवा है। इस अवसर पर श्री कन्हैयालाल लोहिया का सम्मान विद्यालय के शिक्षक महेश काबार द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती मोनिका ने किया।

महेश बैंक ने उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया 77वां गणतंत्र दिवस

वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी ने विकसित भारत के निर्माण में बैंकिंग की भूमिका पर डाला प्रकाश

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने समाज की सेवा के प्रति अपने उत्साह और प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए 77वां गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। एक प्रमुख मल्टी स्टेट शेड्यूल्ड बैंक के रूप में स्थापित महेश बैंक ने यह समारोह अपने मुख्यालय, हैदराबाद में आयोजित किया।

समारोह की शुरुआत वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। इस अवसर पर बैंक के डायरेक्टर सीए अल्का झँवर, दीपक कुमार बंग, कैलाश मंत्री, श्रीमती कविता तोष्णीवाल, पवन कुमार लोहिया, विनोद कुमार बंग, वी. अरविंद, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ जी. श्रीनिवास राव, जीएम, तथा बैंक के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान का आयोजन किया गया।

विकसित भारत के लक्ष्य में बैंकिंग क्षेत्र की अहम भूमिका

अपने मुख्य भाषण में वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी ने देश के स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और इस महत्वपूर्ण अवसर पर देशवासियों एवं बैंक के कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में बैंकिंग क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि नए बोर्ड के साथ सभी को मिलकर अपने प्रिय महेश बैंक को और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए, क्योंकि देश विकासशील राष्ट्र से विकसित राष्ट्र की ओर तेजी से अग्रसर है।

संविधान के मूल्यों और उत्कृष्ट सेवा की प्रतिबद्धता

समारोह का समापन भारतीय संविधान के मूल्यों को बनाए रखने की सामूहिक प्रतिज्ञा तथा ग्राहकों को ईमानदारी, पारदर्शिता और उत्कृष्टता के साथ सेवा देने की प्रतिबद्धता के साथ किया गया।

वर्तमान में महेश बैंक तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान ˉ इन चार राज्यों में 45 शाखाओं के नेटवर्क के साथ कार्यरत है। बैंक अपने मूल सिद्धांतों को बनाए रखते हुए, नवीनतम तकनीकी प्रगति के माध्यम से भविष्य के लिए स्पष्ट विजन के साथ सेवाएं प्रदान करने वाले संगठन के रूप में स्वयं को रूपांतरित कर रहा है। बैंक का कुल बिजनेस मिक्स वर्तमान में 2800 करोड़ रुपये है।

अन्नदान हमारी सनातन परंपरा : पन्नालाल अग्रवाल

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में भू देवी माता मंदिर के समीप गौशाला के सामने आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में सेवा और संस्कार की अनुपम मिसाल देखने को मिली। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पन्नालाल अग्रवाल ने कहा कि सनातन संस्कृति में अन्नदान का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है।

उन्होंने कहा कि अन्न केवल शरीर का पोषण नहीं करता, बल्कि मानवता, करुणा और सेवा भाव को भी सशक्त बनाता है। इसी कारण अन्नदान को महादान कहा गया है।

पन्नालाल अग्रवाल ने आगे कहा कि हमारी सनातन परंपरा समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण की भावना पर आधारित है और अन्नदान उसी भावना का सजीव स्वरूप है। उन्होंने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में भाईचारे, समरसता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को श्रद्धा एवं सेवा भाव से भोजन वितरित किया गया। अन्नदान में बड़ी संख्या में सेवाभावी नागरिकों ने सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, अनिल भाई, पन्नालाल जी, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, अर्चना शास्त्री एवं रेणु शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने इस पुनीत कार्य में सहयोग कर मानव सेवा का संदेश दिया।

यशोदा देवी नारायणदास असावा परिवार चैरिटेबल ट्रस्टफद्वारा मेलकोटे पार्क के पास, नारायणगुडा में आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर के अंतर्गत शिविरार्थियों को चश्मे वितरित करते हुए पार्षद लक्ष्मीरमण गौड़, महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग, ट्रस्टी लक्ष्मीनिवास असावा, कृष्णप्रकाश असावा, रविप्रकाश असावा, विष्णुप्रकाश असावा एवं अन्य गणमान्य नागरिक।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सहभागिता से नि:शुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सहभागिता से गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर निः शुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप क्षत्रिय राजपूत सभा कुतुब्बीगुड़ा द्वारा आयोजित सामाजिक एवं सामुदायिक कार्यक्रम के अंतर्गत संपन्न हुआ, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य जागरूकता एवं सेवा भावना को प्रोत्साहित करना रहा।

मेडिकल कैंप में विजय डायग्नोस्टिक के सहयोग से विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जाँच की गईं, जबकि गोयल फार्मा की ओर से आवश्यक दवाइयाँ निःशुल्क वितरित की गईं। बड़ी संख्या में नागरिकों ने इस सेवा का लाभ उठाया और इस जनहितकारी आयोजन की सराहना की।

इस अवसर पर क्षत्रिय राजपूत सभा की चेयरमैन पद्मिनी सिंह ठाकुर, वाइस प्रेसिडेंट एस. नरेंद्र सिंह एवं जनरल सेक्रेटरी संतोष सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान क्षत्रिय सभा कुतुब्बीगुड़ा की ओर से राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक रामप्रकाश अग्रवाल को शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही गोयल फार्मा की ओर से सुमन सिंह ठाकुर (एक्जीक्यूटिव) की गरिमामयी उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही।

माइनॉरिटी सेल के प्रेसिडेंट जाकिर शरीफ़ ने कागज़नगर म्युनिसिपल कमिश्नर तिरुपति से मुलाकात की

कागज़नगर, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आने वाले गर्मियों के मौसम को ध्यान में रखते हुए, पीने के पानी की सप्लाई और सफ़ाई के मुद्दों पर डिटेल में चर्चा हुई।

पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर और पूर्व विधायक कोनप्पा के राज में,केटीआर ने कागज़नगर म्युनिसिपैलिटी को स्पेशल ग्रांट और स्मार्ट सिटी फ़ंड देकर शहर के डेवलपमेंट के लिए काम किया।एसपीएम फ़ैक्टरी को फिर से खोलने के लिए पुर्व मुख्यमंत्री , केटीआर और कोनप्पा की कोशिशों से लोकल लोगों को रोज़गार मिला है।बीआरएस पार्टी शहर के डेवलपमेंट के लिए म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन को पूरा सपोर्ट देगी।आगे, हम कागज़नगर म्युनिसिपैलिटी पर बीआरएस का झंडा फहराएंगे और इसे केटीआर को गिफ़्ट के तौर पर देंगे।

बशीरबाग स्थित ब्रिन्दा गोल्डन डायमंड में आयोजित गणतंत्र समारोह में उपस्थित श्रीमती हीरामणी बंग, माधव बंग, श्रीमती श्रुतिका बंग, पदम बंग, मधुर बंग, धीरज बंग एवं वरुण बंग।

डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव में भाग लेने का निमंत्रण

15 फरवरी 2026 को शिवरात्रि पर इंजापुर में होगा भव्य लोक डायरो आयोजन

सूरत के सामाजिक व धार्मिक पदाधिकारियों से की गई विशेष अतिथि के रूप में उपस्थिति की अपील

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूज्य श्री रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला, इंजापुर के तत्वावधान में आयोजित होने वाले पूज्य डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव में भाग लेने हेतु गुजरात के सूरत शहर की विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में गौशाला के अशोक पटेल एवं जयंती पटेल ने बताया कि पूज्य श्री रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला, इंजापुर द्वारा आगामी 15 फरवरी 2026, शिवरात्रि के पावन अवसर पर विशाल लोक डायरो का आयोजन किया जा रहा है। इस लोक डायरो में देश के जाने-माने साहित्यकार एवं कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे।

सूरत में गणमान्य व्यक्तियों से किया गया संपर्क

गौशाला की ओर से विशाल लोक डायरो के प्रधान संयोजक जसमत पटेल, अशोक पटेल, शीतल पंसारीया पटेल एवं रिद्धीश जागीरदार ने गुजरात के सूरत में राज्यसभा सांसद पद्मश्री गोविंदभाई ढोलकिया, हरिकृष्ण डायमंड एक्सपोर्ट के चेयरमैन 'डायमंड किंग' सवजीभाई ढोलकिया, किरण हॉस्पिटल के चेयरमैन पद्मश्री मथुरभाई सवानी, स्वामीनारायण गुरुकुल राजकोट के ट्रस्टी राकेश पटेल, यूरो इंडिया फूड्स के चेयरमैन मनहरभाई सांसपरिया पटेल, गोयनका इंटरनेशनल स्कूल के मनहरिया काकडिया, समाजसेवी गणपतभाई धामेलिया, छगनलाल देतरोजा, भावेश देतरोजा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों से भेंट कर उन्हें लोक डायरो कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पधारने का निवेदन किया।

डोंगरेजी महाराज के स्वप्न को साकार करने का संकल्प

इस अवसर पर जसमत नानजीभाई पटेल ने कहा कि संत शिरोमणि श्री रामचंद्रजी डोंगरे महाराज की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में यह महोत्सव अत्यंत भव्य रूप में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर के उनके भक्तों एवं कथा यजमानों को आमंत्रित किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि डोंगरे महाराज का स्वप्न था कि भाग्यनगर के समीप ग्राम क्षेत्र में शुद्ध एवं प्रदूषणमुक्त वातावरण में एक विशाल गौ निवास हो, जहां शहरी दूषित वातावरण से दूर आने वाले गौभक्तों को शुद्ध वायु एवं शुद्ध जल उपलब्ध हो सके। इंजापुर स्थित गौशाला का प्राकृतिक वातावरण अत्यंत मनमोहक है। गौशाला को और अधिक विस्तृत रूप देने के लिए अतिरिक्त भूमि खंड खरीदने का निर्णय लिया गया है, जिसमें गौभक्तों और गौप्रेमियों से यथासंभव सहयोग की अपील की गई है, ताकि वे इस पुण्य कार्य के सहभागी बन सकें।

सेवा से जुड़ता समाज, सहयोग से मजबूत होती मानवता : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम समाज में सेवा और संवेदना की मिसाल बनता जा रहा है। इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए समाजसेवी महेश अग्रवाल ने कहा कि सेवा और सहयोग की भावना से किया गया प्रत्येक कार्य समाज को जोड़ने का काम करता है और जरूरतमंदों के जीवन में आशा का संचार करता है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान केवल भोजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि मानवीय करुणा और भाईचारे को सशक्त करने का माध्यम है। जब समाज का हर वर्ग एक-दूसरे के साथ खड़ा होता है, तभी एक समरस और सशक्त समाज का निर्माण संभव होता है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे सेवा कार्य लोगों को सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया तथा सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का सामूहिक संकल्प लिया गया। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए ऐसे सामाजिक कार्यक्रमों को समाज के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, मनीष अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, गौरव गोयल एवं महेश अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सक्रिय सहभागिता निभाकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

शिवदत्तराय हाई स्कूल में 77वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। शिवदत्तराय हाई स्कूल में 77वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, स्कूल प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के सचिव लक्ष्मीनारायण व्यास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर तिरंगे को सलामी दी।

इस अवसर पर अपने संबोधन में लक्ष्मीनारायण व्यास ने विद्यार्थियों को लगन और परिश्रम से अध्ययन कर जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी तथा राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्हें उपस्थितजनों ने सराहा। पूरे विद्यालय परिसर में देशभक्ति का वातावरण देखने को मिला।

इस अवसर पर विद्यालय की अध्यापिकाएँ पूजा शर्मा, रूमा करार, संगीता सक्सेना, ए. कविता, प्रियंका यादव, लता श्रीवास्तव, प्रियंका बेरा, वर्षा शर्मा, शिखा चक्रवर्ती सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चारकमान प्रभात फेरी द्वारा गुलजार हाउस-चारकमान में तथा अशोक फाउंडेशन द्वारा रिकाबगंज-भंडारा चौक पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर झंडा वंदन एवं भारत माता का पूजन करते हुए पंकज कुमार अग्रवाल। इस अवसर पर बृजमोहन अग्रवाल, राकेश पटवारी, प्रखर अग्रवाल, विहान अग्रवाल, मोहक अग्रवाल, लक्ष्मी नारायण, प्रियंका अग्रवाल, मनित कुमार एवं अन्य उपस्थित रहे।

सिएटल स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास में गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन

सिएटल, अमेरिका (शुभ लाभ ब्यूरो)। संयुक्त राज्य अमेरिका के सिएटल में स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास में भारत का गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित विशेष समारोह में भारतीय समुदाय के प्रतिष्ठित सदस्यों और सैन्य दिग्गजों ने भाग लेकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

सैन्य दिग्गजों की उपस्थिति रही मुख्य आकर्षण

समारोह में भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए वायु सेना के अनुभवी पूर्व सैनिक राकेश यादव और नौसेना के अनुभवी पूर्व सैनिक अरविंद पूठिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। इन दिग्गजों की उपस्थिति ने प्रवासी भारतीयों में राष्ट्रवाद और सेवा के प्रति गर्व का संचार किया।

प्रवासी समुदाय ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

गणतंत्र दिवस के इस गौरवशाली अवसर पर राम प्रकाश भंडारी, संतोष भंडारी और प्रिया भंडारी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान तिरंगा फहराया गया और राष्ट्रगान के साथ मातृभूमि के प्रति सम्मान प्रकट किया गया। सिएटल में रह रहे भारतीय मूल के लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों और चर्चाओं के माध्यम से भारत की लोकतांत्रिक विरासत का उत्सव मनाया।

केवल काव्य परिवार का गणतंत्र दिवस एंव बसंत काव्योत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केवल काव्य परिवार का गणतंत्र दिवस एंव बसंत-काव्योत्सव शनिवार, दिनांक 24 जनवरी को संस्था क़ी प्रदेश प्रभारी कवयित्री ज्योति नारायण के निवास स्थान पर सम्पन्न हुआ।

संस्था की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं तेलंगाना प्रभारी ज्योति नारायण द्वारा जारी प्रेस विग्यप्ति के अनुसार कार्यक्रम क़ी अध्यक्षता प्रतिष्ठित विद्वान, साहित्यकार,कवि, आलोचक डॉ ऋषभ देव शर्मा ने की, प्रतिष्ठित हास्य-व्यंग्यकार, गीत-ग़ज़लकार, समाजसेवी अजित गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित थे ख संस्था के पदाधिकारियों तथा अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के उपरांत शिल्पी भटनागर द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ ख ज्योति नारायण ने सभी का स्वागत करते हुये संस्था का परिचय दिया ख कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ ऋषभ देव जी का संस्था के कोषाध्यक्ष प्रेम नारायण द्वारा मोती की माला एवं शाल द्वारा सम्मान किया गया, मुख्य अतिथि अजित गुप्ता का स्वागत उपाध्यक्ष सुनीता लूल्ला द्वारा शाल एवं माला द्वारा किया गया ख संस्था मे प्रथम प्रविष्टि कवि राहुल सिंह ओज का भी माला एवं शाल द्वारा स्वागत किया गया।

कवयित्री मोहिनी गुप्ता के संचालन में डॉ. ऋषभदेव शर्मा, अजित गुप्ता, ज्योति नारायण, शिल्पी भटनागर, सुनीता लूल्ला, राजीव सिंह, मोहनी गुप्ता, राहुल सिंह ओज, प्रेम नारायण, एकता नारायण ने गणतंत्र दिवस एवं बसंतोत्सव की रचनाओं के अलावा अलग-अलग विषयों पर भी अति सुन्दर मनोरम गीत ग़ज़ल,नज़्म सुना कर सभी का मन मोह लिया। संस्था के अध्यक्ष कवि राजीव सिँह ने कार्यक्रम की सफलता हेतु सभी को धन्यवाद दिया।

सिखवाल सेवा संघ हैदराबाद ने मनाया गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल सेवा संघ, हैदराबाद के तत्वावधान में गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि श्री विष्णुगोपाल जी तिवारी (घोड़ावड़ वाले) द्वारा ध्वजारोहण किया गया।इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें सुरेश कुमार उपाध्याय,

कन्हैयालाल तिवारी, मोतीलाल जोशी, अनिल जायलवाल, रामदेव नागला, उमेश व्यास, सुनील व्यास, पंकज पांडिया, ओमप्रकाश व्यास, सोमराज उपाध्याय (बब्बू), रामदयाल ओझा, चेतन तिवारी, भगवान व्यास, दामोदर ओझा, पुरुषोत्तम उपाध्याय, डॉ. हरिकिशनजी नागला, हरिनारायण तिवारी, जगदीश जी पेंटरबाबू, जगदीश उपाध्याय, मुरलीधर तिवारी, कन्हैयालाल ओझा सहित समाज के कई बंधु उपस्थित थे।कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति के वातावरण में उपस्थितजनों ने राष्ट्र के प्रति अपनी आस्था और एकजुटता का परिचय दिया।

किशन बाग स्थित काशी बुग्गा प्राचीन शिव मंदिर के सेवक विजय महाराज का जन्म श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अनेक सामाजिक, धार्मिक एवं युवा संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जन्मदिन कार्यक्रम में श्री परशुराम सेवा मंडल के संस्थापक अध्यक्ष नवरत्न इंदौरिया, बजरंग दल संरक्षक लक्ष्मण यादव, पीएस चैनल संरक्षक जंगाईया अन्ना, शिव यादव, आनंद कांबले, पवन यादव, वैभव शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता की।

सोनू शर्मा ने अग्रवाल समाज तेलंगाना में प्रेरक व्याख्यान के माध्यम से साझा की जीवन और व्यवसाय की सफलता की रणनीतियाँ

जीवन में सफलता के लिए तीन महत्वपूर्ण बिंदु साझा किए
पुरानी सोच और कंफर्ट ज़ोन से बाहर निकलने पर जोर

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हर व्यक्ति के लिए जीवन में प्रत्येक दिन नथ और शून्य से शुरू होता है। इसलिए प्रतिदिन स्वयं को अपडेट करें और पुरानी सोच से हटकर नई सोच के साथ आगे बढ़ें, तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। जीवन चाहे किसी भी उम्र में हो, पर हर जीवन का मूलमंत्र यही होना चाहिए कि अच्छा कार्य अभी करना बाकी है।

यह उद्गार प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर सोनू शर्मा ने आग शमशाबाद रोड स्थित सिटामेल कन्वेंशन्स में अग्रवाल सम्मान बैंक्वेट हॉल द्वारा आयोजित व्यवसाय पर व्याख्यान में व्यक्त किए।

सोनू शर्मा ने कहा कि जीवन वर्तमान में आसान नहीं है और इसमें व्यापार तथा कार्य को विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि उम्र मायने नहीं रखती, बल्कि सोच मायने रखती है। पुराने परंपरागत विचारों से बाहर निकलना और नई सोच अपनाना ही जीवन में प्रगति सुनिश्चित करता है।

उन्होंने तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं का उल्लेख किया, जिनसे जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपने पूर्व के कार्यों से संतुष्ट नहीं होना चाहिए, बल्कि हर दिन नई शुरुआत करनी चाहिए। आलस्य और कंफर्ट ज़ोन में फंसने से जीवन में ठहराव आता है, इसलिए हमेशा ऊर्जा और सक्रियता के साथ आगे बढ़ना आवश्यक है। सोनू शर्मा ने उदाहरण देते हुए बताया कि बहुत से लोग सोचते हैं कि दो साल पहले कुछ अच्छा किया, इसलिए अब प्रगति के द्वार बंद कर दें। ऐसा सोचकर व्यक्ति आलसी बन जाता है। वर्तमान कार्य के अनुसार मूल्यांकन करें और हमेशा आगे बढ़ने का प्रयास करें। जो आज मिला, उससे अधिक कल पाने की सोच रखें। आगामी पांच वर्षों में क्या करेंगे, इसी दृष्टिकोण से कार्य करें। वर्तमान समय का सही उपयोग ही सफलता की कुंजी है। सोनू शर्मा ने ज्ञान और शिक्षा को अपडेट करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञान का स्तर समय के अनुसार बढ़ाना जरूरी है। जिन्होंने स्वयं को अपडेट किया, वही आगे बढ़ते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि समय का महत्व व्यापार और जीवन दोनों में अत्यंत महत्वपूर्ण है। चैनलों पर प्राइम टाइम विज्ञापन महंगा होता है, लेकिन सुबह के समय आने वाले विज्ञापन की दर कम होती है। समय के मूल्य को समझकर ही उचित निर्णय लेना चाहिए।

व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए सोनू शर्मा ने कहा कि प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ना है, सोना नहीं। आलस्य से पीछे छूट जाएगा। यही सोच जीवन में विकास और सफलता सुनिश्चित करती है।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के पदाधिकारी एवं गणमान्य उपस्थित थे, जिनमें बैंक्वेट हॉल के अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, उपाध्यक्ष सूर्यकमल गुप्ता, कोषाध्यक्ष राजेंद्र जालान, सचिव आशीष दोचानिया, अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, मंत्री विकास केशान, कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता, अंजनी कुमार अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष मनीष अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी और समाज के सदस्य शामिल थे।

कार्यक्रम के प्रायोजक राजलक्ष्मी ज्वेलर्स, डीआरएस सालाइट, जैन कंस्ट्रक्शन, पाखी फ्यूल एलएलपी, केशान इंडस्ट्री, सिटाडेल आदि थे, जिनका स्वागत और आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम का संचालन बैंक्वेट हॉल के उपाध्यक्ष सूर्यकमल गुप्ता ने किया। सोनू शर्मा के व्याख्यान से सभी उपस्थितजन प्रेरित हुए और उन्होंने अपने जीवन एवं व्यवसाय में नई दिशा लेने का संकल्प लिया।

केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर सोमवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया।इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल तेलवाले, संजय गुप्ता, जयप्रकाश सारडा, हरिश तोलाराम हिंदुजा, उमाकांतजी गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर किए जा रहे इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में मानवता और सहयोग की भावना को सशक्त कर रहे हैं।

गणतंत्र दिवस पर ग्रामीण खेलों को मिली रफ्तार वेंकटेश्वर टांडा में शुरू हुआ ऐतिहासिक पहल

दादपल्ली में खेल विकास की नई शुरुआत, 100 से अधिक बच्चों को मिला खेल सामान

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रंगारेड्डी जिले के दादपल्ली स्थित वेंकटेश्वर टांडा में गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक महत्वपूर्ण ग्रामीण खेल विकास पहल की शुरुआत हुई, जिसका उद्देश्य ग्रामीण बच्चों और युवाओं में खेल भागीदारी को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम का नेतृत्व स्पोर्ट्स विलेज के मल्टीस्पोर्ट प्रमोटर मोहम्मद शमसुद्दीन ने किया, जबकि सनाया ग्रुप के चेयरमैन और परोपकारी इलियास खान ने समर्थन प्रदान किया।

इस मौके पर दादपल्ली की सरपंच श्रीमती शांति राजू नायक, पूर्व एमपीटीसी श्रीमती अनीता वेंकटेश, उप एमपीपी श्री नरसिंह वेंकटेश गौड़, बंजारा ग्रुप लीडर हनुमंतु जाटोथ नायक सहित अन्य समुदाय के नेतागण और प्रतिनिधि मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती शांति राजू नायक और श्रीमती अनीता वेंकटेश ने भविष्य में खेल शिविरों के आयोजन के लिए अपना पूरा समर्थन व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि मंडल प्रशासन और स्थानीय समुदाय की ओर से युवा खेल प्रतिभाओं को पोषित करने के लिए हर आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।

उन्होंने उल्लेख किया कि वेंकतेश्वर टांडा, दादपल्ली के इतिहास में यह पहली बार है कि स्पोर्ट्स विलेज और सनाया ग्रुप जैसे निजी संगठन बच्चों और युवाओं के समर्थन में आगे आए हैं, जिसे गांव के लिए एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी क्षण करार दिया गया। इस पहल ने गणतंत्र दिवस समारोहों को विशेष अर्थ प्रदान किया, जहां बच्चों और युवाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर इस अवसर को खुशी और उत्साह के साथ मनाया।

सनाया ग्रुप के वित्तीय सहयोग से 100 से अधिक बच्चों और युवाओं को खेल किट और उपकरण प्रदान किए गए, जिसमें टी-शर्ट्स, वॉलीबॉल, क्रिकेट किट और फुटबॉल शामिल थे। लड़कियों की वॉलीबॉल टीम को भी एक पूर्ण वॉलीबॉल किट प्रस्तुत किया गया, जिसमें 14 वर्षीय राज्य स्तरीय खिलाड़ी जोतोथ राघवी भी शामिल हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की युवा लड़कियों को प्रतिस्पर्धी खेलों को अपनाने के लिए प्रेरणा मिली।

आयोजकों ने ग्रामीण युवाओं के लिए खेल इंफ्रास्ट्रक्चर और संरचित अवसरों की पहुंच के महत्व पर जोर दिया, साथ ही अनुशासन, टीम वर्क और शारीरिक फिटनेस पर विशेष ध्यान दिया। स्पोर्ट्स विलेज और सनाया ग्रुप ने तेलंगाना के सभी 33 जिलों में इसी तरह की पहलों का विस्तार करने के अपने प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो तेलंगाना क्रीड़ा नीति 2025 के अनुरूप है।

बंजारा हिल्स में शांति समिति की अहम बैठक, मदीना मस्जिद में सद्भाव और एकता का संदेश

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। शांति समिति द्वारा बंजारा हिल्स के रोड नंबर 10 स्थित मस्जिद-ए-मदीना में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह सरींहशीळपस शांति, एकता और भारत के संवैधानिक मूल्यों के प्रति हमारी साझी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जहाँ हर धर्म राष्ट्र की प्रगति के लिए एक साथ खड़ा है।

वरिष्ठ पदाधिकारियों की रही महत्वपूर्ण उपस्थिति

इस बैठक में शांति समिति के प्रमुख पदाधिकारियों समेत क्षेत्रीय प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। श्रीकिशन शर्मा (ऑल जोन जनरल सेक्रेटरी), तेजो विजय कुमारी (प्रेसिडेंट वेस्ट जोन शांति समिति), मोहम्मद असद (जनरल सेक्रेटरी वेस्ट जोन शांति समिति) ने इसमें भाग लिया। इसके अलावा बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन के एसएचओ सुहासन, एसीपी वेंकट रेड्डी बंजारा हिल्स और अन्य शांति समिति सदस्य भी इस महत्वपूर्ण बैठक में उपस्थित थे।

साम्प्रदायिक सौहार्द्र और राष्ट्रीय प्रगति पर हुई चर्चा

बैठक में उपस्थित सभी धर्मों और समुदायों के प्रतिनिधियों ने मिलकर यह संदेश दिया कि भारत का संविधान सभी धर्मों के लिए समान सम्मान और अवसर प्रदान करता है। राष्ट्र की प्रगति के लिए हर वर्ग और समुदाय के योगदान को स्वीकार करते हुए, शांति और सद्भाव को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने मिलकर एकता और शांति की अपील की और मस्जिद के इस पवित्र स्थल से राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

कल्याण संस्था और नेक्स्टजेन होप फाउंडेशन ने अनाथ बच्चों के साथ मनाया गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कल्याण संस्था ने नेक्स्टजेन होप फाउंडेशन के साथ मिलकर गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर अनाथ बच्चों के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों के जीवन में खुशियाँ लाना और उन्हें राष्ट्र के गौरवशाली पर्व का हिस्सा बनाना था, जिससे यह दिन मुस्कुराहटों और अविस्मरणीय यादों से भर गया।

यह सुंदर पहल संस्था की अध्यक्ष सुश्री आरोही रावत के प्रेरणादायी नेतृत्व और कोषाध्यक्ष आदित्य रावत के समर्पित सहयोग से सफल हुई। संस्था के पदाधिकारियों ने बच्चों के साथ समय बिताया और उन्हें गणतंत्र दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी।इस नेक कार्य को ता मा शा वेज कैफे के मालिक श्री अक्षय सोलंकी के उदार प्रायोजन (स्पॉन्सरशिप) द्वारा संभव बनाया गया। उनकी सहृदयता और योगदान ने इस सामाजिक उद्देश्य में अत्यधिक मूल्य जोड़ा। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को जलपान कराया गया और उपहार वितरित किए गए, जिससे उनके चेहरों पर खिलखिलाहट देखने को मिली।

आसिफनगर में 77वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आसिफनगर के इंस्पेक्टर आनंद कुमार, किशन लाल, राज कुमार ऐडवोकेट, धरम वीर आदि उपस्थित रहें।

DAILY शुभ लाभ
Classifieds
FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, No 15413323F, Rank- HAV (DVR), K ARAVINDAN, R/o No-3/70 A5, Kurinji Nagar, Vill- Venkatachalapuram, Po & Teh – Sattur, Distt – Virudhunagar, TN - 626203. I have to change my Son Name from A VIJAY to VIJAY A for all purpose vide affidavit dated: 28/01/2026.

CHANGE OF NAME
I, No 15413323F, Rank- HAV (DVR), K ARAVINDAN, R/o No-3/70 A5, Kurinji Nagar, Vill- Venkatachalapuram, Po & Teh – Sattur, Distt – Virudhunagar, TN - 626203. I have to change my Son Name from A THEERATH to THEERATH A for all purpose vide affidavit dated: 28/01/2026

CHANGE OF NAME & DOB
I, ACHUTA Spouse of Service No. 15678295X Hav (EFS) CH SIVANAGENDRAMU, Resident of Vill:Basireddy Pally, PO:Chandalur, Teh:Darsi, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh-523304 have changed my name and DOB from ACHUTA, DOB:01-07-1984 to CHINTALAPUDI ACHUTA, DOB:01-01-1984 vide affidavit dt:27-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, CHINTHALAPUDI NAGAIAH Father of Service No. 15678295X Hav (EFS) CH SIVANAGENDRAMU, Resident of Vill:Basireddy Pally, PO:Chandalur, Teh:Darsi, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh-523304 have changed my name and DOB from CHINTHALAPUDI NAGAIAH, DOB:01-07-1960 to CHINTALAPUDI NAGIREDDY, DOB:01-01-1963 vide affidavit dt:27-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, CHINTHALAPUDI VENGAMMA Mother of Service No. 15678295X Hav (EFS) CH SIVANAGENDRAMU, Resident of Vill:Basireddy Pally, PO:Chandalur, Teh:Darsi, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh-523304 have changed my name and DOB from CHINTHALAPUDI VENGAMMA, DOB:01-07-1962 to CHINTALAPUDI VENAGAMMA, DOB:01-01-1965 vide affidavit dt:27-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, CH BANU Daughter of Service No. 15678295X Hav (EFS) CH SIVANAGENDRAMU, Resident of Vill:Basireddy Pally, PO:Chandalur, Teh:Darsi, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh-523304 have changed my name from CH BANU to CHINTALAPUDI BANU vide affidavit dt:27-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15678295X Hav (EFS) CH SIVANAGENDRAMU, Resident of Vill:Basireddy Pally, PO:Chandalur, Teh:Darsi, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh-523304 hereby declare that my son name is to be changed from CH LAKSHMI PRAVEEN REDDY to CHINTALAPUDI LAKSHMI PRAVEEN REDDY vide affidavit dt:27-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, FAREEDA KHANAM, Spouse of SC No. 13943794-A, Rank: NK-TS Name : AHMED SHAREEF R/o.HNo. 12-1-1201/3, Shanthi Nagar, North Lalaguda, Secunderabad- 500017 and I have change my name & DOB from FAREEDA KHANAM to FAREEDA SHAREEF and DOB from 10-05-1964 to 19-01-1968. in my husband service records

CHANGE OF NAME
I, Army No.JC 736072F Nb/Sub R ASAI THAMBI of 2 Trg Bn, AOC Centre, C/o.56 APO, Secunderabad hereby declare that my son name is to be changed from AKASH to A AKASH.

CHANGE OF NAME
I, Army No.JC 736072F Nb/Sub R ASAI THAMBI of 2 Trg Bn, AOC Centre, C/o.56 APO, Secunderabad hereby declare that my daughter name is to be changed from ATCHAYA to A ATCHAYA.

CHANGE OF NAME
I, M SARATHA Spouse of Army No.JC 736072F Nb/Sub R ASAI THAMBI, Resident of Asai Thambi 3/85, Chinna Perali Periaperali Virudhunagar, Tamilnadu-626001 have changed my name from M SARATHA to A SARDHA vide affidavit dt:27-01-2026 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

अग्रवाल समाज तेलंगाना की द्वितीय केंद्रीय समिति की सभा सम्पन्न

* एएसटी सुपर सिंगर्स कार्यक्रम को मिली व्यापक सराहना * द्वितीय बैंक्वेट हॉल निर्माण प्रस्ताव पर सर्वसम्मति * श्रीशैलम भूमि विषय पर समिति द्वारा विस्तृत जानकारी प्रस्तुत

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की द्वितीय केंद्रीय समिति की सभा का आयोजन समाज के राघव रत्ना टावर्स स्थित मीटिंग हॉल में अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से समाज के मानद मंत्री विकास कुमार केशान ने जानकारी दी कि सभा का विधिवत शुभारंभ महाराजा श्री अग्रसेन जी महाराज की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने सभा में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए अब तक समाज द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों पर प्रकाश डाला तथा आगामी गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की।मानद मंत्री विकास कुमार केशान ने गत सभा की कार्यवाही सदन के समक्ष प्रस्तुत की, जिसे उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया। उन्होंने बताया कि समाज द्वारा आयोजित अडढ सुपर सिंगर्स कार्यक्रम की सर्वत्र सराहना हुई। इस अवसर पर कार्यक्रम समिति के चेयरमैन डॉ. दिलीप पंसारी, वाइस चेयरमैन श्री महेंद्र अग्रवाल एवं श्री अशोक जिंदल के प्रति आभार व्यक्त किया गया।सभा में श्रीशैलम समिति के चेयरमैन एवं परामर्शदाता श्री अंजनी कुमार अग्रवाल ने श्रीशैलम में समाज की भूमि सहित संबंधित विषयों पर विस्तृत जानकारी सदस्यों के समक्ष रखी।इसके पश्चात अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा द्वितीय बैंक्वेट हॉल निर्माण के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। इस अवसर पर मानद मंत्री विकास कुमार केशान ने इस महत्त्वपूर्ण योजना की अध्यक्षता लेने की इच्छा व्यक्त करते हुए तन-मन-धन से सेवा देने का संकल्प लिया, जिसे उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया।सभा में अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, मानद मंत्री विकास कुमार केशान, संयुक्त सचिव डॉ. सीमा जैन, कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता एवं निवर्तमान अध्यक्ष मनीष अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।इसके अतिरिक्त समाज के सलाहकारगण बद्रीविशाल बंसल, अंजनी कुमार अग्रवाल, चंद्रकांत डाकोतिया, हरीश गुप्ता, भूतपूर्व अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद नरेटा, पूजा गुप्ता, हनुमानदास अग्रवाल, संजय भालवाले, नवीन कुमार अग्रवाल, प्रशांत देव गुप्ता, राकेश कुमार अग्रवाल, राकेश कुमार गणेरिवाल, संजय अग्रवाल, नवल किशोर अग्रवाल, अशोक कुमार अग्रवाल, दुर्गा प्रसाद बंसल, प्रदीप अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, राजेंद्र शशि, अनिल कुमार अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, राजेश कुमार गोयल, महेंद्र अग्रवाल, रमेशचंद्र अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, अनु केडिया, रामगोपाल डाडावाले, सुनील केडिया, प्रतीक कुमार नरसारिया, गिरधारीलाल अग्रवाल, शशि सिंघल, दीपक अग्रवाल, राकेश कुमार जालान, सुनील कुमार चोखानी, प्रवीण चंद, राजेश सिंघल, शिल्पा धनुका, शीटल रुंगटा, लोकेश संघई, मुकुंदलाल अग्रवाल, सूर्यकमल गुप्ता, दिनेशचंद्र अग्रवाल, रितेश अग्रवाल एवं प्रेम अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

साथ ही अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल के पदाधिकारीगण अध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री आशीष दोचनिया, कोषाध्यक्ष राजेंद्र कुमार जालान तथा अडढ सुपर सिंगर्स के चेयरमैन डॉ. दिलीप पंसारी सहित कई प्रमुख व्यक्ति भी सभा में उपस्थित थे। सभा सौहार्दपूर्ण वातावरण में समाजहित के निर्णयों के साथ संपन्न हुई।

आरोग्या अस्पताल में 77वाँ गणतंत्र दिवस गरिमामय वातावरण में सम्पन्न

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मोजम्मजाही मार्केट स्थित आरोग्या अस्पताल में 77वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत नन्दगोपाल भट्टड द्वारा अतिथिगण के अभिनंदन से हुई। इस अवसर पर नगरद्वय के सुप्रसिद्ध सर्जन डॉ. संजीव सिंह यादव ध्वजारोहणकर्ता रहे।आरोग्या अस्पताल की ओर से वरुण गुप्ता ने सम्मानीय अतिथि मनोज गोयल एवं ध्वजारोहणकर्ता डॉ. संजीव सिंह यादव का स्वागत किया। भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात डॉ. संजीव सिंह यादव ने तिरंगा फहराया।ध्वजारोहण के पश्चात अपने संबोधन में डॉ. संजीव सिंह यादव ने उपस्थित सभी अतिथियों को 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं तथा उन्हें ध्वजारोहण का अवसर प्रदान करने के लिए आरोग्या अस्पताल के डॉ. मोहन गुप्ता का आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर राजस्थानी स्नातक संघ के भूतपूर्व अध्यक्ष नन्दगोपाल भट्टड ने अपने विचार रखते हुए कहा कि किसी भी देश के नागरिक के जीवन का आधार अनुशासन होता है। उन्होंने गणतंत्र भारत की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश को विकास और समृद्धि की ओर अग्रसर करना केवल सरकार का ही दायित्व नहीं है, बल्कि यह हम सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने भाषाई एवं जातीय मानसिकता से ऊपर उठकर एक सशक्त भारत के निर्माण का आह्वान किया।

राजस्थानी स्नातक संघ के अध्यक्ष एवं सम्मानीय अतिथि मनोज गोयल ने नागरिक जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक अंग्रेजी उद्धरण के माध्यम से कहा कि नागरिकों की जागरूकता ही गणतंत्र के जीवित होने का प्रमाण है। यदि नागरिक सो जाएंगे, तो गणतंत्र भी निष्क्रिय हो जाएगा। उन्होंने सभी से अपने नागरिक कर्तव्यों को पहचानने और अपनी क्षमता के अनुसार देश के लिए योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिसे न निज गौरव और न निज देश का अभिमान है, वह नर नहीं, पशु और मृतक समान है। साथ ही उन्होंने कहा कि आज विश्व पटल पर भारत ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

देशभक्ति के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. के. डी. मोदी ने वर्ष 2025-26 के संदर्भ में, विशेषकर विश्व में चल रहे विस्तारवाद को देखते हुए, देशभक्ति को एकमात्र मंत्र बताया। उन्होंने कहा कि सोच से ही कार्य उत्पन्न होते हैं। इस अवसर पर उन्होंने देशभक्ति से ओतप्रोत एक गीत प्रस्तुत किया, जिसके बोल थे-सपनों से प्यारे देश हमारे, मिटने न देंगे तेरी आन को, इस धरती से जन्म लिया है, रखेंगे सदा हम मान को।

गीत में भारत की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत, देश की रक्षा तथा राष्ट्र की अस्मिता की रक्षा का संकल्प व्यक्त किया गया। गीत के पश्चात डॉ. मोदी ने कहा कि यह गीत श्रोताओं को बचपन के स्कूल जीवन की याद दिलाता है।

उन्होंने अवकाश पर गए लोगों से भी जहाँ कहीं हों, वहाँ झंडा वंदन में भाग लेने का आग्रह किया।इस अवसर पर डॉ. एम. के. सिंह, डॉ. विजय मोहन, राजस्थानी स्नातक संघ के मंत्री, भूतपूर्व अध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा, सुरेश काबरा, द्वारका आसावा, हरिकिशन ओझा, प्रकाश नारायण राठी, संघ के सदस्य अरुण लाहोटी, श्रीमती निर्मला गोयल, श्रीमती सरोज अग्रवाल, अनिल कुमार वाजपेयी, आनंद शर्मा, ललता प्रसाद अग्रवाल, अरविंद नाराणिया, नन्दकिशोर बाहेती, गोपाल सारडा, संपत दरक, प्रशांत साबू, नरसिंग दास कासट, ओंकार यादव, मोहम्मद सलीम, श्रीमती उषा गुप्ता, वरुण गुप्ता, श्रीमती डालिया गुप्ता, श्रीमती विष्णुकांता शर्मा सहित आरोग्या अस्पताल के अनेक स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन नन्दगोपाल भट्टड ने किया तथा अंत में उन्होंने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कृष्ण सखी महिलाओं ने गणतंत्र दिवस पर आयोजित मीटिंग में देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कृष्ण सखी महिलाओं द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर विशेष मीटिंग का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाओं ने देशभक्ति गीतों के माध्यम से देश के प्रति अपने प्रेम और सम्मान को व्यक्त किया।

कार्यक्रम में भाजपा नेता सपना गुप्ता, रेखा, सुनीता, वीणा, पिंकी, नेता सोनिया, बसंती, रेनू, नवनीता सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। उपस्थित सभी ने कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाया।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने देशभक्ति और समाज सेवा के महत्व पर चर्चा की और सभी उपस्थित लोगों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

राजस्थानी सेवा संघ वारिसगुड़ा के अध्यक्ष पारसमल सोलंकी के आवास पर आयोजित सुंदर कांड पाठ प्रस्तुत करते हुए श्रीगोपाल लड्डा, कमल चौहान, दिनेश देवड़ा तथा शिवप्रकाश लाहोटी।

जन सेवा संघ ने किया 77वें गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ द्वारा 77वें गणतंत्र दिवस का उत्सव बड़े धूमधाम के साथ ईस्ट मारेडपल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में मनाया गया। कार्यक्रम का झंडा रोहण संघ के महासचिव श्री प्रकाश चौधरी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर महासचिव श्री प्रकाश चौधरी के साथ कोषाध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास्तव, केंद्रीय समिति के श्री राधे श्याम राय यादव, अरूण सिंह राजपुरोहित, पी. पी. पांडेय, मदन लाल रावल, संजय कुमार भगत, अनिल श्रीवास्तव, मोहम्मद मुनव्वर, ए. के. मिश्रा, बबन सिंह, राजेश शर्मा, सुबोध सिंह, मनोज यादव, जितेंद्र यादव, हापुराम, राजेंदर सिंह सेंगर, एस. जी. के. नायडू, अरुण कुमार, अजय यादव, दिवाकर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

महासचिव श्री प्रकाश चौधरी ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए और जन सेवा संघ परिवार की ओर से सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि देश की जनता और प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह संविधान के अनुसार राष्ट्र के हित में कार्य करें। सभी उपस्थित सदस्यों ने अपने-अपने विचार साझा किए।

बिहार समाज सेवा संघ हैदराबाद ने 77वां गणतंत्र दिवस मनाया

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के रानीगंज में बिहार समाज सेवा संघ हैदराबाद के केंद्रीय कार्यालय पर 77वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष मनीष तिवारी ने की।इस अवसर पर ध्वजारोहण किया गया और तत्पश्चात सभी ने राष्ट्रीय गीत गाया। समारोह में संघ के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें राधेश्याम प्रजापति (कोषाध्यक्ष), दीपक तिवारी (सांस्कृतिक संयोजक), राकेश सिंह (सह सचिव), विकास सिंह, जितेंद्र यादव, प्रताप गौरव, कुंदन पांडेय, आंसु पांडेय, अमित, विष्णु, कुंज तिवारी, हिमांशु सहित अन्य सदस्य शामिल थे।कार्यक्रम में बच्चों ने भी बड़े उत्साह और जोश के साथ भाग लिया और देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियाँ दीं। इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया और उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया।समारोह के दौरान यूजीसी से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने शिक्षा व्यवस्था, युवाओं के भविष्य और सामाजिक एकता पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ किया गया।

जियागुडा में 77वां गणतंत्र दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण ने जयागुडा डिवीजन के इमामपुरा एमसीएच सामुदायिक भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर के नेतृत्व वाली समिति ने 11 महीने और 11 दिनों के कठिन परिश्रम के बाद देश के लिए एक आदर्श संविधान तैयार किया। सत्यनारायण ने अपील की कि सभी को संविधान की भावना के अनुरूप कार्य करना चाहिए तथा लोकतंत्र की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि संविधान केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा संचालित प्रशासन का मार्गदर्शक है।इस अवसर पर संगठन के प्रतिनिधि जी. विनयकुमार, वाई. जसवंत कुमार, एम. महेश बाबू, वाई. यादय्या, जी. महेंदर, डी. लक्ष्मीनारायण, एम. सुरेंदर, एम. दर्शन, ए. गौतम, सी. नरसिंह राव, डी. धनराज, ए. सुरेंदर सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

वाल्मीकिनगर जियागुड़ा में 77वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बस्ती के सभी सदस्य उपस्थित रहें।

वाल्मीकि मंदिर जिंसी चौराहा मैं धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाया गया।

सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा ने मूसारामबाग में गणतंत्र दिवस मनाया

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा द्वारा मूसारामबाग स्थित नारायणी गौशाला में गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रसेन महाराज की पूजा-अर्चना के साथ किया गया।

शाखा अध्यक्ष श्रीमती रानी मित्तल और अन्य उपस्थित सदस्यों ने ध्वजारोहण किया और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का विधिवत आरंभ किया।

इसके बाद गौशाला में गायों की सेवा भी की गई और उन्हें सब्ज़ियाँ व घास खिलाई गई।

कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष श्रीमती रानी मित्तल ने सभी सदस्यों के लिए मनोरंजन गेम्स का आयोजन किया, जिससे सभी उपस्थित सदस्य आनंदित हुए। इसके पश्चात सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।

अंत में शाखा सहमंत्री कविता बंसल ने सभी को कार्यक्रम में भाग लेने और सहयोग प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर कोषाध्यक्ष मीना अग्रवाल, शाखा सहमंत्री कविता बंसल, केंद्रीय समिति सदस्य सुनीता तुलस्यान, सहायता कोषाध्यक्ष संतोष अग्रवाल, सुरभि अग्रवाल, भारती अग्रवाल सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.